नई दिल्ली । बुधवार, 10 जून, 2026
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष दशमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष :12, अंक :155/ मूल्य 3.00 रुपए । पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली संस्करण
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
आर. एन. आई. संख्या डीईएलएच आईएन/2015/61415

@ खेल रोजर फेडरर न्यूयॉर्क में एग्जीबिशन इवेंट के साथ...
@ विचार फर्जी डिग्रियां और टूटता भरोसा...
@ व्यापार एक दशक में 70 प्रतिशत बढ़ा समुद्री उत्पादों का निर्यात...

मीनाक्षी नटराजन का राज्यसभा नामांकन खारिज

नटराजन ने स्थिति को 'राजनीतिक साजिश' बताया

एजेंसी ■ भोपाल

मध्य प्रदेश में राज्यसभा के चुनावों के रिटर्निंग ऑफिसर ने मंगलवार को कांग्रेस की एकमात्र उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन के नामांकन पत्र खारिज कर दिए।

इससे पहले दिन में, चुनाव से पहले 'रिसॉर्ट स्टे' रणनीति के तहत अपने विधायकों को बेंगलुरु भेजने के प्रयास में पार्टी को भोपाल हवाई अड्डे पर बाधा का सामना करना पड़ा। इसी बीच, भाजपा ने नटराजन के नामांकन पत्र पर गंभीर आपत्ति जताते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने तेलंगाना की अदालत में लंबित एक मामले की जानकारी छिपाई है। दायर की गई आपत्ति के अनुसार, पूर्व कॉर्पोरेट अधिकारी ए. श्रीलता ने नटराजन के खिलाफ चौथे अतिरिक्त मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट की अदालत में याचिका दायर की है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि नटराजन ने कुंभम शिवकुमार रेड्डी को राजनीतिक संरक्षण दिया था। श्रीलता ने रेड्डी पर छेड़छाड़ और जान से मारने की धमकी सहित कई गंभीर आरोप लगाए हैं।

इसका खंडन करते हुए कांग्रेस नेता उमंग सिंघार ने भाजपा की आपत्ति को 'फोर्स्ड पॉलिटिक्स' करार दिया। उन्होंने तर्क दिया कि नटराजन के खिलाफ कोई औपचारिक मामला दर्ज नहीं किया गया है, केवल अदालत का नोटिस प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग के दिशानिर्देशों के अनुसार, जानकारी का खुलासा केवल मामला दर्ज होने पर ही किया जाना चाहिए, नोटिस प्राप्त होने पर नहीं।

अपना बचाव करते हुए नटराजन ने स्थिति को 'राजनीतिक साजिश' बताया और हैदराबाद अदालत में श्रीलता की याचिका का विरोध करते हुए इसे उनकी छवि खराब करने का प्रयास बताया।

सिंघार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट में कहा कि भाजपा 'गांधीवादी महिला से डरी हुई है।' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस की बढ़ती लोकप्रियता से सत्ताधारी पार्टी घबरा गई है और चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए 'हर तरह के हथकंडे' अपना रही है। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं पर विधानसभा को राजनीतिक अखाड़ा बनाने का आरोप लगाते हुए कहा, 'नारा 'नारी वंदना' है, लेकिन चरित्र 'नारी अपमान' है— यही भाजपा की असली पहचान है।

उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस एकजुट है, लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ मजबूती से खड़ी है और 'सत्य, संविधान और जनमत की शक्ति से' चुनाव में जीत हासिल करेगी।

सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध

21 जून को होने वाली नीट पुनर्परीक्षा की तैयारियां

एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) यूजी से जुड़े विवादों और पुनर्परीक्षा की तैयारियों के बीच केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान मंगलवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के मुख्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक कर 21 जून को आयोजित होने वाली नीट पुनर्परीक्षा की तैयारियों, सुरक्षा प्रबंधों और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उपायों पर चर्चा की।

नेशनल टेस्टिंग एजेंसी में अधिकारियों से मुलाकात के बाद शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि सरकार छात्रों के हितों की रक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और परीक्षा प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं विश्वसनीय बनाने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि जिन छात्रों को पुनर्परीक्षा में शामिल होना है, उनके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी कर ली जाएंगी।

पेपर लीक के मुद्दे पर शिक्षा मंत्री ने स्पष्ट कहा कि सरकार इस तरह की घटनाओं को बेहद गंभीरता से ले रही है। उन्होंने कहा कि दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जा रही है और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए व्यापक सुधार लागू किए जा रहे हैं। उनके अनुसार, परीक्षा प्रणाली को अधिक सुरक्षित, तकनीक आधारित और जवाबदेह बनाने की दिशा में शिक्षा मंत्रालय तथा संबंधित एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं। धर्मेंद्र प्रधान ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सीबीआई नीट यूजी पेपर लीक मामले की जांच की जा रही है। नीट पेपर में कहां और कैसे गड़बड़ी हुई? मुझे सीबीआई की जांच पर पूरा भरोसा है। इस मामले में जो लोग पकड़े गए हैं, उनके खिलाफ सीबीआई कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाया जाए और उनको कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

जिन लोगों के साथ हमारे साथ एग्रीमेंट था। जिन लोगों ने एग्रीमेंट तोड़ा है, उसके खिलाफ एनटीए समीक्षा कर रही है कि ऐसे लोगों के खिलाफ क्या करना है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि छात्रों और अभिभावकों का विश्वास बनाए रखना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

सक्षिप्त खबर

पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट, 8 की मौत

जयपुर। जयपुर के खोह नागोरियान इलाके में स्थित अवैध पटाखा फैक्ट्री में मंगलवार सुबह 11 बजे भीषण आग लग गई। अग्निकांड में एक बच्चे, दो भाइयों समेत आठ लोगों की मौत हो गई। पटाखा फैक्ट्री मकान नंबर- 88 करीम नगर-बी में रिहायशी इलाके में चल रही थी। मकान याकूब पुत्र नजीर खान निवासी- राक्ष्या की ढाणी खोह नागोरियान का है। याकूब ने अपना मकान फिरोज निवासी- नई दिल्ली को किराए पर दे रखा है। फिरोज मकान में अवैध रूप से शादी के पटाखों की पैकिंग करवाता था। घटना के बाद से मकान मालिक और फैक्ट्री मालिक की तलाश की जा रही है।

इनकी हुई मौत

मरने वालों में मोहम्मद अशरफ (40) पुत्र मोहम्मद शकील निवासी- पीरजी कॉलोनी, मोहम्मद रब्बिल (16) पुत्र मोहम्मद सिकंदर निवासी- करीम नगर-2 तलाई, अब्दुल वहीद (46) पुत्र अब्दुल अजीज निवासी- रहीम नगर, समीर खान (20) पुत्र अनिस खान निवासी- रहीम नगर, बिलाल खान (28) पुत्र नासिर निवासी- रहीम नगर, आजीम खान (18) पुत्र नासिर खान निवासी- रहीम नगर, नासिर खान (25) पुत्र मोहम्मद अली निवासी- रहीम नगर खोह नागोरियान के रहने वाले थे।

चुनावी हार पर मंथन करेगी सीपीआई एम

तिरुवनंतपुरम। विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) ने आत्ममंथन की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पार्टी की राज्य समिति ने चुनाव समीक्षा रिपोर्ट सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया है और चुनावी नतीजों से जुड़े सभी पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने का फैसला किया है। पार्टी नेतृत्व का कहना है कि संगठन को भविष्य में किस दिशा में आगे बढ़ाना है, इस पर अगस्त में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी। साथ ही समाज के विभिन्न वर्गों से सुझाव लेने के लिए विशेष अभियान भी शुरू किया गया है।

भारत ने पहली बार सीमा पर तैनात किए 12 परमाणु बम

ग्लोबल रिसर्च इंस्टट्यूट सिपरी की रिपोर्ट में दावा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

ऑपरेशन सिंदूर के बाद पहली बार भारत के परमाणु हथियारों को लेकर एक बहुत बड़ा खुलासा हुआ है। भारत ने पहली बार 12 परमाणु हथियार मोर्चे पर तैनात कर दिए हैं। दरअसल ऑपरेशन सिंदूर 2 की तैयारी और दुनिया में जंग जैसे हालातों के बीच भारत के परमाणु हथियारों को लेकर एक बेहद ही चौंकाने वाली रिपोर्ट सामने आई है। रक्षा क्षेत्र पर नजर रखने वाले एक ग्लोबल रिसर्च इंस्टट्यूट सिपरी ने अपनी सालाना रिपोर्ट में बताया है कि भारत तेजी से

अपने न्यूक्लियर हथियारों की संख्या बढ़ा रहा है। 2014 तक भारत परमाणु हथियारों की संख्या में पाकिस्तान से पीछे था। उस वक्त भारत के पास 90 से 110 परमाणु हथियार थे। जबकि पाकिस्तान के पास 100 से 120 परमाणु हथियार थे। सिप्री की सबसे लेटेस्ट रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत के पास अब 190 परमाणु हथियार हैं। जबकि पाकिस्तान के पास 170 न्यूक्लियर हथियार हैं। 2024 की रिपोर्ट के मुताबिक भारत के पास 172 न्यूक्लियर हथियार थे। 2025 में इनकी संख्या 180 पहुंच गई। इसी बीच ऑपरेशन सिंदूर हुआ, जिसके बाद अब भारत के न्यूक्लियर हथियारों की संख्या 190 पहुंच गई है। यह एक बहुत बड़ी छलांग है। जबकि इसी सिपरी रिपोर्ट के मुताबिक 2024, 25 और 26 में पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियारों की संख्या 170 ही रही।

मोदी सरकार के 12 साल, 'राष्ट्र प्रथम से राष्ट्र निर्माण तक' की गौरवशाली यात्रा

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 12 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सरकार की प्रमुख उपलब्धियों, सुधारों और कल्याणकारी पहलों को प्रदर्शित करने के लिए एक राष्ट्रव्यापी अभियान शुरू किया है।

यह अभियान '12 साल विश्वास के, विकास के, जन-कल्याण के' (12 वर्ष: विश्वास, विकास और जन-कल्याण के) थीम के तहत चलाया जा रहा है। यह समावेशी विकास, राष्ट्रीय विकास और नागरिक कल्याण पर सरकार के

जोर को दर्शाता है। सरकार ने हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू और कई अन्य भारतीय भाषाओं में पांच विशेष पुस्तिकाएं जारी की हैं, जिनमें मोदी सरकार के 12 साल के सफर को दर्शाया गया है। इसका उद्देश्य सरकार के सफर का व्यापक विवरण प्रस्तुत करना है। ये पुस्तिकाएं मिलकर सरकार के प्रमुख नीतिगत निर्णयों को दर्शाती हैं, जिनमें बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों और राष्ट्र निर्माण के उद्देश्य से किए गए अन्य प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विश्लेषकों का कहना है कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि पिछले 12 वर्षों में मोदी सरकार के प्रयासों ने भारत के विकास पथ को आकार दिया है।

'राष्ट्र प्रथम' पुस्तिका राष्ट्रीय हित पर केंद्रित ऐतिहासिक निर्णयों और विभिन्न पहलों पर प्रकाश डालती है। यह पुस्तिका भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, रणनीतिक क्षमताओं और वैश्विक स्तर पर स्थिति को मजबूत करने के लिए उठाए गए कदमों को रेखांकित करती है।

ममता आवास में सीआईडी की दबिश

फर्जी हस्ताक्षर मामले की जांच तेज

एजेंसी ■ कोलकाता

तृणमूल कांग्रेस में चल रहे आंतरिक विवाद के बीच मंगलवार को पश्चिम बंगाल सीआईडी की टीम पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर पहुंची। इसी परिसर में पार्टी का केंद्रीय कार्यालय भी संचालित होता है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार जांच दल को शुरुआत में परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं मिली, लेकिन बाद में अतिरिक्त पुलिस बल की मौजूदगी में अधिकारियों ने अंदर जाकर जांच संबंधी कार्रवाई की।

मामला टीएमसी विधायक दल में नेतृत्व से जुड़े एक विवाद और कथित फर्जी हस्ताक्षर प्रकरण से जुड़ा है। पार्टी के कुछ बागी विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को शिकायत भेजकर आरोप लगाया है कि नेता विपक्ष बनाए जाने से संबंधित प्रस्ताव में अभिषेक बनर्जी के लेटरहेड का उपयोग किया गया तथा उस पर कथित रूप से फर्जी हस्ताक्षर किए गए। शिकायत में अभिषेक बनर्जी पर भी सवाल उठाए गए हैं। सीआईडी अधिकारियों के अनुसार अभिषेक बनर्जी ने एजेंसी को दिए जवाब में बताया था कि संबंधित विधायकों के हस्ताक्षर 30बी हरीश चटर्जी स्ट्रीट स्थित टीएमसी के केंद्रीय कार्यालय में एकत्र किए गए थे। यह कार्यालय ममता बनर्जी के कालीघाट स्थित आवास परिसर में ही स्थित है। इसी सूचना के आधार पर जांच टीम मंगलवार को वहां पहुंची। इससे पहले सोमवार को सीआईडी की टीम अभिषेक बनर्जी के आवास भी पहुंची थी।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतें बनी रहीं तो पेट्रोल-डीजल महंगे हो सकते हैं : प्रांजुल भंडारी

वैश्विक कीमतों का पूरा बोझ केवल सरकार नहीं उठा सकती

एजेंसी ■ नई दिल्ली

एचएसबीसी की चीफ इंडिया इकोनॉमिस्ट प्रांजुल भंडारी ने मंगलवार को कहा कि अगर वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं और भारत का तेल आयात बिल लगातार बढ़ता है, तो पेट्रोल और डीजल की कीमतों में और बढ़ोतरी की जा सकती है।

न्यूज एजेंसी आईएएनएस को दिए एक एक्सक्लूसिव इंटरव्यू में भंडारी ने कहा कि हाल के महीनों में भारत में आयातित कच्चे तेल की वास्तविक लागत (लैंडेड कॉस्ट)

करीब 110 डॉलर प्रति बैरल रही है। उनके अनुसार, इस स्तर पर तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर भारी वित्तीय दबाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, 'पिछले एक महीने में भारत में तेल आयात की लागत लगभग 110 डॉलर प्रति बैरल रही है। इन स्तरों पर तेल वितरण कंपनियों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार ने इस बोझ का बड़ा हिस्सा अपने ऊपर लिया है और तेल पर उत्पाद शुल्क (एक्साइज ड्यूटी) में कटौती की है।'

भंडारी ने कहा कि तेल की ऊंची वैश्विक कीमतों का पूरा बोझ केवल सरकार नहीं उठा सकती और इसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं को भी वहन करना होगा। उन्होंने कहा, 'इस बोझ का कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं को भी उठाना चाहिए।

छत्तीसगढ़ को मिलेंगे 3,354.85 करोड़ रुपये

1 जुलाई से लागू होगी 'विकसित भारत जी राम जी' की नई व्यवस्था

एजेंसी ■ रायपुर/नई दिल्ली

केंद्रीय ग्रामीण विकास व कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्रियों की उच्चस्तरीय बैठक में छत्तीसगढ़ के ग्रामीण इंफ्रास्ट्रक्चर और रोजगार सृजन को एक बड़ी सौगात मिली है। केंद्र सरकार द्वारा देश भर में 1 जुलाई 2026 से लागू की जा रही नई ऐतिहासिक व्यवस्था 'विकसित भारत रोजगार और आजीविका गारंटी मिशन' (वीबी जी राम जी) के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के लिए 3,354.85 करोड़ रुपये के अंतरिम आवंटन की घोषणा की गई है। इस बड़ी वित्तीय सहायता से राज्य की ग्राम पंचायतों को सीधा फंड मिलेगा, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की गारंटी मजबूत होगी और ग्रामीण विकास के कार्यों को अभूतपूर्व गति मिलेगी।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बैठक में कहा कि यह केवल एक योजना का परिवर्तन नहीं है, बल्कि करोड़ों मजदूरों के जीवन और आजीविका से जुड़ा विषय है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि 'एक दिन भी कोई मजदूर बिना काम के न रहे' और रोजगार, मजदूरी भुगतान तथा वैधानिक अधिकारों की गारंटी में किसी प्रकार की बाधा स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने जानकारी दी कि केंद्र सरकार ने पहले ही मनरेगा के तहत 30 हजार करोड़ रु. आवंटित कर दिए हैं। इसके अतिरिक्त आज 95,692 करोड़ रु. का इंटरिम अलोकेशन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जारी किया गया। इस प्रकार कुल राशि 1.25 लाख करोड़ रु. से अधिक हो जाएगी।

चौहान ने कहा कि यह राशि देश की लगभग 2.80 लाख ग्राम पंचायतों तक पहुंचेगी जिससे प्रत्येक पंचायत को लाखों रुपये का फंड उपलब्ध होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस धनराशि का उपयोग अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार चिन्हित विकास कार्यों में किया जाए जिससे रोजगार सृजन के साथ-साथ ग्रामीण परिसंपत्तियों का निर्माण भी सुनिश्चित हो। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार केवल धन उपलब्ध नहीं करा रही है, बल्कि यह सुनिश्चित करना चाहती है कि समय पर मजदूरी भुगतान हो, श्रमिकों के अधिकार सुरक्षित रहें और विकास कार्यों में कोई व्यवधान न आए। उन्होंने राज्यों से आग्रह किया कि वे पर्याप्त मात्रा में कार्यों को पूर्व स्वीकृति दें ताकि 1 जुलाई से ही काम तेजी से शुरू हो सके। डिजिटल और प्रशासनिक तैयारियों पर बात करते हुए केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह ने कहा कि DBT, SMS आधारित सूचना प्रणाली, e-KYC और फेस ऑथेंटिकेशन जैसी प्रक्रियाओं में कई राज्यों ने उल्लेखनीय प्रगति की है जो नई व्यवस्था के सफल क्रियान्वयन का संकेत है।

ट्रंप ने माना ईरान ने मार गिराया गश्ती अपाचे

एजेंसी ■ वाशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को दावा किया कि ईरान ने रात के दौरान होर्मुज जलडमरूमध्य में गश्त कर रहे अमेरिका के एक अपाचे हेलीकॉप्टर को मार गिराया है। उन्होंने इस घटना पर जवाबी कार्रवाई करने का संकल्प भी जताया, हालांकि उन्होंने कोई अन्य जानकारी नहीं दी।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में लिखा, 'मुझे अभी-अभी हमारी महान सेना ने सूचित किया है कि बीती रात ईरानियों ने होर्मुज जलडमरूमध्य के ऊपर गश्त कर रहे हमारे अत्याधुनिक अपाचे हेलीकॉप्टरों में से एक को मार गिराया।'

मध्य प्रदेश कैबिनेट का बड़ा फैसला, भोपाल मेट्रो समेत 13,800 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी

भोपाल। मुख्यमंत्री मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिपरिषद की बैठक हुई। बैठक में मध्य प्रदेश के बुनियादी ढांचे, तकनीकी विकास और किसान कल्याण से जुड़े कार्यों के लिए लगभग 13 हजार 800 करोड़ रुपए की स्वीकृति के साथ कई बड़े एवं महत्वपूर्ण निर्णयों पर मुहर लगाई गई है।

बैठक में भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की संशोधित कुल लागत और अतिरिक्त वित्त पोषण को मिलाकर 13,565.84 करोड़ रुपए की पुनरीक्षित राशि की स्वीकृति दी गई। अब भोपाल शहर के यातायात नेटवर्क को बड़ा विस्तार मिलेगा। इसके साथ ही राज्य में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को सुदृढ़ करने के लिए आगामी 5 वर्षों 2026-2031 के लिए आईटी संवर्ग परामर्श सेवाओं और कार्य योजना के लिए 235 करोड़ 63 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

कृषि और व्यापार जगत को गति देने के लिए मंत्रिपरिषद ने कपास पर मंडी फीस की दर को 1 प्रतिशत से घटाकर 0.5 प्रतिशत करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है, जिससे स्थानीय जिनिंग मिलों को मजबूती मिलेगी और रोजगार बढ़ेगा। किसान हित में सामान्य मंडी शुल्क को एक रुपये से बढ़ाकर एक रुपए 50 पैसे किया गया है।

शुल्क के रूप में प्राप्त होने वाली 500 करोड़ रुपए की अनुमानित अतिरिक्त आय का उपयोग सीधे किसान सड़क निधि और कृषि अनुसंधान के विकास में किया जाएगा। आगामी रबी और खरीफ विपणन सत्रों में फसलों के सुचारू उपार्जन को सुनिश्चित करने के लिए एमपीएससीएससी और मार्कफेड को 8,600 करोड़ रुपए की निःशुल्क शासकीय प्रत्याभूति देने की भी बड़ी मंजूरी दी गई है। यह फैसले प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक उन्नति की दिशा में सशक्त कदम साबित होंगे। मंत्रिपरिषद ने भोपाल मेट्रो रेल परियोजना की मूल लागत 6,941.40 करोड़ में 3,092.22 करोड़ रुपए की अतिरिक्त लागत जोड़कर संशोधित कुल लागत 10,033.62 करोड़ रुपए के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की है। मंत्रिपरिषद ने इसके अतिरिक्त उद्योग के स्वीकृत मानदंडों के अनुसार परियोजना के लिए अतिरिक्त वित्त पोषण के लिए 3,532 करोड़ 22 लाख रुपए की भी स्वीकृति प्रदान की है। इसमें भारत शासन और राज्य शासन द्वारा 995 करोड़ 9 लाख रुपए की अतिरिक्त इक्विटी और केन्द्रीय करों के लिए 84 करोड़ 54 लाख रुपए का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण, वित्तपोषण एजेंसी बैंकों से ऋण निधि के विरुद्ध 1,620 करोड़ 64 लाख रुपये का अतिरिक्त पीटीए/आंतरिक ऋण, मध्य प्रदेश शासन से भूमि की लागत और पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन के लिए 138 करोड़ 38 लाख रुपए का अतिरिक्त अधीनस्थ ऋण तथा मध्य प्रदेश शासन से राज्य करों के लिए 446 करोड़ 35 लाख रुपए एवं आईडीसी की लागत के लिए 246 करोड़ 41 लाख रुपए का अतिरिक्त अनुदान शामिल है।

सीएम सुक्खू की अध्यक्षता में प्राधिकरण की बैठक में निवेश के 42 औद्योगिक प्रस्तावों को मंजूरी

शिमला। हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित राज्य एकल खिड़की की स्वीकृति एवं अनुश्रवण प्राधिकरण की 32वीं बैठक में 5877.0 करोड़ रुपए के प्रस्तावित निवेश वाले 42 औद्योगिक निवेश प्रस्तावों मंजूरी प्रदान की गई। इससे राज्य में 13,355 रोगार के अवसर पैदा होने की संभावना है।

यह बैठक राज्य सरकार की उन लगातार प्रयासों का हिस्सा थी जिनका उद्देश्य आसान मंजूरी प्रक्रियाओं और निवेशकों को सुविधाएं देकर प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देना, बड़े निवेश आकर्षित करना, बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा करना और संतुलित क्षेत्रीय विकास सुनिश्चित करना है।

बैठक में दी गईं स्वीकृतियां एक प्रगतिशील और समावेशी औद्योगिक वातावरण बनाने के प्रति राज्य की मजबूत प्रतिबद्धता को उजागर करती हैं। राज्य सरकार आसान डिजिटल सिंगल-विंडो सिस्टम अपनाकर व्यापार में सुगमता को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

प्रस्तावों का अलग-अलग क्षेत्रों में फैलाव हिमाचल प्रदेश के औद्योगिक आधार में बढ़ती विविधता को दर्शाता है। इसमें फार्मा, ऑटोमोबाइल, टेक्सटाइल, केमिकल, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, प्लास्टिक और पैकेजिंग, फूड प्रोसेसिंग, कास्मेटिक्स, स्टील आदि क्षेत्रों के प्रस्ताव शामिल हैं।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने ऐसे श्रम-प्रधान उद्योगों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जो हिमाचल प्रदेश के युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार के अवसर पैदा कर सकें। साथ ही, उन्होंने एक ऐसा प्रगतिशील औद्योगिक वातावरण बनाने की प्रतिबद्धता जताई जो आर्थिक विकास और पर्यावरण की स्थिरता के बीच संतुलन बनाए रखे।

उन्होंने विभाग को अगले दो महीनों के भीतर नई हिमाचल प्रदेश औद्योगिक नीति को अधिसूचित करने का निर्देश दिया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय 10 जून को दिल्ली में नीति आयोग की बैठक में शामिल होंगे

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय बुधवार को तीन दिवसीय नई दिल्ली यात्रा पर रवाना होंगे। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक में भाग लेंगे।

यह यात्रा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री के रूप में पदभार ग्रहण करने के बाद उनकी पहली आधिकारिक दिल्ली यात्रा के लगभग दो सप्ताह बाद हो रही है।

विजय ने इससे पहले 27 मई को नई दिल्ली की यात्रा की थी, जो तमिलनाडु में सरकार का कार्यभार संभालने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की उनकी पहली यात्रा थी।

उस यात्रा के दौरान, उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात की और तमिलनाडु से संबंधित कई मुद्दों को उजागर करते हुए एक विस्तृत ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री द्वारा उठाई गई प्रमुख मांगों में कर्नाटक की प्रस्तावित मेकेदातु बांध परियोजना को मंजूरी न देना और तमिलनाडु के मछुआरों की समस्याओं का स्थायी समाधान खोजना शामिल था।

मुख्यमंत्री विजय ने तमिलनाडु के विकास और वित्तीय आवश्यकताओं से संबंधित मामलों पर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी चर्चा की।

हालांकि, कांग्रेस समर्थित गठबंधन सरकार का नेतृत्व करने के बावजूद मुख्यमंत्री विजय ने उस दौरे के दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं सोनिया गांधी या राहुल गांधी से मुलाकात नहीं की।

नीति आयोग की शासी परिषद की बैठक 11 जून को नई दिल्ली में आयोजित होने वाली है।

देश भर के मुख्यमंत्री इस उच्चस्तरीय बैठक में भाग लेने की संभावना रखते हैं, जहां राज्य के विकास, वित्तीय सहायता और सहकारी संघवाद से संबंधित मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, विजय बुधवार को सुबह लगभग 8 बजे एक निजी विमान से चेन्नई से रवाना होकर बैठक के लिए नई दिल्ली जाएंगे।

मुख्यमंत्री इस अवसर का उपयोग तमिलनाडु की विकास प्राथमिकताओं को दोहराने और प्रमुख परियोजनाओं के लिए केंद्र सरकार से अधिक समर्थन मांगने के लिए करेंगे। राजनीतिक गलियारों में भी इस दौरे पर गहरी नजर है, क्योंकि ऐसी आशंका है कि विजय नई दिल्ली में अपने प्रवास के दौरान लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी से मुलाकात कर सकते हैं। तमिलनाडु में सत्तारूढ़ गठबंधन में कांग्रेस की अहम सहयोगी भूमिका को देखते हुए ये मुलाकातें महत्वपूर्ण होंगी और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर हो रहे राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा का अवसर प्रदान कर सकती हैं।

बिहार राजस्व विभाग में बड़ी कार्रवाई, 10 अधिकारियों पर गिरी गाज, एक को बर्खास्त करने की अनुशंसा

पटना। बिहार सरकार ने राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग में लापरवाही और अनियमितताओं के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक एवं विभागीय कार्रवाई को मंजूरी दी है। राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि भ्रष्टाचार, कर्तव्यहीनता और सरकारी निर्देशों की अवहेलना किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सबसे कड़ी कार्रवाई समस्तीपुर में प्रभारी सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी रहीं अंजली कुमारी आनंद के खिलाफ की गई है। जुलाई 2021 से अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहने और विभागीय कार्यवाही में सहयोग नहीं करने के कारण उनके खिलाफ सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की गई है।

विभागीय आदेश के मुताबिक, छपरा सदर की अंचल अधिकारी कुमारी आंचल, अस्थावां के अंचल अधिकारी रविन्द्र कुमार चौपाल तथा पश्चिम चंपारण के अपर जिला भू-अर्जन पदाधिकारी राकेश कुमार को निन्दन दंड दिया गया है। वहीं, बोधगया के तत्कालीन अंचल अधिकारी अविनाश कुमार की एक वेतन वृद्धि असंचयात्मक प्रभाव से रोक दी गई है। मधेपुर की अंचल अधिकारी कौशिका कुमारी को चेतावनी जारी की गई है। इसके अलावा मोकामा के तत्कालीन अंचल अधिकारी ज्ञानीन्द्र, हथुआ के अंचल अधिकारी नारायण राजा और गया के सहायक बंदोबस्त पदाधिकारी संजीव कुमार के खिलाफ आरोप पत्र गठित किए गए हैं। गया सदर के राजस्व अधिकारी राम कुमार रमन के खिलाफ विभागीय कार्यवाही चलाने का निर्णय लिया गया है। मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल ने कहा कि राजस्व विभाग आम लोगों से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। जनता के हितों से जुड़े मामलों में लापरवाही या अनियमितता बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले विभाग 32 अंचल अधिकारियों और राजस्व पदाधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई कर चुका है।

हाल ही में राजस्व अधिकारी सोनी कुमारी के विरुद्ध भी सेवा से बर्खास्त करने की अनुशंसा की गई थी।ताजा कार्रवाई के बाद विभागीय कार्रवाई का सामना करने वाले अधिकारियों की संख्या बढ़कर 42 हो गई है।

नमो भारत ने एक दिन में 12.5 लाख यात्रियों के साथ रिकॉर्ड बनाया

नई दिल्ली। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत ने सोमवार को अब तक का सबसे अधिक दैनिक यात्री संख्या का रिकॉर्ड बनाया। इस क्रम में एक ही दिन में लगभग 1,25,500 यात्रियों ने इस मार्ग पर यात्रा की।

एक अधिकारी ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि यह उपलब्धि एनसीआर में लोगों के यात्रा करने के तरीके में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जहां यात्री तेजी से, विश्वसनीय और समयबद्ध सार्वजनिक परिवहन के रूप में नमो भारत को प्राथमिकता दे रहे हैं।

बयान में कहा गया कि औसतन, लगभग 1 लाख यात्री प्रतिदिन नमो भारत सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं।

नमो भारत की बढ़ती लोकप्रियता का एक प्रमुख कारण यात्रा के समय में होने वाली उल्लेखनीय कमी है। बयान में कहा गया है कि ऑफिस जाने वाले, छात्र और अन्य नियमित यात्री अपनी दैनिक यात्रा के लिए नमो भारत को तेजी से चुन रहे हैं।

लगभग 99 प्रतिशत समयबद्धता बनाए रखते हुए रेल सेवाएं यात्रियों को यातायात जाम और सड़क यात्रा से जुड़ी अनिश्चितताओं से बचाते हुए, समय पर अपने गंतव्य तक पहुंचने में मदद करती हैं।

समें कहा गया है कि दिल्ली के सराय काले खान, न्यू अशोक नगर, आनंद विहार और उत्तर प्रदेश के मेरठ में गाजियाबाद और बेगमपुल कॉरिडोर के सबसे व्यस्त स्टेशनों में शामिल हैं।

ये स्टेशन मेट्रो, भारतीय रेलवे, आईएसबीटी सेवाओं और सिटी बसों सहित सार्वजनिक परिवहन के कई साधनों से निर्बाध रूप से जुड़े हुए हैं। इन स्टेशनों से कुल यात्रियों का 40 प्रतिशत से अधिक हिस्सा गुजरता है। इस बीच, मेरठ में इसी नमो भारत बुनियादी ढांचे पर चलने वाली स्थानीय मेट्रो सेवाओं ने शहर के भीतर आवागमन को काफी बेहतर बनाया है।

दिल्ली में हीट वेव से निपटने की तैयारियों की समीक्षा, राहत उपाय बढ़ाने के निर्देश

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में एक बार फिर बढ़ती गर्मी और हीट वेव के खतरे को देखते हुए उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक में 'हीट वेव एक्शन प्लान 2026' की समीक्षा की। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मंत्री आशीष सूद और प्रवेश वर्मा ने भी हिस्सा लिया। इस दौरान गर्मी से राहत के लिए किए जा रहे विभिन्न उपायों का आकलन किया गया और उन्हें और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए।

बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद पहली बार दिल्ली के सभी जिलों में समन्वित तरीके से हीट वेव राहत योजना लागू की गई है। इसके तहत कई विभाग मिलकर लोगों को गर्मी से राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं। उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अब तक किए गए कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि दिल्ली की बड़ी आबादी को देखते हुए राहत उपायों का दायरा और बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि मोबाइल राहत वैन और कूलिंग सेंटरों की संख्या आवश्यकता के अनुसार बढ़ाई जाए।

अंबाला हवाई अड्डा जल्द ही चालू होने वाला है: केंद्रीय मंत्री बीएल वर्मा

चंडीगढ़ । उपभोक्ता मामलों के केंद्रीय राज्य मंत्री बीएल वर्मा ने मंगलवार को कहा कि 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के गठन से पहले देश में केवल 74 हवाई अड्डे चालू थे। आज यह संख्या बढ़कर 164 हो गई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अंबाला छावनी में नवनिर्मित घरेलू हवाई अड्डा (सिविल एन्क्लेव) देश का 165वां चालू हवाई अड्डा बन जाएगा और यहां से उड़ान सेवाएं बहुत जल्द शुरू हो जाएंगी।

राज्य के ऊर्जा मंत्री अनिल विज के साथ नवनिर्मित घरेलू हवाई अड्डे का निरीक्षण करने के बाद मीडिया से बात करते हुए वर्मा ने कहा कि विज के नेतृत्व में अंबाला छावनी में विकास का एक नया अध्याय लिखा जा रहा है।

उन्होंने इस महत्वपूर्ण परियोजना में योगदान के लिए विज, मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और सभी विभागों, अधिकारियों और इंजीनियरों को बधाई दी।

निरीक्षण के दौरान, विज ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि अंबाला छावनी हवाई अड्डा देश के सबसे पुराने और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हवाई अड्डों में से एक है।

उन्होंने कहा कि इसके रणनीतिक महत्व के कारण, अंग्रेजों ने भी अपने शासनकाल में अंबाला को हवाई अड्डे के रूप में चुना था।

उन्होंने बताया कि रनवे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है, जिससे चौबीसों घंटे और हर मौसम में सुरक्षित विमान संचालन संभव है। घरेलू हवाई अड्डा लगभग 20 एकड़ में फैला है और हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण विमानन केंद्र के रूप में कार्य करने की उम्मीद है। विज ने केंद्रीय मंत्री को यह भी बताया कि अंबाला छावनी उत्तर भारत के प्रमुख रेलवे जंक्शनों में से एक है, जहां प्रतिदिन लगभग 276 ट्रेनें आती-जाती हैं।

बैठक में कुर्सियों पर बैठकर योग करते दिखे डीएम, एडीएम और सीडीओ, वीडियो हुआ वायरल

मुरादाबाद । अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर मुरादाबाद जिला प्रशासन द्वारा योग को बढ़ावा देने के लिए विशेष तैयारियां की जा रही हैं।

इसी बीच जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों का एक वीडियो सामने आया है, जो सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। वीडियो में मुरादाबाद के जिलाधिकारी राजेंद्र पेंसिया, मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) मृणाली अविनाश जोशी, एडीएम सिटी अंकुर श्रीवास्तव सहित जिले के कई अन्य अधिकारी कलेक्ट्रेट सभागार में अपनी-अपनी कुर्सियों पर बैठकर योगाभ्यास करते नजर आ रहे हैं।

बताया जा रहा है कि यह वीडियो एक आधिकारिक बैठक के दौरान का है। वीडियो में अधिकारी कुर्सियों पर बैठे हुए विभिन्न योग क्रियाएं करते दिखाई दे रहे हैं। अधिकारियों का यह अनोखा अंदाज लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है और सोशल मीडिया पर भी इसकी काफी चर्चा हो रही है।

दरअसल, हर वर्ष की तरह इस बार भी 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा। योग दिवस के आयोजन को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में अधिकारियों और कर्मचारियों को योग के प्रति जागरूक करने तथा अधिक से अधिक लोगों को योग से जोड़ने के उद्देश्य से यह अभ्यास कराया गया।

जिला प्रशासन की ओर से जारी निर्देशों के अनुसार 15 जून से 21 जून तक योग जागरूकता सप्ताह के रूप में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों को नियमित योग करने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

प्रशासन का मानना है कि योग न केवल शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है, बल्कि मानसिक तनाव को कम करने में भी मददगार साबित होता है।

अधिकारियों का कहना है कि योग दिवस को लेकर जिले भर में विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

किसानों को प्रोत्साहन राशि, 240 ई-बसों और पावर ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ को मंजूरी

साय कैबिनेट में लिए गए कई बड़े फैसले, योग चिकित्सा विभाग के अधीन

रायपुर (संवाददाता)। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में मंगलवार को नवा रायपुर स्थित महानदी भवन मंत्रालय में आयोजित मंत्रिपरिषद की बैठक में किसानों, ऊर्जा, परिवहन, खनिज, योग शिक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड के आईपीओ, कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप, इलेक्ट्रिक बसों के संचालन तथा नवा रायपुर में स्टाम्प ड्यूटी छूट की अवधि बढ़ाने सहित कई प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की।

पावर ट्रांसमिशन कंपनी का आएगा आईपीओ

मंत्रिपरिषद ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम के माध्यम से शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। सरकार का मानना है कि इससे कंपनी के विस्तार के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ आम नागरिकों और निवेशकों को भी कंपनी की विकास यात्रा में भागीदारी का अवसर मिलेगा।

किसानों को मिलेगा प्रोत्साहन

कैबिनेट ने खरीफ-2026 से कृषक उन्नति योजना के नए स्वरूप को मंजूरी दी है। इसके तहत धान के स्थान पर अन्य फसलों का उत्पादन करने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। सरकार का उद्देश्य फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना और किसानों की आय में वृद्धि करना है।

राशन हितग्राहियों को मिलता रहेगा चना

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत राशन कार्डधारकों को चना वितरण की व्यवस्था जारी रखने का निर्णय भी मंत्रिपरिषद ने लिया है, जिससे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को पोषण सुरक्षा मिलती रहेगी।

योग विषय अब चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन

कैबिनेट ने योग विषय को समाज कल्याण विभाग से हटाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। सरकार के अनुसार योग आयुष प्रणाली का महत्वपूर्ण अंग है और इसके शिक्षा, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कार्यों का बेहतर संचालन चिकित्सा शिक्षा विभाग के माध्यम से किया जा सकेगा।

रायपुर समेत चार शहरों में चलेंगी 240 इलेक्ट्रिक बसें

प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी संचालन के लिए मंत्रिपरिषद ने पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म योजना के तहत डायरेक्ट डेबिट मैंडेट के संबंध में केंद्र सरकार को सहमति भेजने की अनुमति प्रदान की। इस निर्णय से रायपुर सहित प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में 240 इलेक्ट्रिक बसों के संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा।

नवा रायपुर में स्टाम्प ड्यूटी छूट की अवधि बढ़ी

कैबिनेट ने नवा रायपुर अटल नगर क्षेत्र में भूमि खरीद पर दी जा रही स्टाम्प ड्यूटी छूट की अवधि वर्ष 2028 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। सरकार का मानना है कि इससे निवेश को बढ़ावा मिलेगा और नवा रायपुर में आवासीय एवं व्यावसायिक विकास की गति तेज होगी।

बैठक में खनिज परिवहन व्यवस्था को तकनीक आधारित और अधिक पारदर्शी बनाने से जुड़े प्रस्तावों पर भी सहमति दी गई। सरकार का कहना है कि इन फैसलों से प्रदेश में सुशासन, निवेश, कृषि विकास और आधुनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

छत्तीसगढ़ में चल रहा अमानक दवाईयों का व्यापार : उपाध्याय

रायपुर। पूर्व संसदीय सचिव विकास उपाध्याय ने छत्तीसगढ़ की जनता के स्वास्थ्य से हो रहे खिलवाड़ पर निराशा व्यक्त करते हुये कहा कि जिस प्रकार छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार मध्यप्रदेश में प्रतिबंधित एजेंसी से दवाई खरीदी कर रही है जो लगातार अमानक निकल रही है, यह बहुत ही शर्म की बात है।

उपाध्याय ने भारतीय जनता पार्टी की सरकार पर करारा प्रहार करते हुये कहा कि साय सरकार के आने के बाद से ही छत्तीसगढ़ में एक्सपायरी दवाओं का खेल शुरू हो गया है। लेकिन बड़ी चिंता का विषय है कि छत्तीसगढ़ में प्रशासनिक अधिकारियों के रहते इसकी जानकारी तब ज्यादा वायरल हुई जब विगत् माह राजधानी में एक्सपायरी दवाओं का भाण्डाफोड़ हुआ। उपाध्याय ने पूर्व वर्ष 2025 में भी सीजीएमएससी द्वारा सप्लाई की जा रही कैल्शियम की 6500 से 7000 यूनिट दवाईयों के खराब स्थिति में पाये जाने पर सवाल उठाये थे। लेकिन इसकी जाँच पड़ताल गहराई से नहीं किये जाने के कारण आज पूरे छत्तीसगढ़ में एक्सपायरी दवा का व्यापार चलाया जा रहा है। विगत् दिनों ही छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में दुर्गूकोंदल सामुदायिक स्वास्थय केन्द्र में मरीजों को समय सीमा समाप्त (एक्सपायरी) हो चुकी दवाईयों के वितरण की गंभीर लापरवाही की घटना हुई। उपाध्याय ने कहा कि अमानक दवा के चलते छत्तीसगढ़ की महिला, बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग के स्वास्थ्य पर गहरा असर पड़ रहा है। जिसका उदाहरण प्रदेश के कई युवा हार्ट अटैक से जान गंवा भी रहे हैं तथा बच्चों के विकास, महिलाओं के शारीरिक स्वास्थ्य एवं बुजुर्गों के उपचार में ऐसी अमानक दवाईयों का बुरा असर होते नजर आ रहा है। लेकिन छत्तीसगढ़ के स्वास्थय मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी की सरकार अपने में मस्त हैं, उन्हें प्रदेश की जनता के स्वास्थ्य की कोई चिंता ही नहीं है जिस प्रकार देश के प्रधानमंत्री जी विदेशों का दौरा मात्र कर रहे हैं उसी प्रकार प्रदेश की साय सरकार भी सुशासन तिहार की आड़ में गांव-गांव, शहर-शहर दौरा बस कर करते नजर आ रहे हैं।

संक्षिप्त खबरें

राष्ट्रीय प्रतिवर्ष सर्वेक्षण के 81वें दौर के लिए एनएसओ ने रायपुर में चार दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर

रायपुर। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (क्षेत्र संचालन प्रभाग), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, भारत सरकार ने रायपुर, छत्तीसगढ़ में अपने अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए 9 से 12 जून तक चार दिवसीय क्षेत्रीय प्रशिक्षण शिविर की शुरुआत की है। न्यू राजेंद्र नगर स्थित भक्त माता कर्मा कमर्शियल कॉम्प्लेक्स के द्वितीय तल पर बने सम्मेलन कक्ष में आयोजित हो रहे इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण (एनएसएस) के आगामी 81वें दौर के मैदानी कार्य (फील्डवर्क) का प्रभावी और उच्च गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करना है। इस दौर के तहत तीन महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षणों को शामिल किया जाएगा: प्रवासन विवरण सर्वेक्षण, अखिल भारतीय ऋण और निवेश सर्वेक्षण (एआईडीआईएस) तथा कृषि परिवारों की स्थिति का आकलन सर्वेक्षण (एसएएस)।

रविवि में एग्जाम फीस 46% तक बढ़ी:मार्कशीट वेरिफिकेशन के लिए देने होंगे पांच हजार

विरोध में उतरी एबीवीपी; कहा- छात्रों के साथ अन्याय

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में परीक्षा और दूसरे शैक्षणिक शुल्क बढ़ाने के फैसले पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने नाराजगी जताई है। परिषद का कहना है कि विश्वविद्यालय ने एक साथ फीस में बड़ी बढ़ोतरी कर दी है, जिससे छात्रों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ेगा। एबीवीपी के मुताबिक, सेमेस्टर एग्जाम फीस 1075 रुपए और वार्षिक परीक्षा फीस 1085 रुपए से बढ़ाकर सीधे 1580 रुपए कर दी गई है। परिषद का दावा है कि यह करीब 46% की बढ़ोतरी है। संगठन का कहना है कि इसका सबसे ज्यादा असर गरीब, मध्यमवर्गीय और ग्रामीण इलाकों से आने वाले छात्रों पर पड़ेगा। परिषद ने इस बात पर भी आपत्ति जताई है कि यूनिवर्सिटी ने मार्कशीट और सिलेबस वेरिफिकेशन फीस 5000 रुपए तय कर दी है। एबीवीपी का कहना है कि नौकरी, एडमिशन या दूसरे शैक्षणिक कामों के लिए दस्तावेजों का वेरिफिकेशन कराने वाले छात्रों और पूर्व छात्रों के लिए इतनी बड़ी रकम देना आसान नहीं होगा।

गैस, पेट्रोल-डीजल की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन

रायपुर (संवाददाता)। रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमतों को लेकर मंगलवार को राजधानी रायपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंडियन ऑयल कार्यालय के बाहर प्रदर्शन किया। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने केंद्र और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए महंगाई पर नियंत्रण लगाने तथा आम जनता को राहत देने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार बढ़ रही महंगाई ने आम लोगों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित किया है। रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि और सब्सिडी के दायरे में कमी आने से गरीब एवं मध्यम वर्गीय परिवारों का घरेलू बजट बिगड़ रहा है। उनका आरोप है कि पहले की तुलना में उपभोक्ताओं को कम राहत मिल रही है, जबकि आवश्यक वस्तुओं की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कहा कि पेट्रोल और डीजल के दामों में वृद्धि का सीधा असर परिवहन लागत पर पड़ता है, जिसके कारण खाद्यान्न, सब्जियां, दैनिक उपयोग की वस्तुएं और अन्य जरूरी सामान महंगे हो जाते हैं। इसका सबसे अधिक असर मजदूरों, किसानों, छोटे व्यापारियों और मध्यम वर्गीय परिवारों पर पड़ रहा है। बढ़ती महंगाई के कारण लोगों के लिए घरेलू खर्चों का प्रबंधन करना कठिन होता जा रहा है।

प्रदर्शन के दौरान यह भी कहा गया कि महंगाई आज देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बन चुकी है, लेकिन सरकार इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने में सफल नहीं रही है। कार्यकर्ताओं ने मांग की कि पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस की कीमतों में कमी लाकर आम जनता को राहत दी जाए तथा महंगाई नियंत्रित करने के लिए ठोस और प्रभावी उपाय किए जाएं।

प्रदर्शन के अंत में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि बढ़ती महंगाई और ईंधन की कीमतों पर नियंत्रण के लिए जल्द कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले दिनों में आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रायपुरिया कर्तव्य सम्मान 2026 एवं फ्रेशर्स फेयरवेल पार्टी का आयोजन

रायपुर। बिट बाइट इन्फोटेक कंप्यूटर इंस्टीट्यूट शिवानंद नगर द्वारा संस्था के 9 वर्ष की सफल उपलब्धियों के अवसर पर रायपुरिया कर्तव्य सम्मान 2026 का आयोजन एवं स्टूडेंट फ्रेशर्स फेयरवेल का आयोजन रेलवे इंस्टिट्यूट डब्ल्यूआरएस कालोनी रायपुर में किया गया। समाज में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों एवं महिलाओं को सम्मानित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ वर्णिका शर्मा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार आयोग विशिष्ट अतिथि के रूप में, कमलेश जैन मैनेजिंग ट्रस्टी चंपा देवी इंदिरा देवी जैन चैरिटेबल ट्रस्ट रायपुर, द्वारा बिट बाइट कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के बच्चों को चंपादेवी इंदिरा देवी जैन चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

मालवीय रोड जैन मंदिर में संस्कार शिविर का 9वां दिन

बच्चों, युवाओं और महिलाओं ने दिया धर्म ज्ञान का इम्तिहान

प्रातः काल में बच्चों ने किया भक्तिभाव से जिन अभिषेक एवं विश्व-शांतिधारा का पाठ

रायपुर। मालवीय रोड स्थित ऐतिहासिक आदिनाथ दिगंबर जैन बड़ा मंदिर (लघु तीर्थ) में चल रहे 10 दिवसीय 'ग्रीष्मकालीन श्रमण संस्कृति संस्कार शिक्षण शिविर' के नौवें दिन ज्ञान को परखने का एक अद्भुत और अनुशासित दृश्य देखने को मिला। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महाराज की पावन प्रेरणा और दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर (जयपुर) के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर में आज परीक्षा दिवस पर श्रावकों का अभूतपूर्व उत्साह नजर आया।

सुबह की शुरुआत जिन अभिषेक और शांतिधारा से

शिविर के नवम दिवस की शुरुआत प्रतिदिन की भांति पूर्ण धार्मिक क्रियाओं के साथ हुई। सुबह ठीक 7:00 बजे नन्हे-मुन्ने शिविरार्थियों और श्रावकों द्वारा देव-शास्त्र-गुरु के पावन सानिध्य में देव वंदना की गई। इसके पश्चात मंदिर जी में सामूहिक जिन अभिषेक एवं विश्व-शांतिधारा का मंगल पाठ पूरे विधि-विधान से संपन्न हुआ, जिससे पूरा मंदिर प्रांगण भक्तिमय भजनों और मंत्रोच्चार से गूंज उठा।

विगत 9 दिनों से जयपुर (सांगानेर) और स्थानीय विद्वानों द्वारा दिए जा रहे जैन धर्म, सदाचार और नैतिक शिक्षा के मूल्यांकन हेतु आज एक विशेष लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। इस परीक्षा को लेकर शिविरार्थियों में गजब की उत्सुकता देखी गई। नन्हे बच्चों ने 'बाल बोध' (भाग 1, 2 व 3) में सीखे गए सिद्धांतों, माता-पिता की आज्ञा का पालन, मोबाइल से दूरी जैसे व्यावहारिक संस्कारों पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दिए। प्रौढ़ एवं युवा वर्ग के स्वाध्यायियों ने प्रसिद्ध जैन ग्रंथ 'छहढाला' और 'इष्टोपदेश' के गूढ़ विषयों, जैसे- मिथ्यात्व का स्वरूप और लेश्याओं के सिद्धांत पर अपनी विद्वत्ता का परिचय देते हुए परीक्षा दी।

रेड क्रॉस सोसाइटी के लिए आरएडीए ने कलेक्टर को सौंपा एक लाख का चेक

रायपुर। सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए रायपुर ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन द्वारा रेड क्रॉस सोसाइटी के लिए एक लाख रुपए की सहयोग राशि का चेक रायपुर कलेक्टर गौरव कुमार को सौंपा गया।

इस अवसर पर आरएडीए के अध्यक्ष रविंदर भसीन, उपाध्यक्ष कैलाश खेमानी, विवेक गर्ग, अभिनव ऋषि तथा क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी रायपुर आशीष देवांगन उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान आरएडीए के अध्यक्ष रविंदर भसीन ने कलेक्टर गौरव कुमार को संस्था द्वारा समय-समय पर किए जा रहे विभिन्न सामाजिक कार्यों एवं सीएसआर गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आरएडीए केवल ऑटोमोबाइल व्यवसाय तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज के प्रति अपने दायित्वों का भी निरंतर निर्वहन करती रही है। हाल ही में संस्था द्वारा दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए संचालित विद्यालय को एक बस प्रदान की गई थी। इसके अतिरिक्त आरएडीए द्वारा सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान, हेलमेट जागरूकता कार्यक्रम, यातायात सुरक्षा से जुड़े विभिन्न आयोजन तथा अन्य अनेक सामाजिक एवं जनहितकारी गतिविधियां लगातार संचालित की जाती रही हैं। कैलाश खेमानी ने कलेक्टर को आश्वस्त किया कि भविष्य में भी समाज, प्रशासन अथवा किसी जरूरतमंद संस्था को सहयोग की आवश्यकता होगी तो आरएडीए सदैव आगे बढ़कर सहयोग प्रदान करेगी। कलेक्टर गौरव कुमार ने आरएडीए के इस योगदान के लिए संस्था का आभार व्यक्त किया तथा समाज सेवा के प्रति उसकी सकारात्मक सोच और निरंतर किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उद्योग एवं व्यापारिक संस्थाओं की ऐसी सहभागिता समाज के कमजोर वर्गों तक सहायता पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। साथ ही उन्होंने आरएडीए को भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

नौकरी का झांसा देकर नाबालिगों का शोषण

रायपुर में बाल संरक्षण आयोग की चंगोराभाठा में दबिश, कई बच्चे छुड़ाए गए

रायपुर। राजधानी रायपुर में बाल श्रम और नाबालिगों के कथित शोषण का गंभीर मामला सामने आया है। चंगोराभाठा क्षेत्र में संचालित एक निजी संस्थान में कम उम्र के बच्चों को नौकरी और ट्रेनिंग का झांसा देकर लाए जाने तथा उनसे उनकी इच्छा के विरुद्ध काम कराने की शिकायत पर महिला एवं बाल संरक्षण आयोग और डीडी नगर पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए कई नाबालिगों का रेस्क्यू किया।

जानकारी के अनुसार, बच्चों ने बताया कि उनसे करीब 47 हजार रुपये जमा करवाए गए थे। इसके बाद उन्हें रायपुर लाकर नौकरी देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन यहां उनसे ऑनलाइन सेलिंग और मार्केटिंग जैसे कार्य कराए जा रहे थे। रेस्क्यू किए गए अधिकांश बच्चों की उम्र 16 से 17 वर्ष के बीच बताई गई है।

माता-पिता से बात करने पर भी थी रोक

बच्चों ने आरोप लगाया कि उन्हें अपने परिजनों से स्वतंत्र रूप से बात करने की अनुमति नहीं थी। बाहर आने-जाने पर भी पाबंदी लगाई गई थी। जिस स्थान पर उन्हें रखा गया था, वहां पर्याप्त सुविधाओं का अभाव था। बच्चों का कहना है कि घर लौटने की इच्छा जताने पर उन्हें मानसिक रूप से प्रताड़ित किया जाता था।

जांच में खुली हकीकत

शिकायत मिलने पर टीम जब कथित कार्यालय पहुंची तो वहां व्यवस्थाएं बेहद खराब मिलीं। कार्यालय में कुछ कुर्सियां, एक टूटा हुआ पंखा और जर्जर टेबल के अलावा कोई विशेष व्यवस्था नहीं थी। दस्तावेजों की जांच के दौरान कई रिकॉर्ड संदिग्ध पाए गए।

प्रारंभिक पूछताछ में संस्थान के प्रबंधक ने सभी बच्चों के स्वेच्छा से काम करने का दावा किया, लेकिन बाद में उसने स्वीकार किया कि वहां कम उम्र के बच्चे भी कार्यरत थे।

किराए के मकान में रखे गए थे बच्चे

जांच में पता चला कि बच्चों को कार्यालय से करीब चार किलोमीटर दूर एक किराए के मकान में रखा गया था। उन्हें प्रतिदिन पैदल कार्यालय आना-जाना पड़ता था। मकान की तलाशी के दौरान कुछ संदिग्ध सामग्री और बॉक्स मिले। बच्चों ने बताया कि उन्हें करीब 40 हजार रुपये मूल्य के सामान वाले बॉक्स बेचने के लिए दिए जाते थे और उन पर बिक्री का दबाव बनाया जाता था।

बच्चों के अनुसार, उनसे दिनभर काम कराया जाता था और कई बार भोजन भी केवल एक बार ही उपलब्ध कराया जाता था। परिवारों द्वारा कर्ज लेकर जमा कराई गई राशि के कारण वे विरोध नहीं कर पा रहे थे।

दस्तावेज जब्त, कार्यालय सील

मामले की गंभीरता को देखते हुए महिला एवं बाल संरक्षण आयोग तथा डीडी नगर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए कई दस्तावेज जब्त किए। जांच में कुछ दस्तावेज कथित रूप से फर्जी पाए जाने पर कार्यालय को सील कर दिया गया। वहीं संबंधित मैनेजर को पूछताछ के लिए पुलिस अपने साथ ले गई।

छत्तीसगढ़ टैक्स बार कौंसिल का चुनाव विवेक सारस्वत चुने गए प्रदेश अध्यक्ष

गोपाल कृष्ण तावनिया महासचिव निर्वाचित

रायपुर। छत्तीसगढ़ टैक्स बार कौंसिल का राज्य स्तरीय अधिवेशन एवं वार्षिक आम सभा का आयोजन दुर्ग में हुआ, जिसमें रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर, राजनांदगांव, धमतरी, महासमुंद, जगदलपुर, अंबिकापुर, कोरबा, रायगढ़, जांजगीर सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में अधिवक्ताओं, सीए, सीएमए एवं कर सलाहकारों की सहभागिता रही। अधिवेशन के बाद छत्तीसगढ़ टैक्स बार कौंसिल का चुनाव हुआ, जिसमें रायगढ़ के विवेक सारस्वत प्रदेश अध्यक्ष निर्वाचित हुए। रायपुर से गोपाल कृष्ण तावनिया प्रदेश महासचिव चुने गए।

अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ जीएसटी अपीलेट ट्रिब्यूनल के केंद्रीय जीएसटी के तकनीकी सदस्य सतीश अग्रवाल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता मूलचंद जैन ने की।

संपादकीय

Great Nicobar Project के जरिये Modi ने चला बड़ा Masterstroke, Indian Ocean के बीचोंबीच होगा भारत का सबसे बड़ा सैन्य किला

नीरज कुमार दुबे

मोदी सरकार ने हिंद महासागर में ऐसा दांव चला है, जिसने चीन की सबसे बड़ी रणनीतिक चिंता बढ़ा दी है। ग्रेट निकोबार में बनने वाला भारत का नया सैन्य और आर्थिक हब अब दुश्मनों के लिए खुली चेतावनी बन चुका है। जिस समुद्री रास्ते से दुनिया का सबसे बड़ा तेल और व्यापार गुजरता है, वहां अब भारत अपनी ताकत का स्थायी पहरा बैठाने जा रहा है। साफ है कि मोदी सरकार हिंद महासागर में भारत को सिर्फ मजबूत नहीं, बल्कि सबसे प्रभावशाली ताकत बनाने की तैयारी में जुट चुकी है।

हम आपको याद दिला दें कि केंद्र सरकार ने पिछले वर्ष जिस हरित क्षेत्र हवाई अड्डे को मंजूरी दी थी, वह अगले पांच वर्षों में तैयार होने की उम्मीद है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह हवाई अड्डा भारतीय नौसेना के संचालन नियंत्रण में रहेगा। यानी यह केवल नागरिक उड़ानों का केंद्र नहीं होगा, बल्कि हिंद महासागर में भारत की सैन्य शक्ति का नया अग्रिम मोर्चा बनेगा। यह दोहरे उपयोग वाला हवाई अड्डा भारत की समुद्री निगरानी क्षमता, सैन्य पहुंच और त्वरित कार्रवाई की ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

हम आपको बता दें कि ग्रेट निकोबार की यह परियोजना चार बड़े स्तंभों पर आधारित है। इनमें अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट बंदरगाह, आधुनिक नगर, ऊर्जा संयंत्र और नौसैनिक हवाई अड्डा शामिल हैं। यह पूरा ढांचा भारत को उस समुद्री क्षेत्र में स्थायी उपस्थिति देगा, जहां से दुनिया के दो तिहाई तेल व्यापार और आधा कंटेनर यातायात गुजरता है। ग्रेट

निकोबार केवल चालीस किलोमीटर दूर स्थित है उस सिक्स डिग्री चैनल से, जो अदन की खाड़ी से मलक्का जलडमरूमध्य तक फैले समुद्री व्यापार मार्ग का सबसे संवेदनशील हिस्सा माना जाता है।

यही वह इलाका है जहां चीन लगातार अपनी घुसपैठ बढ़ा रहा है। हिंद महासागर क्षेत्र में कई बाहरी ताकतें आर्थिक और सैन्य दबदबा बनाने में जुटी हैं। ऐसे में मोदी सरकार का यह कदम भारत को दक्षिण पूर्वी हिंद महासागर में निर्णायक बढ़त देगा। यानि अब भारत इस पूरे क्षेत्र में सुरक्षा साझेदार और संकट के समय सबसे पहले सहायता पहुंचाने वाली ताकत के रूप में उभरेगा।

रक्षा सूत्रों का साफ कहना है कि यह परियोजना तीस वर्ष पहले ही पूरी हो जानी चाहिए थी, लेकिन पिछली सरकारों की सुस्ती और दूरदृष्टि की कमी के कारण भारत ने बहुमूल्य समय गंवा दिया। अब मोदी सरकार उस रणनीतिक भूल को सुधार रही है। यह परियोजना भारत को अपने सैन्य संसाधनों की तेज आवाजाही, अग्रिम रसद आपूर्ति और समुद्री निगरानी में अभूतपूर्व क्षमता देगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि ग्रेट निकोबार के आसपास समुद्र में विशाल हाइड्रोकार्बन भंडार भी हो सकते हैं। यदि ऐसा होता है तो यह परियोजना भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए भी ऐतिहासिक साबित होगी। यानी यह केवल सैन्य ताकत का सवाल नहीं, बल्कि आर्थिक आत्मनिर्भरता का भी बड़ा आधार बनेगी।

साथ ही मोदी सरकार ने उन आलोचनाओं को भी करारा जवाब दिया है, जिनमें इस परियोजना को केवल व्यावसायिक योजना बताकर बदनाम करने की कोशिश की जा रही थी। रक्षा सूत्रों ने साफ कहा है कि इसे केवल कारोबारी परियोजना कहना भौगोलिक अज्ञानता का प्रमाण है। यह परियोजना सामरिक, आर्थिक और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से भारत के भविष्य की धुरी है। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी परियोजनाएं पूरी पारदर्शिता और विधिवत ठेका प्रक्रिया के तहत संचालित की जा रही हैं।

हम आपको बता दें कि परियोजना के विभिन्न हिस्सों पर तेजी से काम चल रहा है। कंटेनर बंदरगाह के लिए सार्वजनिक निजी भागीदारी मूल्यांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नगर परियोजना पर व्यय वित्त समिति की बैठक हो चुकी है, जबकि द्रवीकृत प्राकृतिक गैस आधारित ऊर्जा संयंत्र की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर ली गई है। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार केवल घोषणाएं नहीं कर रही, बल्कि जमीन पर तेजी से अमल भी कर रही है।

इसके साथ ही पर्यावरण को लेकर उठे सवालों पर भी सरकार ने तथ्यात्मक जवाब दिया है। पर्यावरण प्रभाव आकलन के अनुसार पूरे द्वीप के केवल 166.1 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को विकास के लिए चिन्हित किया गया है, जबकि 81.74 प्रतिशत क्षेत्र राष्ट्रीय उद्यान, जैवमंडल आरक्षित क्षेत्र, वन और जनजातीय संरक्षण क्षेत्रों के रूप में सुरक्षित रहेगा। वन क्षेत्र के उपयोग में भी आधे से अधिक हिस्से को हरित क्षेत्र के रूप में सुरक्षित रखा जाएगा, जहां पेड़ों की कटाई नहीं होगी।

फर्जी डिग्रियां और टूटता भरोसा

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत आज दुनिया की सबसे युवा आबादी वाले देशों में शामिल है। यद्धह युवा शक्ति ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी मानी जाती है। देश के लाखों विद्यार्थी हर वर्ष कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं, विश्वविद्यालयी पाठ्यक्रमों और व्यावसायिक प्रशिक्षणों से गुजरते हैं। वे अपने सपनों को पूरा करने के लिए दिन-रात मेहनत करते हैं। परिवार अपनी बचत, समय और उम्मीदें उनकी शिक्षा पर खर्च करते हैं। लेकिन जब फर्जी डिग्रियों, पेपर लीक, नकल माफिया और शैक्षणिक भ्रष्टाचार की खबरें सामने आती हैं, तब केवल कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की साख नहीं गिरती, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था पर से भरोसा डगमगाने लगता है। यही कारण है कि शिक्षा में पारदर्शिता और गुणवत्ता का प्रश्न आज केवल अकादमिक बहस का विषय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चिंता का विषय बन चुका है।

हाल के वर्षों में भारत में अनेक ऐसे मामले सामने आए हैं जिनमें विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और प्रशिक्षण संस्थानों पर अनियमितताओं के आरोप लगे। कहीं फर्जी अंकपत्र जारी किए गए, कहीं बिना पर्याप्त पढ़ाई और मूल्यांकन के डिग्रियां बांटने की शिकायतें मिलीं, तो कहीं भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं में धांधली के आरोप लगे। इन घटनाओं ने यह सवाल खड़ा किया है कि क्या हमारी शिक्षा व्यवस्था वास्तव में योग्यता आधारित है या फिर उसमें ऐसे छेद पैदा हो चुके हैं जिनका लाभ उठाकर कुछ लोग अनुचित तरीके से आगे बढ़ रहे हैं।

शिक्षा का मूल उद्देश्य केवल प्रमाणपत्र देना नहीं होता। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, कौशल, विवेक और जिम्मेदारी प्रदान करती है। एक डॉक्टर की डिग्री केवल एक कागज नहीं होती, बल्कि यह प्रमाण होती है कि उसने मानव जीवन की रक्षा करने योग्य ज्ञान और प्रशिक्षण प्राप्त किया है। एक इंजीनियर की डिग्री यह भरोसा देती है कि वह सुरक्षित भवन, पुल और तकनीकी संरचनाएं तैयार करने की क्षमता रखता है। एक शिक्षक की डिग्री इस बात की गारंटी मानी जाती है कि वह नई पीढ़ी को सही दिशा देने में सक्षम है। यदि इन डिग्रियों की विश्वसनीयता पर सवाल उठने लगें तो समाज का पूरा विश्वास तंत्र कमजोर पड़ने लगता है।

सबसे बड़ी समस्या यह है कि फर्जी डिग्रियों का नुकसान केवल उन लोगों तक सीमित नहीं रहता जो इन्हें हासिल करते हैं। इसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि कोई अयोग्य व्यक्ति डॉक्टर बन जाए तो मरीजों का जीवन खतरे में पड़ सकता है। यदि किसी तकनीकी पद पर अयोग्य इंजीनियर पहुंच जाए तो सार्वजनिक परियोजनाओं की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। यदि शिक्षा संस्थानों में अयोग्य शिक्षक नियुक्त हो जाएं तो आने वाली पीढ़ियों की बौद्धिक क्षमता पर असर पड़ सकता है। इसलिए यह केवल धोखाधड़ी का मामला नहीं, बल्कि सार्वजनिक सुरक्षा और सामाजिक विश्वास का भी प्रश्न है।

भारत में उच्च शिक्षा का तेजी से विस्तार हुआ है। यह आवश्यक भी था क्योंकि करोड़ों युवाओं को शिक्षा उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती थी। लेकिन कई बार विस्तार की गति गुणवत्ता नियंत्रण से अधिक तेज रही। परिणामस्वरूप कुछ संस्थान केवल डिग्री वितरण केंद्र बनकर रह गए। शिक्षण, शोध, प्रयोगशालाओं, पुस्तकालयों और प्रशिक्षित शिक्षकों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। जब शिक्षा को सेवा के बजाय व्यवसाय के रूप में देखा जाने लगता है, तब ऐसे संकट पैदा होना स्वाभाविक है।

पेपर लीक की घटनाओं ने इस समस्या को और गंभीर बना दिया है। देश के विभिन्न राज्यों में समय-समय पर भर्ती परीक्षाओं और प्रवेश परीक्षाओं के प्रश्नपत्र लीक होने की खबरें आती रही हैं। लाखों छात्र

वर्षों तक तैयारी करते हैं, लेकिन कुछ लोग पैसे और प्रभाव के बल पर प्रश्नपत्र हासिल कर लेते हैं। इसका सबसे बड़ा नुकसान उन प्रतिभाशाली युवाओं को होता है जो ईमानदारी से मेहनत कर रहे होते हैं। उनकी मेहनत का मूल्य कम हो जाता है और उनके मन में व्यवस्था के प्रति अविश्वास पैदा होता है।

युवा पीढ़ी के सामने आज सबसे बड़ी चुनौती यही है कि वह अपनी योग्यता साबित करे, लेकिन यदि व्यवस्था निष्पक्ष न हो तो प्रतिभा हतोत्साहित होती है। जब किसी मेहनती छात्र को यह महसूस होने लगे कि सफलता योग्यता से नहीं बल्कि संपर्क, भ्रष्टाचार या जालसाजी से मिल सकती है, तब उसकी प्रेरणा कमजोर पड़ती है। यही स्थिति धीरे-धीरे सामाजिक असंतोष को जन्म देती है। कई प्रतिभाशाली युवा देश छोड़ने का निर्णय लेते हैं या फिर व्यवस्था से निराश होकर अपने सपनों से समझौता कर लेते हैं।

भारत की वैश्विक पहचान लंबे समय से उसके ज्ञान और प्रतिभा पर आधारित रही है। भारतीय मूल के हजारों वैज्ञानिक, इंजीनियर, चिकित्सक और तकनीकी विशेषज्ञ विश्व की अग्रणी संस्थाओं में कार्यरत हैं। वे केवल अपने व्यक्तिगत करियर का निर्माण नहीं कर रहे, बल्कि भारत की प्रतिष्ठा भी बढ़ा रहे हैं। विदेशों में कार्यरत भारतीय हर वर्ष बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा भारत भेजते हैं, जो देश की अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण है। यदि भारतीय डिग्रियों और प्रमाणपत्रों की विश्वसनीयता पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संदेह बढ़ता है, तो इसका प्रभाव रोजगार, वीजा और वैश्विक अवसरों पर पड़ सकता है।

यह ध्यान रखना आवश्यक है कि कुछ संस्थानों या व्यक्तियों की गलतियों के आधार पर पूरे देश की शिक्षा व्यवस्था को खारिज नहीं किया जा सकता। भारत में अनेक उत्कृष्ट विश्वविद्यालय, शोध संस्थान और पेशेवर शिक्षण केंद्र हैं जो अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे उतरते हैं। लाखों छात्र पूरी ईमानदारी और कठिन परिश्रम से अपनी योग्यता अर्जित करते हैं। समस्या यह है कि कुछ नकारात्मक उदाहरण पूरी व्यवस्था की छवि को नुकसान पहुंचा देते हैं। इसलिए दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करना उतना ही आवश्यक है जितना कि ईमानदार और गुणवत्तापूर्ण संस्थानों को प्रोत्साहित करना।

शिक्षा में सुधार के लिए सबसे पहले पारदर्शिता को मजबूत करना होगा। सभी डिग्रियों और प्रमाणपत्रों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाना चाहिए, जिसे किसी भी नियोक्ता या संस्था द्वारा सत्यापित किया जा सके। डिजिटल सत्यापन प्रणाली फर्जी दस्तावेजों की पहचान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। इससे छात्रों, संस्थानों और नियोक्ताओं के बीच विश्वास भी बढ़ेगा।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम विश्वविद्यालयों और कॉलेजों की नियमित शैक्षणिक समीक्षा है। केवल भवन और बुनियादी सुविधाओं के आधार पर मान्यता देने के बजाय वास्तविक शिक्षण गुणवत्ता, शोध कार्य, परीक्षा प्रणाली और विद्यार्थियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन होना चाहिए। जो संस्थान मानकों का पालन नहीं करते, उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जानी चाहिए।

तीसरा, परीक्षा प्रणाली को पूरी तरह सुरक्षित और तकनीक आधारित बनाना होगा। प्रश्नपत्रों की सुरक्षा, डिजिटल निगरानी, साइबर सुरक्षा और दोषियों के खिलाफ त्वरित दंड व्यवस्था आवश्यक है। पेपर लीक जैसी घटनाओं को सामान्य अपराध नहीं बल्कि राष्ट्रीय संसाधनों और युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ के रूप में देखा जाना चाहिए।

चौथा, रोजगार और भर्ती प्रक्रियाओं में कौशल आधारित मूल्यांकन को बढ़ावा देना होगा। केवल डिग्री पर निर्भरता कम करके वास्तविक क्षमता और व्यावहारिक ज्ञान को महत्व दिया जाए। इससे प्रमाणपत्रों की अंधी दौड़ कम होगी और सीखने की संस्कृति मजबूत होगी।

इसके साथ ही समाज की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों को यह समझना होगा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी प्राप्त करना नहीं है। यदि डिग्री केवल रोजगार का टिकट बनकर रह जाए और ज्ञान का महत्व कम हो जाए, तो शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य नष्ट हो जाता है। इसलिए सीखने, शोध करने और कौशल विकसित करने की संस्कृति को बढ़ावा देना आवश्यक है।

राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे को दलगत दृष्टिकोण से ऊपर उठकर देखने की आवश्यकता है। फर्जी डिग्री, नकल, पेपर लीक और शैक्षणिक भ्रष्टाचार किसी एक राज्य, एक सरकार या एक विचारधारा तक सीमित नहीं हैं। यह समस्या वर्षों से विभिन्न रूपों में मौजूद रही है।

इसलिए इसका समाधान भी सामूहिक राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक दक्षता और सामाजिक जागरूकता से ही संभव है। आज जब युवा शिक्षा व्यवस्था में सुधार, पारदर्शिता और जवाबदेही की मांग करते हैं, तो उनकी आवाज को गंभीरता से सुना जाना चाहिए।

परमाणु हथियारों की दौड़ में भारत और पाकिस्तान

महेन्द्र तिवारी

स्टॉकहोम स्थित अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था सिपरी की वर्ष 2026 की रिपोर्ट ने दक्षिण एशिया की सामरिक राजनीति को लेकर एक नई बहस छेड़ दी है। रिपोर्ट के अनुसार जनवरी 2026 तक भारत के पास लगभग 190 परमाणु वॉरहेड्स हैं, जबकि पाकिस्तान के पास यह संख्या लगभग 170 बताई गई है। इस प्रकार भारत अब पाकिस्तान से लगभग 20 परमाणु हथियार आगे निकल चुका है। यह केवल आंकड़ों का अंतर नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की सुरक्षा नीति, सैन्य संतुलन और भविष्य की रणनीतिक दिशा को भी दर्शाता है।

पिछले कुछ वर्षों में भारत ने अपनी परमाणु नीति को केवल प्रतिरोध क्षमता तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे आधुनिक तकनीक और दीर्घकालिक सुरक्षा रणनीति से भी जोड़ा है। भारत लगातार अपनी मिसाइल प्रणाली, समुद्री सुरक्षा और लंबी दूरी तक मार करने वाली तकनीकों को मजबूत कर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि भारत अब केवल परमाणु हथियारों की संख्या नहीं बढ़ा रहा, बल्कि उनकी गुणवत्ता और त्वरित उपयोग क्षमता पर भी विशेष ध्यान दे रहा है। यही कारण है कि भारत को अब केवल क्षेत्रीय शक्ति नहीं बल्कि वैश्विक रणनीतिक शक्ति के रूप में देखा जाने लगा है।

भारत की परमाणु नीति की सबसे बड़ी विशेषता उसकी संतुलित और नियंत्रित रणनीति मानी जाती है। भारत ने लंबे समय से 'पहले प्रयोग नहीं' की नीति अपनाई हुई है। इसका अर्थ यह है कि भारत किसी भी देश पर पहले परमाणु हमला नहीं करेगा, लेकिन यदि उस पर परमाणु हमला होता है तो वह पूरी क्षमता के साथ जवाब देगा। इस नीति ने भारत को एक जिम्मेदार परमाणु शक्ति की छवि प्रदान की है। दूसरी ओर पाकिस्तान ने ऐसी कोई स्पष्ट नीति घोषित नहीं की है। पाकिस्तान की रणनीति मुख्य रूप से सामरिक परमाणु हथियारों और त्वरित प्रतिक्रिया पर आधारित रही है। यही कारण है कि अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की परमाणु नीति को अपेक्षाकृत अधिक स्थिर और जिम्मेदार माना जाता है।

सिपरी रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि भारत अब अपनी परमाणु क्षमता को तीनों आयामों में मजबूत कर चुका है। इसे परमाणु त्रिस्तरीय क्षमता कहा जाता है। इसका अर्थ है कि भारत भूमि, आकाश और समुद्र तीनों माध्यमों से परमाणु हमला करने की क्षमता रखता है। भारत के पास अग्नि श्रृंखला की बैलिस्टिक मिसाइलें हैं, वायुसेना के लड़ाकू विमान हैं और साथ ही परमाणु क्षमता से लैस पनडुब्बियां भी हैं। इस त्रिस्तरीय क्षमता से भारत की प्रतिरोध शक्ति कई गुना बढ़ जाती है क्योंकि किसी भी दुश्मन के लिए उसकी पूरी परमाणु क्षमता को एक साथ निष्क्रिय करना लगभग असंभव हो जाता है।

भारत ने हाल के वर्षों में अग्नि 5 जैसी लंबी दूरी की मिसाइलों पर विशेष ध्यान दिया है। इन मिसाइलों की क्षमता हजारों किलोमीटर दूर तक लक्ष्य को भेदने की है। इसके अलावा भारत ने बहु लक्ष्य प्रहार तकनीक पर भी कार्य किया है, जिसमें एक ही मिसाइल कई लक्ष्यों को एक साथ निशाना बना सकती है। इसे आधुनिक परमाणु युद्ध रणनीति में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। रिपोर्टों के अनुसार भारत कैनिस्टर आधारित मिसाइल प्रणाली और समुद्र आधारित प्रतिरोध क्षमता को भी लगातार मजबूत कर रहा है। इससे हथियारों की सुरक्षा और त्वरित तैनाती दोनों संभव हो जाती हैं।सिपरी ने अपनी रिपोर्ट में यह भी संकेत दिया है कि भारत अब कुछ परमाणु वॉरहेड्स को तैनात स्थिति में रखने लगा है। अनुमान है कि लगभग 12 वॉरहेड्स ऐसी स्थिति में हैं जिन्हें कम समय में उपयोग किया जा सकता है। पहले भारत आमतौर पर वॉरहेड्स और मिसाइलों को अलग रखता था।

बोध कथा

जीवन में संपूर्ण जागृति हो बेहोशी नहीं

लगभग 200 वर्ष पूर्व जापान में एक ऐसा योगी रहता था नित कहता था जागो! नींद को त्यागो, जागो! वहां के सम्राट ने उस योगी की ख्याति सुनी और उसे राजमहल बुलाया, कहा कि हमारे राजकुमार आपके प्रशिक्षण में जीवन की कुछ बातें सीखे तो आप उसे यहीं रहकर सिखाओ। योगी कहता है कि यदि राजकुमार को कुछ सीखना होगा तो उसे मेरे पास आना होगा। मैं उसके पास नहीं आऊंगा। मैं उसे अपने ढंग से सिखाऊंगा। इसमें कितना भी समय लग सकता है ये निर्भर करता है उसकी प्रतिभा पर एक साल, दो साल या और अधिक। जो मैं कहूंगा उसे करना होगा और बीच में छोड़ कर नहीं आ सकता है। अगर ये शर्त मंजूर है तो ही मैं सिखाऊंगा। वो राजा मान जाता है और राजकुमार योगी के आश्रम में पहुंचता है। आश्रम बहुत छोटा है, छोटी सी कुटिया। आते ही वो योगी उसे कहता है कि जो मैं तुमसे कहूंगा वो तुम्हें करना होगा और उसे कहा तुम्हें अपने आप को बचाना है मैं लकड़ी की नकली तलवार से तुम पर वार करुंगा और मैं कभी भी वार कर सकता हूं। तुम खाना खा रहे हो, झाड़ू लगा रहे हो या आश्रम की कोई भी सेवा कर रहे हो कुछ भी कर रहे हो किसी भी समय मैं तुम पर वार कर सकता हूं। ये सुनकर राजकुमार घबरा जाता है और कहता है मैं यहां तलवार सीखने नहीं आया हूं। जीवन के पाठ सीखने आया हूं। वो योगी कहता है यही मेरा ढंग है अगर तुम्हें कुछ सीखना है तो यह करना पड़ेगा अगले एक हफ्ते तक वो राजकुमार इतनी मार खाता है वो लकड़ी की तलवार बार-बार चलती है वो कोई काम कर रहा होता है पीछे से योगी आता है और जोर से उसे मारता है। हड्डी- पसलियां दुखने लगती हैं। धीरे धीरे वो जागृत रहने लगता है कुछ भी करते उसे ख्याल है कि कभी भी वार हो सकता है। एक ढाल वो रख लेता है अपने पास। धीरे धीरे तीन मास हो जाते हैं अब एक भी वार उसे नहीं लगता है क्योंकि अब हमेशा जगा हुआ है।

व्यंग्य केसरी

दुम न हुई सीधी!

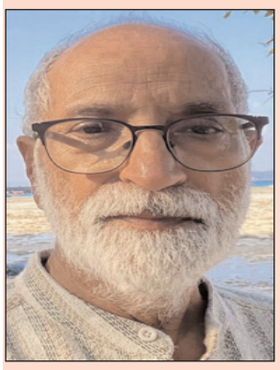

डॉ. रामेश्वरम तिवारी

बात की शुरुआत ग्यारहवीं सदी से होती है। जब अरब के निवासी अलीपुर के क्रूर, बर्बर, जेहादी, ज़ालिमों ने बलीपुर नाम के देश के मंदिरों की सम्पदा लूटने, अपने मजहबी इरादों को पूरा करने के लिए हमला बोला और एक दिन बलीपुर की किस्मत में ऐसा आया कि उसकी राजधानी हस्तिनापुर के तखूतो-ताज पर अलीपुर के सुल्तानों ने क़ब्ज़ा कर लिया। इसके बाद बलीपुर के राजा-महाराजाओं की आपसी दुश्मनी का फ़ायदा उठाकर उनके धार्मिक मंदिरों, चिह्नों को ढहाकर, माँ-बहनों, बहू-बेटियों की इज्जत लूटकर, सरेआम कत्लेआम, आगजनी, लूटपाट कर धीरे-धीरे समूचे देश पर अपनी हुकूमत क़ायम कर ली।

और फिर एक दिन ऐसा आया कि आपसी फूट के कारण बलीपुर पूरी तरह से ग़ुलामी की ज़ंजीरों में जकड़ गया। कुछ कायर राजा-महाराजाओं ने अपनी जान बची रहे, अपनी हुकूमत बनी रहे को लेकर अलीपुर के हुक्मरानों के समक्ष आत्म-समर्पण कर लिया, तो कुछ ने संधि कर ली, तो कुछ ने अपना धर्म-परिवर्तन कर लिया। इस तरह अतीत में महान कहे जाने वाले देश के आसमान पर विधर्मियों का परचम फहराने लगा।

पर जैसी कि कहावत है-'वक्त कभी किसी का हमेशा के लिए एक-सा नहीं रहता है।' वक्त के ऊँट ने करवट बदली। इस बार सात समंदर पार से व्यापार करने के बहाने फ़िरंगी आए। उन्होंने बलीपुर के राजा-महाराजाओं की निष्ठा को खरीदकर अपनी हुकूमत क़ायम कर ली और देश में एक बार फिर से जुल्म और ज्यादती का दौर शुरू हुआ, पर इस बार बलीपुर और अलीपुर के नरमपंथी सत्याग्रहियों और गरमपंथी क्राँतिकारियों ने मिलकर फिरंगियों की नाक में दम कर दिया। अंतत: परेशान होकर फिरंगियों ने बलीपुर से वापसी का ऐलान कर दिया, पर जाने से पहले उन्होंने साज़िश के तहत बलीपुर और अलीपुर को उनकी मज़हबी आबादी की पहचान के आधार पर 'हिंद' और 'पाक' नाम से दो टुकड़ों में विभाजित कर दिया।

'पाक' जो कि दरअसल अलीपुर का ही अभिनव संस्करण है। आज़ादी के बाद से बलीपुर पर कभी आक्रमण, तो कभी आतंकवादी वारदातों के ज़रिए अपने कभी न पूरा होने वाले मंसूबे को साकार करने के लिए पिछले कई दशकों से नाकाम कोशिश में लगा हुआ है, पर कदाचित् वह भूल गया है कि बलीपुर अब ग्यारहवीं सदी का नहीं रहा है। यह इक्कीसवीं सदी का नया बलीपुर है और अब लड़ाइयाँ ज़मीन पर तीर, तलवार, तोपों से नहीं बल्कि हवाई हमलों और मिसाइलों से बमों की बारिश कर लड़ी जा रही हैं। उरी का बदला: सर्जिकल स्ट्राइक, बालाकोट: एयर स्ट्राइक और पहलगाम का बदला: ऑपरेशन सिंदूर इसके सटीक उदाहरण हैं। पर अलीपुर है कि बार-बार मुँह की खाने के बावजूद सुधरने को तैयार नहीं है। 'कुत्ते की दुम' कभी सीधी हुई है, न होने वाली नहीं है अलीपुर उक्त कहावत को चरितार्थ करने में लगा है।

इतिहास

9 जून को देश-विदेश के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं ?इनमें रूस के मशहूर शासक पीटर महान का जन्म (1672), भारतीय सिनेमा की पहली मशहूर अभिनेत्री नर्गिस का जन्म (1929), और प्रसिद्ध शिक्षाविद और राजनीतिज्ञ डॉ. कर्ण सिंह का जन्म (1931) शामिल है।9 जून की मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं।1672: रूस के प्रसिद्ध ज़ार और सम्राट 'पीटर द ग्रेट' (Peter the Great) का जन्म हुआ था।1929: भारतीय सिनेमा की बेहतरीन और दिग्गज अभिनेत्री नर्गिस दत्त का जन्म हुआ था।1931: भारत के जाने-माने राजनीतिज्ञ, लेखक और कूटनीतिज्ञ डॉ. कर्ण सिंह का जन्म हुआ था।1946: जॉर्डन के राजा अब्दुल्ला द्वितीय (King Abdullah II) का जन्म हुआ था।1964: लाल बहादुर शास्त्री ने भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली थी।1975: 'आपातकाल' से ठीक पहले देश के प्रसिद्ध समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण ने पटना के गांधी मैदान में 'संपूर्ण क्रांति' (Total Revolution) का नारा दिया था।

संक्षिप्त खबरें

यात्रियों से भरी बस खाई में गिरी, 2 गंभीर

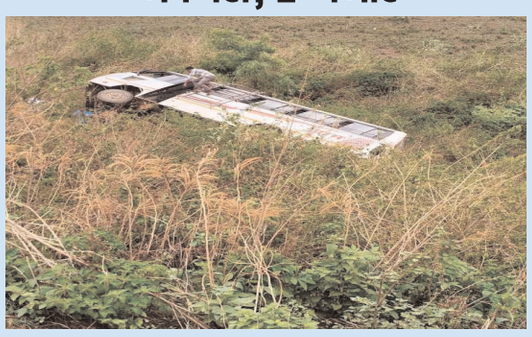

जशपुर। छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में मंगलवार सुबह एक बड़ा सड़क हादसा होते-होते टल गया। सुरंगपानी से पत्थलगांव जा रही ओम ट्रैवल्स की यात्री बस अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। हादसे के समय बस में करीब 15 यात्री सवार थे। दुर्घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई, लेकिन स्थानीय ग्रामीणों की तत्परता और प्रशासन की सक्रियता से सभी यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जबकि दो यात्रियों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

खाडामाचा के पास हुआ हादसा

प्राप्त जानकारी के अनुसार ओम ट्रैवल्स की बस मंगलवार सुबह नियमित रूप से सुरंगपानी से यात्रियों को लेकर पत्थलगांव के लिए रवाना हुई थी। बस जब बागबहार थाना क्षेत्र के खाडामाचा गांव के समीप पहुंची, तभी चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया। देखते ही देखते बस सड़क छोड़कर नीचे खाई में जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बस कई फीट नीचे जाकर रुकी, जिससे यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। हादसे के बाद आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू कर दिया।

ग्रामीण बने फरिश्ता, यात्रियों को निकाला बाहर

बस के खाई में गिरने की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे। उन्होंने बिना समय गंवाए बस में फंसे यात्रियों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। कई यात्रियों को मामूली चोटें आईं, जबकि कुछ लोगों को गंभीर चोटें लगीं। ग्रामीणों की मदद से घायलों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया गया और तत्काल प्रशासन तथा पुलिस को सूचना दी गई।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम को लेकर कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

बलरामपुर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, यातायात व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में सड़क सुरक्षा, घुमंतू पशुओं, स्कूल बसों के फिटनेस तथा अन्य विषयों पर विस्तृत समीक्षा की गई। पुलिस अधीक्षक वैभव बेंकर, वनमण्डलाधिकारी आलोक वाजपेयी, अपर कलेक्टर आर.एस. लाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विश्व दीपक त्रिपाठी, जिला परिवहन अधिकारी यशवंत यादव, यातायात प्रभारी विमलेश देवांगन सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। बैठक में कलेक्टर त्रिपाठी ने जिला परिवहन अधिकारी एवं यातायात प्रभारी को जिले में संचालित सभी स्कूल बसों का विशेष फिटनेस परीक्षण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बसों में सुरक्षा मानकों, सीसीटीवी तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता की जांच करने को कहा। साथ ही यात्री बसों के चालकों के वैध ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन फिटनेस, बीमा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों की नियमित जांच करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने परमिट शर्तों का उल्लंघन तथा यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के सभी लोगों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने अंतर्राज्यीय जांच नाकों में वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने कहा कि नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करें, ताकि सड़क सुरक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके।

एचडीएफसी लाइफ को डेथ क्लेम भुगतान का आदेश, 9.60 लाख रुपये चुकाने होंगे

बिलासपुर। जिला उपभोक्ता आयोग ने एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाते हुए कहा कि एचडीएफसी लाइफ कंपनी को सेवा में कमी का फायदा और इंश्योरेंस राशि का भुगतान करने का ऑर्डर दिया गया है। मामला तब सामने आया जब बीमा कंपनी ने मृतिका को पहले गंभीर बीमारी का तर्क देकर उनका मृत्यु दावा (डेथ क्लेम) खारिज कर दिया था। इस मनमाने के खिलाफ पीड़ित परिवार ने आयोग का दरवाजा खटखटाया, जिसके बाद आयोग ने कंपनी को निर्देश दिया कि वह 9.60 लाख रुपये की बीमा राशि, मानसिक पीड़ा के लिए 10 हजार रुपये और वाद्य व्यय के रूप में 5 हजार रुपये का भुगतान करे। आयोग ने स्पष्ट किया है कि यह पूर्ण राशि 45 दिनों के अंदर कराना होगा।

दैनिक विश्व केसरी की पड़ताल पर विशेष रपट

राखड़ से पाट दिया तालाब, शासन में शिकायत अब तक नहीं हुई कार्रवाई, ग्रामीणों में आक्रोश

अकलतरा (संवाददाता)। ग्राम पंचायत कल्याणपुर के पचपेड़िया तालाब को राखड़ से पाटे जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है। ग्रामीणों का आरोप है कि वर्षों पहले सामने आए इस मामले में जांच, रिपोर्ट और न्यायालयीन प्रकरण दर्ज होने के बावजूद अब तक दोषियों के विरुद्ध ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है। इससे गांव में नाराजगी का माहौल है और लोग जल स्रोत को हुए नुकसान के लिए जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पचपेड़िया तालाब गांव का प्रमुख निस्तारी जल स्रोत था। आरोप है कि केएसके पावर प्लांट से निकलने वाले राखड़ को तालाब में डंप कर धीरे-धीरे उसे पूरी तरह पाट दिया गया, जिससे जल स्रोत का अस्तित्व ही समाप्त हो गया। मामला सामने आने के बाद स्थानीय नागरिकों ने शिकायत दर्ज कराई थी।

घटनाक्रम एक नजर में

ग्रामीणों द्वारा तालाब को राखड़ से भरे जाने की शिकायत प्रशासन से की गई। शिकायत के बाद जांच समिति गठित की गई। जांच में ग्राम पंचायत के तत्कालीन सरपंच, सचिव एवं रोजगार सहायक की भूमिका पर सवाल उठाए गए और रिपोर्ट तैयार की गई। जांच प्रतिवेदन 30 अक्टूबर 2023 को संबंधित अधिकारियों को सौंपा गया। मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत अकलतरा की जांच रिपोर्ट के आधार पर न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) अकलतरा में 28 जून 2024 को प्रकरण दर्ज किया गया। मामला विधानसभा तक भी पहुंचा और इस संबंध में प्रश्न उठाए गए। मार्च 2025 में जारी पत्राचार में भी प्रकरण न्यायालय में लंबित होने का उल्लेख किया गया। इसके बावजूद अब तक मामले में किसी बड़ी दंडात्मक कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। ग्रामीणों का कहना है कि तालाब पूरी तरह खत्म हो चुका है, लेकिन जिम्मेदारी तय होने और जांच रिपोर्ट आने के बाद भी कार्रवाई की गति बेहद धीमी है।

मामले में अकलतरा एसडीएम सुमित बघेल ने कहा कि ग्राम कल्याणपुर के पचपेड़िया तालाब के संबंध में उनके पास फिलहाल कोई फाइल नहीं आई है। फाइल प्राप्त होने पर नियमानुसार जो भी प्रावधान होगा, उसके तहत कार्रवाई की जाएगी। ग्रामीणों और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े लोगों का मानना है कि पचपेड़िया तालाब केवल एक तालाब नहीं था, बल्कि गांव की निस्तारी व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा था। ऐसे में लंबे समय से लंबित इस मामले में निष्कर्ष तक पहुंचना और जिम्मेदार पक्षों के संबंध में स्पष्ट निर्णय होना आवश्यक है। अब लोगों की नजर इस बात पर है कि वर्षों पुराने इस मामले में लंबित प्रक्रिया कब पूरी होगी और तालाब को हुए नुकसान के लिए जवाबदेही कब तय होगी।

लापता शिक्षक को चेतावनी

एमसीबी। जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर ने अनाधिकृत रूप से ड्यूटी से गायब सहायक शिक्षक को अंतिम कारण बताओ नोटिस जारी किया है। लगातार अनुपस्थित रहने और पहले भेजे गए नोटिसों का जवाब न देने पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। शिक्षक को 15 दिनों के भीतर उपस्थित होकर जवाब देने का अंतिम अवसर दिया गया है, ऐसा न करने पर सेवा समाप्ति की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला प्राथमिक शाला रामानुजनगर में पदस्थ सहायक शिक्षक नीतेश कुमार पाण्डे का है। वे 20 सितंबर 2024 से लगातार अपने कार्य से अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित चल रहे हैं। इस दौरान विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा उनके निवास पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से कई कारण बताओ पत्र भेजे गए, लेकिन शिक्षक की ओर से कोई जवाब नहीं आया। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी पत्र के अनुसार, शिक्षक नीतेश कुमार पाण्डे की नियुक्ति के बाद से गणना की जाए तो अभी तक उनकी परिवीक्षा अवधि भी पूरी नहीं हुई है।

कैरम सेंटर में सिगरेट पर विवाद, हत्या के प्रयास मामले में 6 आरोपी गिरफ्तार

भिलाई। भिलाई के कैम्प-02 स्थित एक कैरम सेंटर में मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। सिगरेट मांगने की बात पर शुरू हुए झगड़े के बाद एक युवक के साथ मारपीट और हत्या के प्रयास के मामले में छावनी पुलिस ने फरार चल रहे 6 आरोपियों और 2 अपचारी बालकों को गिरफ्तार किया है।

आपसी रंजिश और विवाद बना वजह

पुलिस के अनुसार, 7 अप्रैल 2026 को प्रार्थी मोहम्मद वसीम ने थाना छावनी में शिकायत दर्ज कराई थी। वह अहमद नगर स्थित एक कैरम सेंटर में बैठा हुआ था। इसी दौरान एक व्यक्ति ने उससे सिगरेट मांगी। हालांकि उसने सिगरेट दुकान संचालक से मांगने की बात कही, जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। इसके बाद आरोपी ने अपने अन्य साथियों को मौके पर बुला लिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने प्रार्थी के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि आरोपियों ने गला दबाकर तथा नुकीली वस्तु से हमला कर गंभीर चोट पहुंचाई थी।

जंगली सुअर का शिकार, मामला दबाने महिला रेंजर पर लेन-देन का आरोप

कोरबा (संवाददाता)। कटघोरा वनमंडल के पसान वन परिक्षेत्र में जंगली सुअर के शिकार से जुड़ा मामला अब नए विवाद में घिर गया है। वन विभाग की कार्रवाई के बाद सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो ने पूरे प्रकरण को चर्चा में ला दिया है। वीडियो में कुछ ऐसे दावे सामने आए हैं, जिनके आधार पर वन विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, पसान वन परिक्षेत्र की लैंगा बीट के करी गांव में कुछ दिनों पहले ग्रामीणों द्वारा जंगली सुअर के शिकार की सूचना वन विभाग को मिली थी। सूचना पर वन अमला मौके पर पहुंचा और कार्रवाई करते हुए कुछ लोगों के खिलाफ वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया। शिकार से संबंधित सामग्री भी जब्त की गई।

इसी बीच घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो में वन विभाग की एक अधिकारी ग्रामीणों के साथ बातचीत करती दिखाई दे रही हैं। बातचीत के दौरान शिकार की घटना, कार्रवाई और कुछ आरोपियों के बच निकलने को लेकर चर्चा सुनाई दे रही है। वीडियो में वन विभाग के एक कर्मचारी का भी उल्लेख किया गया है तथा पैसों के लेन-देन से जुड़े आरोपों का जिक्र किया गया है।

वायरल वीडियो के सामने आने के बाद वन विभाग हरकत में आया है। कोरबा वनमंडल के अधिकारियों ने वीडियो की सत्यता और उसमें किए गए दावों की जांच के आदेश दिए हैं। विभाग का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि वायरल वीडियो में कही गई बातों में कितनी सच्चाई है और क्या किसी स्तर पर अनियमितता हुई है।

वन विभाग के अधिकारियों ने कहा है कि वन्य जीवों का शिकार कानूनन प्रतिबंधित है और ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई की जाती रही है। वहीं वायरल वीडियो में लगाए गए आरोपों की भी निष्पक्ष जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल शिकार प्रकरण और वायरल वीडियो दोनों ही जांच के दायरे में हैं। विभागीय रिपोर्ट आने के बाद मामले की वास्तविक स्थिति सामने आने की उम्मीद है।

ब्रांडेड बोतल में चायपत्ती-स्प्रिट भरकर बेची नकली शराब, एक गिरफ्तार

रायगढ़। रायगढ़ जिले के कोतरारोड़ थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम धनागर में पुलिस ने नकली शराब बनाने और बेचने के एक बड़े मामले का खुलासा किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह के निर्देशन में चलाए जा रहे 'ऑपरेशन आघात' के तहत पुलिस और आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में अवैध शराब, स्प्रिट और पैकेजिंग सामग्री जब्त की है।

पुलिस के अनुसार गुप्त सूचना मिली थी कि धनागर निवासी दुष्यंत पटेल उर्फ पप्पू अपने ठिकाने पर नकली शराब तैयार कर उसे बाजार में खपा रहा है। सूचना के सत्यापन के लिए पुलिस ने एक व्यक्ति को ग्राहक बनाकर भेजा। प्रारंभिक जांच में शराब की गुणवत्ता और पैकेजिंग संदिग्ध पाए जाने पर टीम ने दबिश दी।

कार्रवाई के दौरान दुष्यंत पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि उसके भाई सुभाष पटेल और एक अन्य सहयोगी विनय सिंह के फरार होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

तलाशी के दौरान पुलिस को विभिन्न ब्रांडों के नाम से पैक की गई बड़ी मात्रा में शराब, स्प्रिट, खाली बोतलें, ढक्कन, लेबल और होलोग्राम मिले। जांच में सामने आया कि आरोपित कथित रूप से विभिन्न स्थानों से शराब लाकर उसमें स्प्रिट और अन्य सामग्री मिलाकर उसे नामी ब्रांडों के रूप में बेच रहे थे।

पुलिस ने मौके से करीब 240 लीटर नकली शराब जब्त की है। बरामद सामग्री की अनुमानित कीमत दो लाख रुपये से अधिक बताई गई है। आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता और आबकारी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

तालाब पाटकर बनाया डंपिंग यार्ड

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल का उल्लंघन, सुशासन तिहार में शिकायत

आरंग (संवाददाता)। मानसून के दौरान नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा रेत उखनन पर लगने वाले प्रतिबंध से पहले आरंग क्षेत्र में अवैध रेत कारोबार तेजी से बढ़ने के आरोप सामने आए हैं। कुरूद, कुटेला, मोहमेला, हरदीडीह और कागदेही गांवों में बड़े पैमाने पर रेत का भंडारण किए जाने की शिकायतें मिल रही हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि रेत माफियाओं ने कुटेला गांव के एक सार्वजनिक तालाब के हिस्से को पाटकर उसे अवैध डंपिंग यार्ड में बदल दिया है।

स्थानीय लोगों के अनुसार तालाब क्षेत्र में लगातार हाईवा और अन्य भारी वाहनों के माध्यम से रेत का भंडारण किया जा रहा है। इससे न केवल जल स्रोतों पर खतरा मंडरा रहा है, बल्कि पर्यावरणीय संतुलन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका जताई जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि एनजीटी की रोक लागू होने के बाद रेत की कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना को देखते हुए पहले से ही बड़े पैमाने पर अवैध स्टॉक तैयार किया जा रहा है। इसके लिए आसपास के कई गांवों को कथित रूप से भंडारण केंद्र के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। इस मामले को लेकर कुटेला ग्राम पंचायत की सरपंच कमलेश्वरी संतोष जलक्षत्री ने प्रशासनिक उदासीनता पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि अवैध रेत भंडारण और तालाब को नुकसान पहुंचाने की शिकायत सुशासन तिहार शिविर में लिखित रूप से की गई थी। शिकायत के साथ आवश्यक तथ्य और जानकारी भी उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन अब तक संबंधित विभागों द्वारा कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।

नारायणपुर में धर्मांतरण पर बवाल, दो पक्षों में मारपीट

नारायणपुर। जिले के भरंडा थाना क्षेत्र में धर्मांतरण के आरोपों को लेकर देर रात दो पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई, जिसमें महिला समेत कुछ ग्रामीण घायल हो गए। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका उपचार जारी है। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति को देखते हुए पुलिस और प्रशासन ने अतिरिक्त बल तैनात कर हालात पर नजर बनाए रखी है।

जानकारी के अनुसार, देर शाम एक वाहन, जिस पर 'प्रेस' लिखा हुआ था, भरंडा गांव पहुंचा। ग्रामीणों का आरोप है कि वाहन में सवार कुछ लोग गांव में धार्मिक गतिविधियों में शामिल थे और आदिवासी समुदाय के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित कर रहे थे। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और विरोध जताने लगे। ग्रामीणों और धार्मिक गतिविधियों से जुड़े लोगों के बीच विवाद बढ़ गया। दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस के बाद मारपीट की स्थिति निर्मित हो गई। इस दौरान कुछ लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रित किया। घायलों को एम्बुलेंस के माध्यम से अस्पताल पहुंचाया गया। घटना से नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन भी किया। उनका कहना था कि 'प्रेस' लिखे वाहन का उपयोग किए जाने से पत्रकारिता की छवि प्रभावित हो रही है।

ग्रामीणों ने संबंधित लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी गांव पहुंचे। क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और दोनों पक्षों से बातचीत कर माहौल सामान्य करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि धर्मांतरण से जुड़े आरोपों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है तथा संबंधित लोगों से पूछताछ की जा रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

रीवा में गूंजा छत्तीसगढ़ का साहित्यिक स्वर डॉ. संगीता सरगम को मिला राष्ट्रीय सम्मान

रीवा/रायपुर। मध्यप्रदेश के रीवा में आयोजित अखिल भारतीय कवयित्री सम्मेलन एवं सम्मान समारोह में छत्तीसगढ़ की साहित्यकार डॉ. संगीता सरगम ने अपनी प्रभावशाली उपस्थिति दर्ज कराई। महारानी कीर्ति कुमारी की स्मृति में आयोजित इस राष्ट्रीय साहित्यिक आयोजन में उन्हें 'सुभाष सिंह सम्मान' से अलंकृत किया गया। सम्मान स्वरूप शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह, सम्मान पत्र तथा सम्मान निधि प्रदान की गई।

मानस मंडल रीवा और शिल्पी इन्फ्रा के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस समारोह में देश के विभिन्न राज्यों से आई कवयित्रियों ने भाग लिया। सम्मान प्राप्त करने के बाद डॉ. संगीता सरगम ने काव्य पाठ भी किया। उनकी रचनाओं ने श्रोताओं की खूब सराहना बटोरी और सभागार देर तक तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंजीनियर राजेंद्र शर्मा ने कहा कि महारानी कीर्ति कुमारी का साहित्यिक अवदान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने विश्वास जताया कि 'कीर्तिनिशा' जैसे आयोजन रीवा की साहित्यिक पहचान को राष्ट्रीय स्तर पर नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। विशिष्ट अतिथि पंकज सिंह पंकज ने साहित्य में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि महिला रचनाकारों ने हर युग में समाज को नई दृष्टि प्रदान की है। राष्ट्रीय स्तर के इस आयोजन में राजस्थान की डॉ. कविता किरण और मुंबई की अलका 'शरर' को भी विभिन्न सम्मानों से नवाजा गया। वहीं दिल्ली, रीवा और अन्य शहरों से पहुंची कवयित्रियों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से साहित्यिक वातावरण को समृद्ध बनाया। छत्तीसगढ़ के लिए यह अवसर विशेष रहा, क्योंकि राज्य की प्रतिनिधि के रूप में डॉ. संगीता सरगम ने न केवल सम्मान प्राप्त किया, बल्कि अपने काव्य पाठ के जरिए छत्तीसगढ़ की साहित्यिक परंपरा और सृजनशीलता की भी प्रभावी प्रस्तुति दी। साहित्य प्रेमियों ने इसे छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।

एक दशक में 70 प्रतिशत बढ़ा समुद्री उत्पादों का निर्यात, अगले 5 वर्षों में 30 अरब डॉलर के लक्ष्य पर नजर: पीयूष गोयल

नई दिल्ली। भारत का समुद्री उत्पाद (सीफूड) निर्यात पिछले दस वर्षों में करीब 70 प्रतिशत बढ़ा है और अब सरकार अगले पांच वर्षों में इसे 30 अरब डॉलर तक पहुंचाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रही है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यह बात विशाखापट्टनम में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समुद्री उत्पाद निर्यात कार्यशाला के दौरान कही।

मंगलवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के वाणिज्य विभाग ने मत्स्य पालन विभाग और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय के सहयोग से 5-6 जून 2026 को इस कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यक्रम का उद्देश्य मूल्य संवर्धन, टिकाऊ उत्पादन, बेहतर बाजार पहुंच, नवाचार और आधुनिक बुनियादी ढांचे के जरिए भारत के समुद्री उत्पाद निर्यात को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि भारत वर्तमान में वैश्विक सीफूड व्यापार में लगभग 4 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। उन्होंने उद्योग जगत, निर्यातकों और किसानों से मिलकर काम करने का आह्वान किया ताकि अगले पांच वर्षों में समुद्री उत्पादों का निर्यात 30 अरब डॉलर तक पहुंचाया जा सके।

उन्होंने कहा कि रेडी-टू-ईट और रेडी-टू-कुक जैसे वैल्यू एडेड उत्पादों की हिस्सेदारी बढ़ाने की जरूरत है। साथ ही हाल के वर्षों में भारत द्वारा किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) से खुले नए बाजारों का लाभ उठाकर निर्यात बढ़ाने पर भी जोर दिया। वहीं, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि राज्य मत्स्य पालन और एक्वाकल्चर के क्षेत्र में देश का अग्रणी केंद्र है और भारत के समुद्री उत्पाद निर्यात में उसकी महत्वपूर्ण हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार नवाचार, ब्रांडिंग, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और उद्योगों के सहयोग के जरिए आंध्र प्रदेश को वैश्विक समुद्री उत्पाद निर्यात हब बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही, केंद्रीय मत्स्य पालन मंत्री राजीव रंजन सिंह ने बताया कि देश में मछली उत्पादन 2012-13 के 95.8 लाख टन से बढ़कर 2024-25 में लगभग 198 लाख टन तक पहुंच गया है। वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत का समुद्री उत्पाद निर्यात करीब 73,890 करोड़ रुपए (8.46 अरब डॉलर) तक पहुंच गया है। उन्होंने बताया कि फ्रोजन झींगा अभी भी भारत का सबसे बड़ा समुद्री निर्यात उत्पाद बना हुआ है। सरकार प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) और पीएमकेएसएसवाई 2.0 जैसी योजनाओं के माध्यम से निर्यातोन्मुखी बुनियादी ढांचे, ट्रेसबिलिटी और टिकाऊ एक्वाकल्चर को बढ़ावा दे रही है।

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजारापु राममोहन नायडू ने कहा कि उच्च मूल्य वाले समुद्री उत्पादों के निर्यात के लिए मजबूत एयर कार्गो और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क बेहद जरूरी है। सरकार कार्गो इंफ्रास्ट्रक्चर और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी को मजबूत करने पर काम कर रही है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच फिच ने वित्त वर्ष 2027 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा

नई दिल्ली । वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.4 प्रतिशत पर बरकरार रखा है। एजेंसी का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संकट और वैश्विक तेल बाजार की स्थिति आने वाली तिमाहियों में भारतीय अर्थव्यवस्था की रफ्तार को प्रभावित कर सकती है।

फिच ने अपनी रिपोर्ट में कहा, 'हम वित्त वर्ष 2027 में जीडीपी वृद्धि दर 6.4 प्रतिशत रहने का अनुमान लगा रहे हैं, जो मार्च में जारी अनुमान की तुलना में 0.3 प्रतिशत कम है।'

रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग आर्थिक वृद्धि की मुख्य चालक बनी रहेगी। हालांकि, वास्तविक रूप से आयात में कमी आने से शुद्ध बाहरी मांग का भी वृद्धि में सकारात्मक योगदान रहने की उम्मीद है।

फिच का मानना है कि वित्त वर्ष 2028 में पश्चिम एशिया का संकट कम होने के बाद भारत की आर्थिक वृद्धि फिर से गति पकड़ सकती है।

मजबूत उपभोक्ता खर्च और निवेश के चलते वित्त वर्ष 2028 में जीडीपी वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है।

इसके बाद वित्त वर्ष 2029 में वृद्धि दर धीरे-धीरे अपने सामान्य स्तर पर लौटते हुए 6.4 प्रतिशत रहने की संभावना जताई गई है।

फिच के मुख्य अर्थशास्त्री ब्रायन कूल्टन ने कहा कि तेल की कीमतों में बढ़ोतरी वैश्विक आर्थिक विकास की संभावनाओं को प्रभावित कर रही है और इससे जोखिम भी बढ़े हैं।

हालांकि उन्होंने कहा कि दुनिया भर में सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) पर खर्च में जबरदस्त बढ़ोतरी देखने को मिल रही है, जिससे आर्थिक गतिविधियों पर पड़ने वाले नकारात्मक असर को कुछ हद तक संतुलित किया जा रहा है, खासकर एशियाई देशों में।

फिच ने कहा कि भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित महंगाई अभी तक बहुत अधिक नहीं बढ़ी है, लेकिन आने वाले महीनों में इसमें लगातार बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है।

केंद्र ने कोयला एक्सचेंज नियम, 2026 जारी किए; भारत के ऊर्जा बाजारों को मिलेगी मजबूती

नई दिल्ली। भारत की कोयला आपूर्ति श्रृंखला के आधुनिकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, केंद्र सरकार ने कोयला एक्सचेंज नियम, 2026 को जारी कर दिया है। इससे विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के तहत ऊर्जा बाजारों को मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह जानकारी कोयला मंत्रालय की ओर से मंगलवार को दी गई।

मंत्रालय ने बयान में कहा कि सरकार देश में कोयला एक्सचेंजों की स्थापना के लिए मार्ग तैयार कर रही है। हाल ही में पारित खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) संशोधन अधिनियम, 2025 ने खनिज एक्सचेंज की अवधारणा को लागू किया है और केंद्र सरकार को कोयले और उसके प्रसंस्कृत रूपों सहित खनिजों के पारदर्शी और कुशल व्यापार को बढ़ावा देने का अधिकार दिया है।

इसके तहत कोयला मंत्रालय ने दिसंबर 2025 में कोयला नियंत्रक संगठन (सीसीओ) को कोयला एक्सचेंजों के पंजीकरण और विनियमन के लिए जिम्मेदार प्राधिकरण के रूप में नामित किया है। पात्र संस्थाओं को सीसीओ द्वारा कोयला एक्सचेंज स्थापित करने तथा संचालित करने, बाजार नियम तथा उपनियम बनाने और कोयला व्यापार को सुगम बनाने के लिए अधिकृत किया जाएगा। पंजीकरण 25 वर्षों की अवधि के लिए वैध होंगे।

कोयला मंत्रालय के मुताबिक, कोल एक्सचेंज की शुरुआत से कोयला विपणन में एक क्रांतिकारी बदलाव आएगा, क्योंकि यह पारंपरिक 'एक से अनेक' बिक्री मॉडल से हटकर एक प्रतिस्पर्धी 'अनेक से अनेक' व्यापार मंच की ओर अग्रसर है। इससे पारदर्शी और बाजार-आधारित मूल्य निर्धारण संभव होगा, दक्षता में सुधार होगा और वाणिज्यिक तथा कैप्टिव खनिकों सहित कोयला उत्पादकों को खरीदारों के व्यापक समूह तक आसान पहुंच प्राप्त होगी। सार्वजनिक क्षेत्र की कोयला कंपनियां भी बाजार में अपनी भागीदारी बढ़ाने के लिए इस मंच का लाभ उठा सकती हैं।

मंत्रालय ने आगे कहा कि कोयला विनिमय पहल व्यापार करने में सुगमता बढ़ाने, पारदर्शिता को बढ़ावा देने और एक आधुनिक, आत्मनिर्भर ऊर्जा परितंत्र के निर्माण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। अधिक प्रतिस्पर्धी और कुशल कोयला बाजार बनाकर, इस सुधार से ऊर्जा सुरक्षा को मजबूती मिलने, औद्योगिक विकास को समर्थन मिलने और सतत आर्थिक विकास तथा भविष्य के लिए तैयार ऊर्जा क्षेत्र के माध्यम से विकसित भारत की परिकल्पना में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

एआई खतरा नहीं, बल्कि विकास का एक बड़ा अवसर : एन चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को कहा कि टेक्नोलॉजी सर्विसेज इंडस्ट्री के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) खतरा नहीं, बल्कि एक बड़ा अवसर है। साथ ही कहा कि कंपनी की एआई से आय पिछली चार तिमाही से लगातार बढ़ रही है।

इस दौरान चक्रवृद्धि तिमाही वृद्धि दर (सीक्यूजीआर) में 22 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। पिछली तिमाही में सालाना आधार पर एआई से आय करीब 2.5 अरब डॉलर थी।

टीसीएस की 31वीं सालाना आम बैठक में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगले तीन सालों में कंपनी में एआई एजेंट की संख्या कर्मचारियों के बराबर हो सकती है, जो टीसीएस में काम करने के तरीके में एक बड़ा बदलाव होगा।

चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी अपने इतिहास का 'सबसे अहम काम' कर रही है, क्योंकि एआई ग्लोबल टेक्नोलॉजी सर्विस इंडस्ट्री को बदल रहा है।

चंद्रशेखरन के मुताबिक, एआई को अपनाने के कारण तीन-चौथाई कंपनियों को लगता है कि अगले दो वर्षों में टेक्नोलॉजी पर खर्च बढ़ सकता है।

उन्होंने कहा कि निवेशकों की चिंताओं और हाल ही में पूरे आईटी सेक्टर पर बने दबाव के बावजूद, कंपनी के फंडामेंटल मजबूत बने हुए हैं; इसमें स्थिर मार्जिन, बढ़ती रेवेन्यू और मजबूत डील पाइपलाइन शामिल हैं।

उन्होंने समझाया, 'आज एआई मुख्य रूप से सॉफ्टवेयर और कंप्यूटर की दुनिया में मौजूद है, लेकिन जल्द ही यह असल दुनिया में भी अपनी जगह बना लेगा, जैसे स्टोर, फैक्ट्रियां, वेयरहाउस, एनर्जी नेटवर्क, गाड़ियां और सप्लाई चेन। इसके लिए ऐसे एक्सपर्ट्स की जरूरत होगी जो आईटी, एआई और फिजिकल इक्विपमेंट व इन्फ्रास्ट्रक्चर को आपस में जोड़ना जानते हों।'

आईटी सर्विस इंडस्ट्री में एआई के कारण नौकरियां जाने की चिंताओं पर बात करते हुए, उन्होंने माना कि एक अहम सवाल सामने आया है: अगर एआई ज्यादातर काम कर सकता है, तो उन सर्विस को देने के लिए बने सेक्टर का क्या होगा?

हालांकि, उन्होंने कहा कि यह डर इस गलतफहमी पर आधारित है कि एआई एंटरप्राइज सिस्टम के साथ कैसे काम करेगा।

ईडी ने जेप्टो के फाउंडर्स को भेजा समन, अपडेटेड आईपीओ ड्राफ्ट पेपर में सामने आई जानकारी

नई दिल्ली । क्विक कॉमर्स कंपनी जेप्टो के आईपीओ ड्राफ्ट पेपर से खुलासा हुआ है कि संस्थापक आदित पालिचा और कैवल्य वोहरा को अप्रैल में विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), 1999 के तहत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से समन मिला है।

भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास जमा कराए गए ड्राफ्ट पेपर में जेप्टो ने बताया कि ईडी ने कंपनी और उसके प्रमोटरों से जुड़ी जानकारी और दस्तावेज मांगे, जिनमें विदेशी निवेश, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, फाइनेंशियल स्टेटमेंट, लोन और गारंटी, इनकम टैक्स रिटर्न, बैंक अकाउंट और कंपनी के बिजनेस मॉडल की जानकारी शामिल थी।

फाइलिंग के अनुसार, ईडी ने दोनों प्रमोटरों को 8 अप्रैल को समन जारी किया था। इसमें उन्हें एजेंसी के सामने पेश होने और कंपनी के बिजनेस व उनकी पर्सनल होल्डिंग्स से जुड़ी जानकारी देने के लिए कहा गया था।

मांगी गई जानकारी में विदेशी निवेश, वित्त वर्ष 21 से ऑडिटेड फाइनेंशियल स्टेटमेंट, अचल संपत्ति, शेयरहोल्डिंग पैटर्न, लोन और गारंटी, इनकम टैक्स रिटर्न, बैंक अकाउंट और कंपनी के बिजनेस मॉडल पर एक नोट जैसी डिटेल्स शामिल थीं।

समन का पालन करते हुए, कैवल्य वोहरा 17 और 22 अप्रैल को ईडी के सामने पेश हुए, जबकि आदित पालिचा 20 अप्रैल और 15 मई को पेश हुए।

फाइलिंग में बताया गया है कि संस्थापकों ने ईडी द्वारा मांगी गई जानकारी और डॉक्यूमेंट्स के साथ-साथ एजेंसी के साथ बाद की बातचीत के दौरान मांगी गई अतिरिक्त जानकारी भी उपलब्ध कराई।

इनमें कंपनी के होल्डिंग स्ट्रक्चर, बिजनेस अरेंजमेंट और एग्रीमेंट व इनवॉइस जैसे सपोर्टिंग डॉक्यूमेंट्स से जुड़ी जानकारी शामिल थी।

कंपनी ने फाइलिंग में कहा, 'इस अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस-ढ्ढ की तारीख तक, अपना जवाब जमा करने के बाद से हमें ईडी से कोई और सूचना नहीं मिली है।'

हालांकि, जेप्टो ने निवेशकों को यह भरोसा नहीं दिलाया कि भविष्य में कोई पूछताछ नहीं होगी या मामला जांच, कानूनी कार्यवाही या संभावित जुर्माने तक नहीं बढ़ेगा। इस जानकारी को अपडेटेड प्रॉस्पेक्टस के रिस्क फैक्टर्स और प्रमोटर से जुड़े कानूनी मामलों वाले सेक्शन में शामिल किया गया है।

सोबी ने मई में जेप्टो के प्रस्तावित इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग को मंजूरी दी थी। पब्लिक इश्यू में लगभग 8,000 करोड़ रुपए का इक्विटी फ्रेश इश्यू और मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल शामिल होने की उम्मीद है।

कंपनी फ्रेश इश्यू से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल अपने डार्क स्टोर नेटवर्क को बढ़ाने, टेक्नोलॉजी और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने और अपनी सब्सिडियरी, जेप्टो मार्केटप्लेस प्राइवेट लिमिटेड के जरिए मार्केटिंग और बिजनेस प्रमोशन गतिविधियों को सपोर्ट करने के लिए करने की योजना बना रही है।

भारत में 2026 की तीसरी तिमाही में 60 प्रतिशत नियोक्ता नई भर्तियां निकालेंगे : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत में 60 प्रतिशत नियोक्ता 2026 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर अवधि) में नई भर्तियां करने की योजना बना रहे हैं, जबकि 29 प्रतिशत की योजना मौजूदा स्टाफ के स्तर को बनाए रखने की है। यह जानकारी मंगलवार को जारी रिपोर्ट में दी गई।

मैनपावरग्रुप की रिपोर्ट के मुताबिक, जुलाई-सितंबर अवधि में नेट एम्प्लॉयमेंट आउटलुक (एनईओ) 48 प्रतिशत पर रहा है, जो कि वैश्विक स्तर पर सबसे अधिक है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया कि समीक्षा अवधि में 11 प्रतिशत नियोक्ता नौकरियों में कटौती की योजना बना रहे हैं, जबकि एक प्रतिशत नियोक्ता भर्ती की योजना को लेकर अनिश्चित हैं।

मैनपावरग्रुप इंडिया और मिडिल ईस्ट के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप गुलाटी ने कहा, 'भारत का 2026 की तीसरी तिमाही में हायरिंग आउटलुक दुनिया भर में सबसे मजबूत बना हुआ है। यह दिखाता है कि बिजनेस का माहौल मुश्किल होने के बावजूद,

देश की विकास की गति पर निवेशकों का भरोसा बना हुआ है। उन्होंने कहा कि पिछली तिमाही के मुकाबले इसमें जो कमी आई है, वह बिजनेस कॉन्फिडेंस में गिरावट नहीं, बल्कि ज्यादा सावधानी और सोच-समझकर भर्ती करने के नजरिए को दिखाती है।

उन्होंने आगे कहा कि मैन्युफैक्चरिंग और सर्विसेज सेक्टर में जबरदस्त एक्टिविटी और ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स का लगातार विस्तार, नौकरियों की मांग को बनाए हुए है।

साथ ही, नियोक्ता एआई-आधारित कार्यबल अनुकूलन, प्रवेश स्तर की भर्ती की कम मांग, वैश्विक व्यापार अनिश्चितता और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों जैसी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं, जो आपूर्ति श्रृंखलाओं और व्यावसायिक लागतों को प्रभावित कर रहे हैं।

क्षेत्रवार देखें तो, सर्वेक्षण में शामिल नौ में से आठ क्षेत्रों में तिमाही आधार पर भर्ती की उम्मीदें कमजोर हुईं।

ट्रेड और लॉजिस्टिक्स सेक्टर में भर्ती की उम्मीदों में सबसे तेज गिरावट दर्ज की गई, इसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाएं और सूचना क्षेत्र रहे।

हॉस्पिटैलिटी एकमात्र ऐसा क्षेत्र था जिसने पिछली तिमाही की तुलना में भर्ती की उम्मीदों में सुधार दर्ज किया।

रिपोर्ट में कम्युनिकेशन और कोलेबोरेशन स्किल्स को सबसे ज्यादा जरूरी क्षमताओं के तौर पर पहचाना गया। इसके बाद प्रॉब्लम-सॉल्विंग, टाइम मैनेजमेंट और काम के प्रति मजबूत निष्ठा (वर्क एथिक्स) का नंबर आता है।

आईआईटी मद्रास 'भारत इनोवेट्स 2026' में दिखाएगा डीप-टेक इनोवेशन और स्टार्टअप्स की ताकत

नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास (आईआईटी मद्रास) ने मंगलवार को कहा कि वह फ्रांस में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय टेक्नोलॉजी शोकेस 'भारत इनोवेट्स 2026' में डीप-टेक नवाचारों, रणनीतिक शोध परियोजनाओं और अपने इनक्यूबेटेड स्टार्टअप्स का प्रदर्शन करेगा।

फ्रांस के शिक्षा मंत्रालय द्वारा 14 से 16 जून के बीच आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के उच्च शिक्षण संस्थानों और केंद्रीय वित्तपोषित तकनीकी संस्थानों से उभरने वाले सबसे संभावनाशील तकनीकी उद्यमों की पहचान करना, उनका मार्गदर्शन करना और उन्हें वैश्विक मंच पर प्रस्तुत करना है।

आईआईटी मद्रास के अनुसार, यह कार्यक्रम भारतीय नवाचारकर्ताओं को निवेशकों, नीति निर्माताओं, उद्योग जगत के नेताओं, शोध संस्थानों और तकनीकी साझेदारों जैसे वैश्विक हितधारकों से जोड़ने का अवसर देगा।

आईआईटी मद्रास इस कार्यक्रम में शामिल 13 थीम आधारित क्षेत्रों में से दो का नेतृत्व करेगा और संस्थान से जुड़े 15 स्टार्टअप्स को प्रदर्शित करेगा। संस्थान के पवेलियन में पांच प्रमुख शोध परियोजनाओं को भी प्रदर्शित किया जाएगा, जो डीप-टेक नवाचार और स्वदेशी तकनीक विकास में भारत की क्षमता को दर्शाएंगी।

इनमें हाइपरलूप तकनीक, लैब-ग्रोन डायमंड टेक्नोलॉजी, 5जी और 6जी संचार, पोर्ट ऑटोमेशन तथा कम कंप्यूटिंग क्षमता वाले स्वदेशी एआई (एआई) इकोसिस्टम शामिल हैं। आईआईटी मद्रास के निदेशक प्रोफेसर वी. कामकोटी ने कहा कि 'इंडिया-फ्रांस ईयर ऑफ इनोवेशन 2026' और 'भारत इनोवेट्स 2026' कार्यक्रम आईआईटी मद्रास और फ्रांस के विश्वविद्यालयों, शोध प्रयोगशालाओं, स्टार्टअप्स और उद्योगों के बीच सहयोग के नए अवसर पैदा करेंगे।

उन्होंने कहा, 'यह कार्यक्रम 6जी तकनीक, साझा टेस्टबेड, मानक विकास, स्टार्टअप साझेदारी, तकनीक हस्तांतरण और प्रतिभा आदान-प्रदान कार्यक्रमों जैसे क्षेत्रों में संयुक्त शोध के अवसर खोलेगा।'

आईआईटी मद्रास इस आयोजन में ब्लू इकोनॉमी और नेक्स्ट-जेनरेशन कम्युनिकेशंस थीम क्षेत्रों का नेतृत्व करेगा। कम्युनिकेशन सेगमेंट में आरईआईओ सिस्टम्स, एस्ट्रोम टेक्नोलॉजीज और विसिग नेटवर्क्स जैसे स्टार्टअप्स अपनी स्वदेशी सॉफ्टवेयर-डिफाइंड रेडियो प्लेटफॉर्म, वायरलेस बैकहॉल सिस्टम और ओपेन आरएएन-आधारित 5जी समाधानों का प्रदर्शन करेंगे। ब्लू इकोनॉमी सेगमेंट में आईआईटी मद्रास से जुड़े स्टार्टअप प्लानिस टेक्नोलॉजीज समुद्री और ऑफशोर इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए रिमोटली ऑपरेटेड व्हीकल्स (आरओवी), ऑटोनॉमस सिस्टम और एआई-आधारित डायग्नोस्टिक तकनीकों पर आधारित अंडरवॉटर निरीक्षण समाधान पेश करेगा।

पतला छिलका-रसीला गूदा, मनमोहक खुशबू से खींचे चले आते हैं ग्राहक, बाजार में धूम मचा रहा ये आम

सीधी के प्रकृति प्रेमी विनय सिंह ने शौकिया तौर पर एक अनोखा आम का बगीचा तैयार किया है, जिसमें प्रसिद्ध लक्ष्मण भोग आम की किस्म भी शामिल है. आम के मौसम में यह किस्म अपने खट्टे-मीठे स्वाद, पतले छिलके और बिना रेशे वाले रसीले गूदे के लिए पहचान रखती है. स्वाद और गुणवत्ता के कारण इसकी मांग देश ही नहीं, विदेशों में भी बनी हुई है.

सीधी. गर्मी का मौसम शुरू होते ही बाजारों में फलों के राजा आम की बहार नजर आने लगती है. अलग-अलग किस्मों के आमों के बीच लक्ष्मण भोग आम अपनी अनोखी पहचान और बेहतरीन स्वाद के कारण लोगों का ध्यान आकर्षित कर रहा है. हल्की खुशबू, रसीले गूदे और बिना रेशे वाली बनावट के कारण यह आम, आम प्रेमियों की पहली पसंद बनता जा रहा है. सीधी जिले के रामपुर नैकिन क्षेत्र में भी इस किस्म की खेती की जा रही है और इसका स्वाद लोगों को खूब पसंद आ रहा है.

रामपुर नैकिन निवासी प्रकृति प्रेमी विनय सिंह के बाग में लक्ष्मण भोग आम की अच्छी पैदावार हो रही है. उनका कहना है कि यह आम स्वाद के मामले में बेहद खास होता है. इसमें हल्की खटास और प्राकृतिक मिठास का संतुलन देखने को मिलता है, जो इसे अन्य किस्मों से अलग बनाता है. इसका गूदा पूरी तरह रेशारहित होता है, जिससे इसे खाने में विशेष आनंद आता है.

मनमोहक खुशबू दूर से ही लोगों को खींच लाती है

कृषि वैज्ञानिक डॉ. शैलेंद्र गौतम के अनुसार लक्ष्मण भोग आम का इतिहास लोककथाओं और पौराणिक मान्यताओं से जुड़ा हुआ माना जाता है. जनश्रुतियों के अनुसार रामायण काल में भगवान राम को भोग लगाने से पहले लक्ष्मण ने इस आम का स्वाद चखा था. कहा जाता है कि भगवान राम के लिए चुने जाने के कारण इस आम का नाम लक्ष्मण भोग पड़ गया. हालांकि, यह मान्यता लोककथाओं पर आधारित है, लेकिन इसके कारण इस आम का सांस्कृतिक महत्व भी बढ़ जाता है.

आकार की बात करें तो लक्ष्मण भोग आम सामान्य आमों की तुलना में थोड़ा बड़ा और लंबा होता है. इसका आकार हल्का टेढ़ा-मेढ़ा दिखाई देता है. पकने के बाद इसका रंग सुनहरा पीला हो जाता है और इसकी चमकदार सतह लोगों को आकर्षित करती है. इसका छिलका पतला होने के कारण आसानी से उतारा जा सकता है. वहीं इसकी मनमोहक खुशबू दूर से ही लोगों को अपनी ओर खींच लेती है.

पश्चिम बंगाल में काफी अधिक मांग

यह आम केवल ताजा फल के रूप में ही नहीं खाया जाता, बल्कि इससे अचार, शेक, मिठाइयां और कई अन्य व्यंजन भी तैयार किए जाते हैं. इसकी खेती के लिए सिंचित भूमि और गर्म जलवायु सबसे उपयुक्त मानी जाती है. लक्ष्मण भोग आम की लोकप्रियता पश्चिम बंगाल में काफी अधिक है. इसके अलावा मध्य प्रदेश के कई हिस्सों में भी किसान बड़े पैमाने पर इसकी खेती करते हैं।

कारगिल में जिस रास्ते पर था पाकिस्तान का काला साया, उस जोजिला दर्रे पर अब चाहे बर्फ गिरे या बम, सेना थमेगी नहीं

कारगिल युद्ध में पाकिस्तान जिस श्रीनगर-लेह मार्ग को निशाना बनाकर भारत की सैन्य आपूर्ति रोकना चाहता था, उसी जोजिला दर्रे पर अब भारत ने अपना पुख?ता इंतजाम कर लिया है. 13 किलोमीटर लंबी जोजिला टनल का मुख्य मार्ग जुड़ चुका है, जिससे कश्मीर और लद्दाख के बीच सालभर आवागमन जारी रह सकेगा. भारी बर्फबारी, खराब मौसम या किसी भी आपात स्थिति में सेना की आवाजाही प्रभावित नहीं होगी. यह परियोजना न केवल राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करेगी, बल्कि लद्दाख में पर्यटन, व्यापार, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को भी नई रफ्तार देगी।

कारगिल युद्ध के दौरान चोटियों पर बैठी पाकिस्तानी सेना की पूरी कोशिश थी कि वह किसी भी तरह से इस रास्ते को अपने कब्जे में ले ले. पाकिस्तान को अच्छी तरह से पता था कि इस रास्ते पर उसक कब्जा हो गया तो भारत के लेह और लद्दाख का इलाका पूरी तरह से कट जाएगा. ऐसे में भारतीय सेना चाह कर भी लेह और लद्दाख में अपनी सै-?य मदद नहीं पहुंचा सकेगी और वह आसानी ने इस हिस्से पर कब्जा कर लेगा. हालांकि असंभव सी दिखने वाली तमाम चुनौतियों का सामना करते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान को अपने पैर खीचने के लिए मजबूर कर दिया था. अब इसी रास्ते से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आ रही है.

भारत सरकार ने इस रास्ते पर कुछ ऐसा इंतजाम कर दिया है कि पाकिस्तान चाहे बम बरसाए या फिर सर्दियों के मौसम में जबरदस्त बर्फ बारी हो. किसी भी कीमत में भारतीय सेना के कदम इस रास्ते पर नहीं रुकेंगें. दरअसल, यहां पर हम जोजिले दर्रे के दिल को चीर कर बनाई गई टनल की बात कर रहे हैं. जोजिला टनल प्रोजेक्ट में बड़ा मुकाम हासिल करते हुए दर्रे के नीचे बन रही सुरंग के दोनों सिरों को सफलतापूर्वक जोड़ दिया गया है. इसके साथ ही 13 किलोमीटर लंबी टनल का मुख्य मार्ग लगभग पूरी तरह से तैयार हो गया है. इस टनल का काम पूरा होने के बाद कश्मीर और लद्दाख के बीच सालभर आवागमन जारी रखा जा सकेगा.

करीब 6,500 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे इस प्रोजेक-?ट का निर्माण नेशनल हाईवे एंड इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (NHIDCL) कर रहा है. फिलहाल जोजिला दर्रा भारी बर्फबारी और खराब मौसम के कारण हर साल कई दिनों तक बंद रहता है.

सर्दियों में यहां का तापमान माइनस 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है. सड़कों पर जमी कई फुट बफ की वजह से लद्दाख का संपर्क सर्दियों के दौरान कश्मीर घाटी से कट जाता था. पहले यह दर्रा हर साल लगभग 160 से 180 दिनों तक बंद रहता था.

हालांकि हाल के वर्षों में बर्फ हटाने और सड़क रखरखाव के बेहतर इंतजामों से यह समयावधि में काफी कमी हुई है. इसके बावजूद 2024 में 35 दिन, 2025 में 32 दिन और 2026 में 73 दिन तक यह रास-?ता बंद रहा.

जोजिला टनल के शुरू होने के बाद यह समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी. सुरंग के जरिए पूरे साल लद्दाख तक आवागमन संभव हो सकेगा. इससे स्थानीय लोगों के साथ-साथ सेना को भी बड़ी राहत मिलेगी.

आपको बता दें कि श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग भारतीय सेना के लिए बेहद अहम है. इसी मार्ग के जरिए लद्दाख, सियाचिन ग्लेशियर और चीन सीमा के पास तैनात सैनिकों तक जरूरी सामान, हथियार और अन्य संसाधन पहुंचाए जाते हैं।

बंद कमरे में कूलर बना सकता है मुसीबत! उमस, घुटन और बीमारियों से बचने के लिए अपनाएं ये आसान ट्रिक्स

बंद कमरे में लगातार कूलर चलाना उमस, घुटन और हेल्थ प्रॉब्लम्स की वजह बन सकता है. सही वेंटिलेशन, नियमित सफाई और लिमिटेड इस्तेमाल से आप कूलर की ठंडक का मजा भी ले सकते हैं और बीमारियों से भी बच सकते हैं.

गर्मी का मौसम आते ही ज्यादातर घरों में कूलर की आवाज सुनाई देने लगती है. तेज धूप, चिपचिपी उमस और पसीने से राहत पाने के लिए लोग घंटों तक कूलर चलाते हैं. खासकर छोटे शहरों और मिडिल क्लास फैमिली में आज भी कूलर सबसे भरोसेमंद ऑप्शन माना जाता है, लेकिन कई लोग जगह की कमी या ज्यादा ठंडक पाने के चक्कर में कूलर को पूरी तरह बंद कमरे में चलाने लगते हैं. शुरुआत में भले ही कमरा ठंडा लगे, लेकिन धीरे-धीरे यही आदत उमस, घुटन और कई हेल्थ प्रॉब्लम्स की वजह बन सकती है. बंद कमरे में लगातार कूलर चलाने से हवा में नमी बढ़ती जाती है, जिससे सांस लेने में दिक्कत, एलर्जी और सीलन जैसी परेशानियां शुरू हो सकती हैं.

अगर आप भी रातभर बंद कमरे में कूलर चलाकर सोते हैं, तो कुछ जरूरी बातों का ध्यान रखना बेहद जरूरी है. थोड़ी सी सावधानी आपके घर को ठंडा रखने के साथ-साथ परिवार को बीमारियों से भी बचा सकती है.

बंद कमरे में कूलर चलाना क्यों पड़ सकता है भारी ?

कूलर का काम गर्म हवा को ठंडी और नम हवा में बदलना होता है. जब कमरे में बाहर की हवा आने-जाने का रास्ता नहीं होता, तब वही नमी कमरे में फंस जाती है. इससे कमरे की हवा भारी महसूस होने लगती है. कई बार लोगों को घुटन, बेचैनी और सिर दर्द तक होने लगता है. जिन लोगों को अस्थमा, एलर्जी या सांस से जुड़ी परेशानी रहती है, उनके लिए बंद कमरे में कूलर चलाना और भी ज्यादा नुकसानदायक हो सकता है. ज्यादा नमी बैक्टीरिया और फंगस को बढ़ावा देती है, जिससे हेल्थ रिस्क बढ़ जाता है.

वेंटिलेशन रखना सबसे ज्यादा जरूरी

अगर आप कूलर चला रहे हैं तो कमरे की एक खिड़की या दरवाजा थोड़ा खुला जरूर रखें. इससे बाहर की ताजी हवा अंदर आती रहती है और कमरे में नमी जमा नहीं होती. कई लोग सोचते हैं कि कमरा पूरी तरह बंद करने से ज्यादा ठंडक मिलेगी, लेकिन ऐसा करने पर उमस और बढ़ जाती है. सही एयर फ्लो रहने से कूलर भी बेहतर तरीके से काम करता है और कमरे में फ्रेशनेस बनी रहती है.

ज्यादा नमी से बढ़ सकती है सीलन और बदबू

लगातार बंद कमरे में कूलर चलाने से दीवारों पर सीलन जमने लगती है. धीरे-धीरे कमरे में अजीब सी बदबू आने लगती है. यही नमी फंगस और बैक्टीरिया को पनपने का मौका देती है. कई बार लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लंबे समय तक सीलन वाले कमरे में रहने से एलर्जी, स्किन प्रॉब्लम और सांस की परेशानी बढ़ सकती है. बच्चों और बुजुर्गों पर इसका असर जल्दी दिखाई देता है.

कूलर की सफाई को बिल्कुल नजरअंदाज न करें

कूलर में जमा गंदा पानी कई तरह के बैक्टीरिया पैदा कर सकता है, अगर कई दिनों तक पानी नहीं बदला जाए तो बदबू के साथ इंफेक्शन का खतरा भी बढ़ जाता है. कोशिश करें कि हर 2 से 3 दिन में कूलर का पानी बदल दें. साथ ही कूलिंग पैड्स और टैंक की सफाई भी करते रहें. साफ कूलर न सिर्फ बेहतर कूलिंग देता है बल्कि हेल्थ के लिए भी सुरक्षित रहता है.

पूरी रात लगातार कूलर चलाना सही नहीं

बहुत से लोग रातभर बिना बंद किए कूलर चलाते रहते हैं. इससे शरीर जरूरत से ज्यादा ठंडा हो सकता है. सुबह उठते ही गले में खराश, जुकाम, बदन दर्द या सिर भारी लगने जैसी दिक्कत हो सकती है. अगर कमरा ठंडा हो गया है तो कुछ समय बाद कूलर बंद कर दें. चाहें तो टाइमर का इस्तेमाल करें ताकि जरूरत के हिसाब से कूलर अपने आप बंद हो जाए.

बिजली और वायरिंग की जांच करते रहें

पुराने कूलर में वायरिंग खराब होने का खतरा ज्यादा रहता है. कई बार लोग सालों तक बिना सर्विस कराए कूलर इस्तेमाल करते रहते हैं, जिससे शॉर्ट सर्किट का रिस्क बढ़ जाता है. कूलर चलाने से पहले प्लग, वायर और मोटर की जांच जरूर करें. साथ ही यह भी ध्यान रखें कि कूलर में पानी सही लेवल तक हो. खाली टैंक में मोटर चलने से मशीन जल्दी खराब हो सकती है.

बच्चों और बुजुर्गों का रखें खास ध्यान

छोटे बच्चों और बुजुर्गों को ठंडी और नम हवा जल्दी असर करती है. इसलिए उनके कमरे में बहुत तेज कूलिंग न रखें।

रेनबो डाइट में कौन से फूड्स होते हैं? क्या यह डायबिटीज और बीपी कंट्रोल करने में कारगर, एक्सपर्ट से जानें सच

रेनबो डाइट में विभिन्न रंगों के फल और सब्जियों को शामिल किया जाता है, जिससे शरीर को कई तरह के विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट मिलते हैं. यह डाइट डायबिटीज और हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्याओं को मैनेज करने में मददगार हो सकती है. इस डाइट का सेवन करना बच्चों के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद माना जाता है।

खानपान को लेकर लोगों के बीच जागरुकता बढ़ रही है. अब लोग हेल्दी फूड्स का रुख कर रहे हैं और अनहेल्दी फूड्स को अवॉइड कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर भी कई तरह की डाइट ट्रेंड में रहती हैं. इनमें से एक रेनबो डाइट भी है, जिसकी खूब चर्चा होती रहती है. अक्सर लोग इसका नाम सुनकर कंफ्यूज हो जाते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो रेनबो डाइट का मतलब है अपनी थाली में अलग-अलग रंगों के फल और सब्जियों को शामिल करना. हर रंग के खाद्य पदार्थ में अलग तरह के विटामिन, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट और फाइटोन्यूट्रिएंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं. जितने ज्यादा रंगों की फल-सब्जियां आपकी प्लेट में होंगी, उतने ही पोषक तत्व शरीर को मिल सकते हैं.

रेनबो डाइट में लाल, नारंगी, पीले, हरे, नीले, बैंगनी और सफेद रंग के फल-सब्जियां शामिल की जाती हैं. उदाहरण के लिए टमाटर, तरबूज और अनार लाल रंग की श्रेणी में आते हैं. गाजर, संतरा और कद्दू नारंगी रंग के खाद्य पदार्थ हैं. पालक, ब्रोकोली और हरी सब्जियां हरे रंग की श्रेणी में आती हैं. वहीं बैंगन, जामुन और ब्लूबेरी जैसे खाद्य पदार्थ बैंगनी रंग का प्रतिनिधित्व करते हैं. हर रंग शरीर को अलग-अलग पोषण प्रदान करता है. इस डाइट को बच्चों की ग्रोथ के लिए सबसे बेहतर माना जाता है.

यह डायबिटीज-बीपी में फायदेमंद

डाइटिशियन ने बताया कि रेनबो डाइट में शामिल फल और सब्जियां फाइबर, विटामिन और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती हैं. फाइबर से भरपूर फूड्स पाचन को धीमा कर सकते हैं, जिससे ब्लड शुगर कंट्रोल रखने में मदद मिल सकती है. इसके अलावा रंग-बिरंगे फल और सब्जियां पोटैशियम, मैग्नीशियम और अन्य महत्वपूर्ण पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत हो सकते हैं. ये तत्व शरीर में सोडियम के प्रभाव को संतुलित करने और ब्लड प्रेशर कंट्रोल करने में मदद कर सकते हैं. हरी पत्तेदार सब्जियां, चुकंदर और कई प्रकार के फल हार्ट हेल्थ को बेहतर बनाने में असरदार माने जाते हैं.

शरीर को मिलते हैं कई फायदे

एक्सपर्ट की मानें तो रेनबो डाइट केवल डायबिटीज और बीपी कंट्रोल करने तक ही सीमित नहीं है. इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद कर सकते हैं।

यह इम्यूनिटी को मजबूत बनाने, स्किन हेल्थ सुधारने और पाचन तंत्र को बेहतर बनाए रखने में भी सहायक हो सकती है. डेली डाइट में अलग-अलग रंगों के फल और सब्जियां खाने से शरीर को संतुलित पोषण मिलता है. रेनबो डाइट का मतलब केवल रंगीन फूड्स खाना नहीं है, बल्कि ज्यादा से ज्यादा पोषक तत्व प्राप्त करना है. अगर आपको डायबिटीज, हाई बीपी या कोई अन्य स्वास्थ्य समस्या है, तो डाइट में बदलाव करने से पहले डॉक्टर या डाइटिशियन से सलाह जरूर लें।

चाय के साथ भूलकर भी न खाएं ये 2 चीजें, पेट के अंदर जाकर बना देती हैं तेजाब, तुरंत बदलें ये आदत

चाय के साथ क्या खाया जा रहा है, यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितनी खुद चाय. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ खाद्य पदार्थों को चाय के साथ खाने से पाचन प्रभावित हो सकता है और शरीर जरूरी पोषक तत्वों का पूरा लाभ नहीं ले पाता. आइए जानते हैं किन चीजों से दूरी बनाना बेहतर माना जाता है।

भारत में करोड़ों लोगों के दिन की शुरुआत चाय से होती है. कई लोग चाय के साथ बिस्कुट, नमकीन या अन्य स्नैक्स खाना पसंद करते हैं. हालांकि कुछ खाद्य पदार्थ ऐसे भी हैं, जिन्हें चाय के साथ खाने से बचने की सलाह दी जाती है. विशेषज्ञों के अनुसार, कुछ चीजें चाय के साथ लेने पर पाचन और पोषक तत्वों के अवशोषण को प्रभावित कर सकती हैं.

पालक, मेथी, सरसों का साग, चुकंदर और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन का अच्छा स्रोत मानी जाती हैं. लेकिन इन्हें चाय के साथ खाना सही नहीं माना जाता. इसका कारण चाय में मौजूद टैनिन (Tannins) और कुछ अन्य पॉलीफेनॉल्स हैं।

ये तत्व भोजन में मौजूद नॉन-हीम आयरन के अवशोषण को कम कर सकते हैं. यानी शरीर भोजन से मिलने वाले आयरन का पूरा लाभ नहीं उठा पाता. यही वजह है कि पोषण विशेषज्ञ अक्सर सलाह देते हैं कि आयरन युक्त भोजन और चाय के बीच कम से कम एक घंटे का अंतर रखना चाहिए.

नींबू वाले स्नैक्स या नींबू चाय के साथ क्या समस्या हो सकती है?

नींबू विटामिन ष्ट का अच्छा स्रोत है और सामान्य परिस्थितियों में यह आयरन के अवशोषण को बढ़ाने में मदद करता है. लेकिन कुछ लोगों में खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय और नींबू का एक साथ सेवन पेट में जलन, एसिडिटी या असहजता बढ़ा सकता है.

खासकर जिन लोगों को पहले से एसिड रिफ्लक्स, गैस या पेट में जलन की समस्या रहती है, उन्हें चाय के साथ ज्यादा खट्टे खाद्य पदार्थ लेने से सावधानी बरतनी चाहिए. हालांकि यह कहना सही नहीं होगा कि चाय और नींबू मिलकर पेट में 'तेजाब बना देते हैं', लेकिन कुछ लोगों में यह संयोजन एसिडिटी के लक्षणों को बढ़ा सकता है.

चाय पीने का सही तरीका क्या है?

चाय को भोजन के तुरंत पहले या तुरंत बाद पीने से बचना बेहतर माना जाता है. अगर आप आयरन से भरपूर भोजन कर रहे हैं, तो चाय पीने के लिए कुछ समय का अंतर रखें. इसके अलावा चाय के साथ अत्यधिक तले-भुने और मसालेदार स्नैक्स खाने से भी पाचन संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

खरदूषण, मारीच और सुबाहु कौन थे? क्या ये सच में लैंड जिहादी थे, कैसे ये राक्षस लोगों का जीना मुहाल करते थे

खर-दूषण, मारीच और सुबाहु रामायण के प्रमुख राक्षस थे, जिन्होंने ऋषियों और आम लोगों को आतंकित किया. भगवान श्रीराम ने उनके अत्याचारों का अंत कर धर्म, न्याय और संतों की रक्षा का मार्ग प्रशस्त किया।

रामायण केवल भगवान श्रीराम के आदर्श जीवन की कथा नहीं है, बल्कि यह धर्म और अधर्म के संघर्ष का भी विस्तार से वर्णन करती है. इस महाकाव्य में कई ऐसे राक्षसों का उल्लेख मिलता है, जिन्होंने अपने अत्याचारों से ऋषि-मुनियों, तपस्वियों और आम लोगों का जीवन कठिन बना दिया था. इनमें

खर-दूषण, मारीच और सुबाहु प्रमुख नाम हैं. पौराणिक कथाओं के अनुसार ये शक्तिशाली, मायावी और युद्धकौशल में निपुण राक्षस थे, जिन्होंने दण्डकारण्य और आसपास के क्षेत्रों में भय का वातावरण बना रखा था. यही कारण था कि धर्म की रक्षा और अत्याचार के अंत के लिए भगवान श्रीराम को इनके विरुद्ध युद्ध करना पड़ा.

मारीच और सुबाहु: यज्ञों के सबसे बड़े विघ्नकारी

रामायण में वर्णित मारीच और सुबाहु ताड़का और शुंड नामक असुर के पुत्र बताए गए हैं. दोनों भाइयों को मायावी शक्तियों में महारत हासिल थी. वे ऋषियों और मुनियों के किए जाने वाले यज्ञों को नष्ट करने के लिए कुख्यात थे. जब भी किसी आश्रम में धार्मिक अनुष्ठान या यज्ञ आयोजित होता, ये राक्षस वहां पहुंचकर मांस, रक्त और अन्य अपवित्र वस्तुओं की वर्षा कर देते थे. इससे यज्ञ बाधित हो जाते और साधु-संत डरकर तपस्या नहीं कर पाते थे. धीरे-धीरे उनका आतंक इतना बढ़ गया कि कई ऋषियों ने अपने आश्रम छोड़ने तक का विचार कर लिया. महर्षि विश्वामित्र ने जब अपने यज्ञों की रक्षा के लिए अयोध्या के राजा दशरथ से सहायता मांगी, तब श्रीराम और लक्ष्मण उनके साथ गए. यहीं पहली बार श्रीराम का सामना मारीच और सुबाहु से हुआ.

विश्वामित्र के यज्ञ की रक्षा

यज्ञ के दौरान दोनों राक्षस फिर से विघ्न डालने पहुंचे.।

500 लड़कियों को पछाड़ने के बाद अमीषा पटेल को मिली थी 'गदर' की सकीना,

12 घंटे चला था ऑडिशन

"सकीना का किरदार आज भी मेरे दिल के बहुत करीब है। दर्शकों का प्यार ही मेरी सबसे बड़ी कमाई है।
– अमीषा पटेल

मुंबई।

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल ने अपने करियर की शुकआत में ही जबरदस्त पहचान बनाई थी। खासकर उनकी फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' में उनका किरदार सकीना आज भी लोगों के दिलों में जिंदा है। इस किरदार के लिए अमीषा ने 500 से ज्यादा लड़कियों के बीच बाजी मारी थी और कई घंटों ऑडिशन दिया था।

टॉपर स्टूडेंट से बनीं एक्ट्रेस

अमीषा पटेल का जन्म 9 जुन 1975 को मुंबई में एक गुजराती परिवार में हुआ था। उन्होंने मुंबई में अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए अमेरिका चली गई। उन्होंने टफ्ट्स युनिवर्सिटी से अर्थशास्त्र की पढ़ाई की। पढ़ाई में वह इतती तेज थीं कि उन्होंने गोल्ड मेडल तक हासिल किया और कॉलेज की हेड गर्ल भी बनीं। एक टॉपर स्टूडेंट होने के बावजुद उनका मन फिल्मों की दुनिया की ओर खींचता चला गया।

थिएटर से की करियर की शुकआत

भारत लौटने के बाद उन्होंने थिएटर से अपने अभिनय करियर की शुकआत की। वह प्रसिद्ध रंगकर्मी सत्यदेव दुबे के थिएटर दुप से जुड़ीं, जहां उन्होंने अभिनय की बारीकिया सीखीं। इसके साथ ही उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापन जगत में भी कदम रखा।

पहली ही फिल्म बनी सुपरहिट

साल 2000 में अमीषा के करियर को बड़ा मोड़ मिला, जब उन्हें निर्देशक राकेश रोशन की फिल्म 'कहो ना... प्यार है' में काम करने का अवसर मिला। फिल्म में उनके साथ ऋतिक रोशन मुख्य भुमिका में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफल रही और अमीषा रातों-रात स्टार बन गई।

500 लड़कियों के बीच हुआ चयन

2001 में रिलीज हुई फिल्म 'गदर: एक प्रेम कथा' में सकीना के रोल के लिए 500 से ज्यादा लड़कियों ने ऑडिशन दिया था। अमीषा का चयन हुआ। कहा जाता है कि इस रोल के लिए उन्होंने करीब 12 घंटे तक लगातार ऑडिशन दिया था।

ओटीटी में कदम रख कम्फर्ट जोन से बाहर आईं हेली शाह, बोलीं- काम से बनाना चाहती हूं पहचान

मुंबई। एक से बढ़कर एक सफल टीवी शो का हिस्सा रहीं अभिनेत्री हेली शाह नई पारी की शुरुआत कर चुकी हैं और इसे लेकर वह उत्साहित भी हैं। हेली इन दिनों ओटीटी शो 'गुल्लक' के पांचवें सीजन में अपने अभिनय को लेकर चर्चा में हैं।

दर्शकों से मिल रहे सकारात्मक रिस्पॉन्स के बीच हेली ने टेलीविजन से ओटीटी की दुनिया में कदम रखने और अपने करियर के इस नए पड़ाव के बारे में बात की।

हेली शाह का कहना है कि टेलीविजन इंडस्ट्री हमेशा उनके लिए एक कम्फर्ट जोन रही है। लंबे समय तक टीवी पर काम करने की वजह से उन्होंने एक मजबूत पहचान और बड़ा फैन बेस बनाया। हालांकि, वह अपने अभिनय के दायरे को बढ़ाना चाहती थीं और इसी सोच के साथ उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म की ओर रुख किया।

हेली ने बताया कि टेलीविजन कलाकारों को अक्सर एक तय छवि में देख लिया जाता है। कई बार दूसरे माध्यमों में काम करने के बावजूद कलाकारों को 'टीवी एक्टर' या 'टीवी एक्ट्रेस' के टैग से बाहर निकलने में काफी समय लग जाता है। उनका मानना है कि लगातार अच्छा काम और सही मौके मिलने पर लोगों की सोच धीरे-धीरे बदलती है।

उन्होंने कहा, 'मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि इतने सालों तक टेलीविजन से जुड़ी रही। यह हमेशा मेरा कम्फर्ट जोन रहा है। लेकिन मैं नए अवसरों को भी आजमाना चाहती हूं क्योंकि मुझे अक्सर सिर्फ एक टीवी एक्ट्रेस के तौर पर देखा जाता रहा है। 'गुल्लक' में इतने प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ काम करना मेरे लिए बेहद खास अनुभव रहा है।'

हेली ने यह भी बताया कि वह लंबे समय से द वायरल फीवर (टीवीएफ) के साथ काम करना चाहती थीं और 'गुल्लक' के जरिए उनका ओटीटी डेब्यू होना इस सफर को और भी खास बना देता है। उनके अनुसार, इस शो की सबसे बड़ी खासियत इसकी सादगी और वास्तविकता है, जिससे दर्शक खुद को जोड़ पाते हैं। यही वजह है कि हर सीजन को दर्शकों का भरपूर प्यार मिलता है।

अभिनेत्री ने कहा कि फिलहाल उनका पूरा ध्यान सिर्फ अच्छे काम पर है। वह चाहती हैं कि लोग उन्हें उनके अभिनय और काम की वजह से पहचानें, न कि सिर्फ सार्वजनिक कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी के कारण।

टीवी, ओटीटी और फिल्मों को लेकर अर्जुन बिजलानी का बयान, 'ये तीनों अलग क्लासरूम जैसे हैं'

मुंबई। मनोरंजन की दुनिया में आज टीवी, ओटीटी और फिल्मों के बीच फर्क को लेकर अक्सर चर्चा होती रहती है। हर प्लेटफॉर्म का अपना अंदाज, अपनी भाषा और अपना दर्शक वर्ग होता है। इसी बीच टीवी अभिनेता अर्जुन बिजलानी ने इन तीनों माध्यमों को लेकर अपनी सोच साझा की है।

उन्होंने मीडिया संग बातचीत में कहा है कि उनके लिए ये तीनों एक-दूसरे के मुकाबले में नहीं हैं, बल्कि अलग-अलग तरह के मंच हैं, जहां कलाकार अपनी कला को अलग तरीके से पेश करता है।

मीडिया से बात करते हुए अर्जुन बिजलानी ने कहा, 'मैं टीवी, ओटीटी और फिल्मों को किसी प्रतिस्पर्धा के रूप में नहीं देखता। ये तीनों ऐसे हैं, जैसे अलग-अलग क्लासरूम हों, जहां सीखने का विषय एक ही है, यानी एक्टिंग, लेकिन उसे पेश करने का तरीका और उसका असर अलग-अलग होता है।'

उन्होंने कहा, ''टीवी पर कलाकार को धीरे-धीरे अपनी भूमिका को आगे बढ़ाने का समय मिलता है, क्योंकि टीवी शोज लंबे चलते हैं और किरदार को गहराई से दिखाया जा सकता है। फिल्मों में समय सीमित होता है, इसलिए वहां हर सीन को ज्यादा सटीक और प्रभावी तरीके से करना पड़ता है। दूसरी ओर ओटीटी प्लेटफॉर्म कलाकारों को किरदार में ज्यादा परतें जोड़ने और उसे विस्तार से दिखाने का मौका देता है।'' उन्होंने कहा, ''एक अभिनेता के लिए सबसे जरूरी चीज माध्यम नहीं, बल्कि कहानी होती है।

जब बिना बुलाए अमिताभ बच्चन की दीपावली पार्टी में पहुंचे मीका सिंह, सालों बाद सुनाया दिलचस्प किस्सा

मुंबई। बॉलीवुड सिंगर मीका सिंह पिछले करीब दो दशक से संगीत की दुनिया में एक्टिव हैं, और उनके गाने आज भी पार्टियों और शादियों में बजते हैं। अपनी गायकी के साथ-साथ मीका अपने मजेदार किस्सों और बेबाक अंदाज के लिए भी जाने जाते हैं। उनसे जुड़े कई दिलचस्प किस्से सुनकर लोग मुस्कुराते हैं। ऐसा ही एक किस्सा अमिताभ बच्चन को लेकर भी है, जो मीका खुद कई इंटरव्यू में बता चुके हैं।

उन्होंने बताया कि वह अमिताभ बच्चन के इतने बड़े फैन रहे हैं कि एक बार बिना बुलाए उनकी दीपावली पार्टी तक पहुंच गए थे। उनके साथ बाद में एक ऐसा मजाक भी हुआ, जिसमें उन्हें लगा कि वह खुद बिग बी से बात कर रहे हैं।

मीका सिंह का जन्म 10 जून 1977 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में हुआ था। उनका असली नाम अमरीक सिंह है। संगीत उनके परिवार की पहचान रहा है। उनके बड़े भाई दिलेर मेहंदी पहले से ही देश के लोकप्रिय गायकों में गिने जाते थे। बचपन से ही मीका का झुकाव संगीत की तरफ था। उन्होंने कम उम्र में ही संगीत सीखना शुरू कर दिया और धीरे-धीरे अपनी अलग पहचान बनाने की कोशिशों में जुट गए। उनका गाना 'सावन में लग गई आग' बेहद लोकप्रिय हुआ और देखते ही देखते वह लोगों के पसंदीदा सिंगर बन गए। इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। 'मौजा ही मौजा', 'ढिंका चिका', 'जुम्मे की रात', 'आज की पार्टी', 'गो गो गोविंदा', 'अंखियों से गोली मारे' और '440 वोल्ट' जैसे कई गानों ने उन्हें बॉलीवुड के सबसे चर्चित गायकों में शामिल कर दिया।

मीका हमेशा से बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन के बड़े फैन रहे। उन्होंने एक इंटरव्यू में बताया था, ''हर साल जब अमिताभ बच्चन के घर दीपावली पार्टी का आयोजन होता था, तब मैं बाहर से सजावट देखा करता था और इसका हिस्सा बनने के बारे में सोचता रहता था। एक दिन मैं हिम्मत करके अपनी कार लेकर अमिताभ बच्चन के घर पहुंचा और बिना निमंत्रण अंदर चला गया। हालांकि, मैं वहां ज्यादा देर नहीं रुका और पार्टी देख चुपचाप वापस लौट आया। मीका ने एक और किस्सा इंटरव्यू में साझा किया था। उन्होंने बताया कि भाई दलेर मेहंदी ने एक दिन मुझसे अमिताभ बच्चन से बात करवाने का वादा किया था।

वेदांग रैना की नई फिल्म में आया बड़ा मोड़, नाओमिका सरन के साथ प्रगति श्रीवास्तव भी निभाएंगी अहम रोल

मुंबई। बॉलीवुड में इन दिनों नई जोड़ियों और नई कहानियों को लेकर दर्शकों के बीच काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। इसी बीच अभिनेता वेदांग रैना की आने वाली फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आई है।

अब तक चर्चा थी कि इस फिल्म में वेदांग के साथ नाओमिका सरन नजर आएंगी, लेकिन अब खबर है कि फिल्म में एक और अभिनेत्री प्रगति श्रीवास्तव की भी एंट्री हो गई है। बताया जा रहा है कि यह फिल्म रोमांस, कॉमेडी और रहस्य से भरपूर होगी और इसकी कहानी में दोनों अभिनेत्रियों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी।

जानकारी के मुताबिक, फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। फिल्म का निर्माण मैडॉक फिल्म्स कर रहा है। वहीं निर्देशन की जिम्मेदारी जगदीप सिद्धू पर हैं। फिल्म की कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन सूत्रों का कहना है कि इसमें एक दिलचस्प प्रेम कहानी देखने को मिलेगी, जिसमें कई रोमांचक मोड़ होंगे।

फिल्म से जुड़े एक सूत्र ने आईएएनएस को बताया, प्रगति श्रीवास्तव का किरदार फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बताया जा रहा है कि फिल्म में वेदांग रैना का किरदार की जिंदगी में दो अलग-अलग प्रेम संबंध देखने को मिलेंगे। एक ओर नाओमिका सरन का किरदार होगा और दूसरी ओर प्रगति श्रीवास्तव का। ऐसे में फिल्म की कहानी को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बढ़ रही है।

सूत्र ने बताया कि फिल्म की ज्यादातर शूटिंग पूरी हो चुकी है। केवल कुछ दिनों का काम बाकी है। इसके बाद निर्माण कार्य और अन्य तैयारियां पूरी की जाएंगी। माना जा रहा है कि फिल्म को साल 2026 के आखिर तक सिनेमाघरों में रिलीज किया जा सकता है।

प्रगति श्रीवास्तव की बात करें तो इससे पहले उन्होंने साउथ फिल्मों में काम किया है और धीरे-धीरे हिंदी फिल्म जगत में भी अपनी पहचान बना रही हैं। वह पहले प्रकाश झा की 'जनादेश' और आनंद एल राय की 'नखरेवाली' में काम कर चुकी हैं। अब इस नई फिल्म के जरिए वह बड़े स्तर पर दर्शकों के सामने आएंगी।

दूसरी ओर, नाओमिका सरन भी लगातार चर्चा में बनी हुई हैं। वह हिंदी फिल्म जगत के बेहद चर्चित परिवार से ताल्लुक रखती हैं। नाओमिका, हिंदी सिनेमा के पहले सुपरस्टार माने जाने वाले राजेश खन्ना और मशहूर अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया की नातिन हैं। उनकी मां रिंकी खन्ना भी फिल्मों में काम कर चुकी हैं। ऐसे में नाओमिका की फिल्मी शुरुआत को लेकर पहले से ही काफी चर्चा बनी हुई है।

'कॉकटेल 2' की दुनिया से अभी बाहर नहीं आ पाईं कृति सेनन, शूटिंग के अनदेखे पलों को किया शेयर

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेत्री कृति सेनन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है और इसके कलाकार लगातार दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ा रहे हैं। इसी बीच कृति सेनन ने अपने सोशल मीडिया पर एक बीटीएस वीडियो साझा किया, जिसमें फिल्म की शूटिंग के दौरान के कई मजेदार पल देखने को मिले।

कृति सेनन ने यह वीडियो इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया। वीडियो में फिल्म के सेट पर बिताए गए कई खूबसूरत पल दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में सबसे ज्यादा ध्यान फिल्म के एक बड़े गाने की शूटिंग पर जाता है। इसमें कृति सेनन और अभिनेता शाहिद कपूर एक साथ नजर आ रहे हैं। दोनों कभी नाचते दिखाई देते हैं तो कभी हंसते और मस्ती करते हुए नजर आते हैं। वीडियो में वह हर पल का भरपूर आनंद लेते दिख रहे हैं।

वीडियो में कृति अलग-अलग लुक्स में दिखाई दे रही हैं। वहीं शाहिद कपूर भी पूरे जोश के साथ नजर आ रहे है। दोनों कलाकारों के बीच अच्छी बॉन्डिंग दिख रही है। वीडियो में डांस की तैयारी के पल भी दिखाए गए हैं। कलाकार गाने की रिहर्सल करते दिखाई देते हैं। समुद्र किनारे फिल्माए गए कई सीन्स बेहद खूबसूरत हैं। बड़ी संख्या में लोग म्यूजिक पर नाचते और खुशी मनाते नजर आते हैं। फिल्म में दूसरी मुख्य अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की भी वीडियो में छोटी सी झलक दिखाई देती है। इसके अलावा, फिल्म के निर्देशक होमी अदजानिया भी नजर आते हैं।कृति सेनन ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, ''मेंटली अभी भी फिल्म की दुनिया में हूं। 19 जून से थिएटर्स में 'कॉकटेल 2' जरूर देखने आए।''

फिलीपींस में भूकंप के बाद 37 हुई मृतकों की संख्या, 20 हजार लोग हुए विस्थापित

नई दिल्ली। दक्षिणी फिलीपींस के सारंगनी प्रांत में सोमवार सुबह आए 7.8 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप से भारी तबाही हुई है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इस आपदा में मृतकों की संख्या बढ़कर 37 हो गई है, जबकि लगभग 20 हजार लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं।

भूकंप में करीब 500 लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा कई इमारतों को नुकसान पहुंचा है और अनेक क्षेत्रों में स्कूलों तथा उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। भूकंप के बाद जापान सहित कई देशों ने सुनामी की चेतावनी जारी की थी, जिसे बाद में वापस ले लिया गया।

फिलीपींस के सिविल डिफेंस कार्यालय की प्रवक्ता जूनी कैस्टिलो ने बताया कि साउथ कोटाबाटो के जनरल सैंटोस शहर में 10 लोगों की मौत की सूचना मिली है। यह पोर्ट सिटी 7 लाख से अधिक आबादी वाला क्षेत्र है। यहां कम से कम 12 लोगों के लापता होने की भी सूचना है। अधिकांश मौतें मलबा गिरने, इमारतों के ढहने और भूस्खलन के कारण हुई हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, फिलीपींस नेशनल पुलिस ने पहले बताया था कि कम से कम 134 लोग घायल हुए हैं। जनरल सैंटोस में एक दो मंजिला स्कूल भवन भी ढह गया, जिसमें छात्रों के फंसे होने की आशंका जताई गई। अधिकारियों ने कहा कि वे घटना से जुड़ी जानकारियों का सत्यापन कर रहे हैं।

सोशल मीडिया और ऑनलाइन वीडियो में आपदा प्रभावित क्षेत्रों में यूनिवर्सिटी और रेस्टोरेंट की बिल्डिंगें गिर गईं। कई व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को स्ट्रक्चरल डैमेज हुआ, साइनबोर्ड गिर गए और खिड़कियों के शीशे टूट गए। भूकंप के झटकों के बाद लोग सुरक्षित स्थानों की ओर भागते नजर आए।

फिलीपींस में गर्मी की छुट्टियां समाप्त होने के बाद स्कूल खुले ही थे कि यह शक्तिशाली भूकंप आ गया। कई स्कूलों के सर्विलांस फुटेज में भूकंप के दौरान जोरदार झटके दिखे। शिक्षकों और छात्रों को या तो तुरंत निकाला गया या वे डेस्क के नीचे छिप गए। देश के शिक्षा विभाग ने कहा कि जिन स्कूलों पर असर पड़ा है, उनमें 5,800 से ज्यादा स्टूडेंट्स हैं।

पीएम मोदी के 12 साल के कार्यकाल में देश में क्या-क्या बदल गया, विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गिनाईं उपलब्धियां

नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए मंगलवार को कहा कि विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में पिछले 12 वर्षों में बदलाव आया है। उन्होंने केंद्र सरकार द्वारा शुरू की गई पहलों पर प्रकाश डाला।

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने एक्स पर लिखा, '12 साल पहले नरेंद्र मोदी ने भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। पिछले 'सेवा के 12 साल' में, विदेश मंत्रालय और भारत की विदेश नीति में बदलाव आया है। पासपोर्ट जारी करने और दस्तावेज के अटेस्टेशन को आम नागरिक के लिए एक आसान अनुभव बनाया गया है। विदेश में खुले दूतावासों और भारतीय समुदाय के लिए वेलफेयर फंड के ज्यादा इस्तेमाल के जरिए भारतीयों को पूरी मदद दी।'

उन्होंने कहा कि शिकायत सुलझाने और फीडबैक के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म बनाए। मुश्किल हालात में लोगों को निकालने के जरिए असरदार तरीके से जवाब दिया। यूक्रेन, इजरायल, अफगानिस्तान और सूडान इसके कुछ उदाहरण हैं। भारतीयों को ग्लोबल वर्कप्लेस तक पहुंचने और ग्लोबल वर्कफोर्स का हिस्सा बनने में मदद की। अब तक 21 मोबिलिटी पार्टनरशिप की हैं।

उन्होंने कहा कि भारतीय व्यवसाय को विदेश में मार्केट एक्सेस दिलाने और एक्सपोर्ट बढ़ाने में मदद की। विकास परियोजनाओं के जरिए भारतीय प्रोडक्ट्स और सर्विसेज को नए मार्केट में एंट्री दिलाने में मदद की।

भारतीय विदेश मंत्री ने कहा, 'विदेश में रहने वाले भारतीय स्टूडेंट्स के लिए कल्याणकारी उपाय शुरू किए। भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार किया और अन्य देशों में हमारी विरासत और परंपराओं के प्रति सम्मान और समझ को बढ़ावा दिया। विदेश में रहने और जाने वाले भारतीयों की जरूरतों को पूरा करने के लिए 44 दूतावास और कॉन्सुलेट खोले। भारतीय डिप्लोमेसी देश के लिए 24/7 काम करती है। आज भारतीय ज्यादा विश्वास और गर्व के साथ विदेश यात्रा करते हैं।' सोमवार को विदेश मंत्रालय ने जानकारी दी थी कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर का एक इंटरव्यू आने वाला है, जिसमें वह पीएम मोदी के नेतृत्व में विश्व कल्याण के 12 साल पर बात करेंगे। इस बातचीत में अंतरिक्ष अन्वेषण और ऊर्जा सुरक्षा से लेकर व्यापार, साइबर कैपेबिलिटी, राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति तक भारत में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुए बदलाव के बारे में गहरी चर्चा करेंगे।

संक्षिप्त खबर

यूएन चीफ गुटेरेस ने पश्चिम एशिया में फिर से तनाव बढ़ने पर चिंता जताई

न्यूयॉर्क। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने पश्चिम एशिया में फिर से बढ़ रहे तनाव पर चिंता जताई है और सभी पार्टियों से तुरंत हमले रोकने, ज्यादा से ज्यादा नियंत्रण रखने की अपील की। इसके साथ ही उन्होंने ऐसे किसी भी काम से बचने की अपील की है जिससे पहले से ही खराब हालात और बिगड़ सकते हैं। यूएन महासचिव ने सभी पार्टियों से लेबनान, ईरान और गाजा में सीजफायर का पूरी तरह पालन करने और ऐसे किसी भी कदम से बचने की अपील की, जिससे चल रही कूटनीतिक कोशिशों को नुकसान हो सकता है। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा, 'महासचिव इजरायल के गाजा में क्रॉसिंग बंद करने के फैसले से भी बहुत चिंतित हैं। वह गाजा में बड़े पैमाने पर मानवीय मदद को तेजी से, सुरक्षित और बिना किसी रुकावट के पहुंचाने के लिए सभी क्रॉसिंग को तुरंत फिर से खोलने की अपनी अपील दोहराते हैं।' गुटेरेस ने इस बात पर जोर दिया कि अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक नेविगेशन के अधिकारों और आजादी का सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने सभी पार्टियों से अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अपनी जिम्मेदारियों को निभाने और आम लोगों की सुरक्षा के लिए हर मुमकिन सावधानी बरतने की अपील की। फरहान हक ने बयान में कहा, 'महासचिव ने दोहराया है कि मिडिल ईस्ट में झगड़ों का कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता बातचीत और मोलभाव है।

भारतवंशी नित्या रमन ने लॉस एंजिल्स मेयर पद की दौड़ में शामिल, समर्थकों का जताया आभार

लॉस एंजिल्स। भारतवंशी नित्या रमन ने लॉस एंजिल्स के मेयर पद की दौड़ में एक महत्वपूर्ण जीत (प्राइमरी चुनाव) हासिल करते हुए नवंबर में होने वाले आम चुनाव के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। उन्होंने अमेरिका की मशहूर शख्सियत को मात दी। नित्या ने पूर्व रियलिटी टीवी स्टार स्पेंसर प्रैट को हराकर चुनाव के अगले चरण में प्रवेश किया है। अब उनका मुकाबला मौजूदा मेयर करेन बैस से होगा। अपनी जीत के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नित्या रमन ने मतदाताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'यह सफलता केवल उनकी नहीं, बल्कि उन हजारों लोगों की है जिन्होंने घर-घर जाकर प्रचार किया, फोन कॉल किए, संदेश भेजे, दान दिया और उनके अभियान को मजबूत बनाने में योगदान दिया।' रमन ने अपने संदेश में शहर के सामने मौजूद चुनौतियों का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से शहर की राजनीति में प्रभावशाली हित समूहों को प्राथमिकता दी जाती रही है, जबकि आम नागरिक बढ़ते किराए, कमजोर सार्वजनिक सेवाओं और कई अन्य समस्याओं का सामना कर रहे हैं। उन्होंने वादा किया कि वे एक ऐसा लॉस एंजिल्स बनाने के लिए काम करेंगी जो सभी नागरिकों के लिए सुरक्षित, किफायती और बेहतर हो।

अफगानिस्तान में शिक्षा संकट पर यूएन ने जताई चिंता, लाखों लड़कियां अब भी स्कूल से दूर

काबुल। अफगानिस्तान में लगभग 38 लाख लड़कियों के स्कूल से बाहर रहने के कारण देश एक 'खोई हुई पीढ़ी' की ओर बढ़ सकता है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यह स्थिति तालिबान की ओर से लगाए गए प्रतिबंधों की वजह से बनी हुई है।

अफगान समाचार एजेंसी 'खामा प्रेस' की रिपोर्ट के मुताबिक, सोमवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को संबोधित करते हुए अफगानिस्तान में संयुक्त राष्ट्र सहायता मिशन (यूएनएएमए) की कार्यवाहक प्रमुख जॉर्जेट गैगनन ने कहा कि 7 से 18 साल की करीब 38 लाख लड़कियां स्कूल नहीं जा रही हैं। इनमें 26 लाख से ज्यादा किशोरियां शामिल हैं, जिन्हें माध्यमिक शिक्षा में पढ़ने की अनुमति नहीं है।

गैगनन ने बताया कि हर साल लगभग 2.5 लाख अन्य लड़कियां माध्यमिक शिक्षा से वंचित हो रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं और लड़कियों पर लगातार लगाए जा रहे प्रतिबंधों का अफगानिस्तान के सामाजिक और आर्थिक विकास पर लंबे समय तक असर पड़ेगा। संयुक्त राष्ट्र की अधिकारी ने कहा कि अफगानिस्तान में आर्थिक स्थिति में कुछ हद तक स्थिरता के संकेत दिखे हैं, लेकिन विकास की रफ्तार अभी भी बहुत धीमी है। राजस्व संग्रह में कुछ सुधार हुआ है, लेकिन चुनौतियां बनी हुई हैं। 2026 में पड़ोसी देशों से करीब 28 लाख अफगान लोगों के लौटने की उम्मीद है, जिससे पहले से ही बेरोजगारी, गरीबी और सीमित सरकारी सेवाओं का सामना कर रहे लोगों पर दबाव बढ़ेगा। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, 2026 में लगभग 2.19 करोड़ लोगों को मानवीय सहायता की जरूरत होगी। मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) में संकट प्रतिक्रिया निदेशक एडेम वोसोर्नू ने कहा कि 47 लाख लोग गंभीर खाद्य असुरक्षा के खतरे का सामना कर रहे हैं, जबकि 37 लाख बच्चे तीव्र कुपोषण से जूझ रहे हैं। धन की कमी के कारण राहत कार्य प्रभावित हो रहे हैं। 2021 में सत्ता पर कब्जा करने के बाद से तालिबान ने महिलाओं और लड़कियों पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए हैं। इनमें लड़कियों को छठी कक्षा के बाद स्कूल जाने से रोकना, महिलाओं के विश्वविद्यालयों में पढ़ने पर प्रतिबंध लगाना और रोजगार तथा सार्वजनिक स्थानों तक उनकी पहुंच सीमित करना शामिल है।

मुनीर आत्मचिंतन करें, उनकी वजह से पाकिस्तान भुगत रहा : रिपोर्ट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर को अपनी करनी और कथनी पर लगाम लगाने की सलाह आंकड़ों के हवाले से एक विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में दी गई है।

यूरेशिया रिव्यू की इस रिपोर्ट में मुनीर को नसीहत दी गई है कि बजाय आंकड़ों का हवाला देने और लगातार आक्रामक बयानबाजी के वो अपनी नीतियों और फैसलों के पाकिस्तान पर पड़ रहे प्रभाव का गंभीरता से आकलन करें।

लेख में सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी निलेश कुंवर ने दावा किया कि आसिम मुनीर ने अपना असली रंग 2024 के आम चुनावों को प्रभावित कर दिखाया। अपनी राजनीतिक और सैन्य स्थिति को और मजबूत किया। लेख में यह भी कहा गया कि संवैधानिक संशोधनों के बाद मुनीर का प्रभाव पाकिस्तान की सत्ता में और बढ़ गया है। यूरेशिया रिव्यू में प्रकाशित अपने लेख में सेवानिवृत्त भारतीय सेना अधिकारी निलेश कुंवर ने दावा किया, ' पाकिस्तान के 27वें संवैधानिक संशोधन के बाद फील्ड मार्शल आसिम मुनीर, चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) के रूप में देश की सशस्त्र सेनाओं के वास्तविक सर्वोच्च कमांडर बन गए हैं।

इस संशोधन के तहत सीडीएफ पद को व्यापक अधिकार दिए गए हैं और उन्हें आजीवन कानूनी कार्रवाई से संरक्षण भी प्राप्त है। ये लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए असामान्य सी बात है। इससे जवाबदेही के बिना अत्यधिक शक्तियां एक व्यक्ति के हाथों में केंद्रित हो जाती हैं।'

लेख में अफगानिस्तान के साथ पाकिस्तान के संबंधों पर भी सवाल उठाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि सीमा पार आतंकी ठिकानों को निशाना बनाने की रणनीति से अपेक्षित परिणाम नहीं मिले और इससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ सकता है।

दक्षिणी लेबनान के शहर टायर में इजरायली एयरस्ट्राइक, 8 की मौत

बेरूत। इजरायली एयरस्ट्राइक में दक्षिणी लेबनान के प्रमुख तटीय शहर टायर में 8 लोगों की मौत हो गई। आईडीएफ (इजरायल डिफेंस फोर्सेस) ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए शहर के निवासियों को क्षेत्र खाली करने का आदेश जारी किया था।

लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के अनुसार, हमले में शहर के एक लोकप्रिय रिहायशी इलाके को निशाना बनाया गया। शुरुआती जानकारी के मुताबिक आठ लोगों की मौत हुई है, जबकि घायलों की संख्या को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक आंकड़ा पेश नहीं किया गया है।

इजरायली सेना ने टायर शहर के कई इलाकों के लिए निकासी आदेश जारी किया था। आदेश में ईसाई बहुल क्षेत्रों को भी शामिल किया गया। इजरायली निकासी आदेश के बाद टायर से लोगों का पलायन जारी है। राष्ट्रीय समाचार एजेंसी (एनएनए) के अनुसार, लेबनानी सिविल डिफेंस की टीमें बुजुर्गों, बीमारों और अन्य कमजोर नागरिकों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने में लगी हैं।

स्थिति को देखते हुए राहत एजेंसियों ने विशेष निकासी अभियान शुरू किया है ताकि ऐसे लोगों को बाहर निकाला जा सके जो स्वयं यात्रा करने में सक्षम नहीं हैं। एंबुलेंस और अन्य राहत वाहनों के जरिए कई बुजुर्गों को शहर से बाहर ले जाया गया है।

लेबनान के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार दक्षिणी लेबनान के ही मारवानेह में हुए हमले का शिकार एक बच्चे समेत 2 लोग हो गए और 10 लोग घायल हो गए। वहीं लेबनान की सरकारी न्यूज एजेंसी एनएनए ने सिविल डिफेंस फोर्स के हवाले से बताया कि शर्कीया शहर में ड्रोन हमले में तीन लोग घायल हो गए।

अफगान महिलाओं को ड्रेस कोड के नाम पर हिरासत में लेना 'गैरकानूनी और अस्वीकार्य': यूएन के विशेष दूत

काबुल। अफगानिस्तान में मानवाधिकार स्थिति की निगरानी करने वाले यूएन की ओर से तैनात विशेष दूत और प्रतिवेदक रिचर्ड बैनेट ने महिला अधिकारों को लेकर चिंता जताई है। बेनेट ने हेरात प्रांत में महिलाओं और लड़कियों को तय ड्रेस कोड का पालन न करने पर पुलिस हिरासत में लिए जाने को अफसोसनाक बताया है। उन्होंने तालिबान प्रशासन से इन गिरफ्तारियों को तुरंत रोकने और हिरासत में ली गई महिलाओं को रिहा करने की मांग उठाई है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, तालिबान में 'नैतिकता' कानून की हिफाजत में तैनात पुलिस ने हेरात में कम से कम 21 महिलाओं और लड़कियों को कथित तौर पर निर्धारित ड्रेस कोड का पालन न करने के आरोप में हिरासत में लिया है।

गिरफ्तारियां शहर के कई इलाकों, जिनमें साउदर्न रोड, अल्मास मार्केट और क़सर क्षेत्र शामिल हैं, में की गईं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि हिरासत में ली गई महिलाओं में हेरात क्षेत्रीय अस्पताल में कार्यरत एक नर्स भी शामिल है। रिचर्ड बेनेट ने सोशल मीडिया मंच एक्स पोस्ट में कहा,' लगातार तीसरे दिन बड़ी संख्या में महिलाओं को मनमाने ढंग से गिरफ्तार किया जा रहा है, जो न केवल चिंताजनक है बल्कि पूरी तरह अस्वीकार्य और अवैध भी है। ऐसी कार्रवाइयों को तुरंत समाप्त किया जाना चाहिए।'

यह घटनाक्रम उस निर्देश के बाद सामने आया है जिसे हेरात में तालिबान के 'सदाचार के प्रचार और बुराई की रोकथाम' विभाग ने जारी किया था। इस निर्देश में पुरुष अभिभावकों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया था कि उनके परिवार की महिलाएं तालिबान की ओर से निर्धारित इस्लामी पहनावे के नियमों का पालन करें। एएमयू टीवी ने बताया कि निर्देश के मुताबिक, सार्वजनिक स्थानों पर बिना उचित पर्दे, चेहरे को ढके बिना, तंग कपड़े पहनने या मेकअप करने वाली महिलाओं को हिरासत में लिया जा सकता है और उन्हें महिला निरोध केंद्र भेजा जा सकता है।

उपराष्ट्रपति वेंस का दावा- ईरान के साथ बातचीत में लक्ष्य हासिल करने के लिए अच्छी स्थिति में है अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका और ईरान के बीच लंबे समय से चल रही बातचीत का कोई हल नहीं निकल पा रहा है। अमेरिका की तरफ से दावे किए जा रहे हैं कि समझौता लगभग अपने आखिरी चरण में पहुंच चुका है, वहीं ईरान का कहना है कि बातचीत अभी भी चल रही है। इस बीच अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने अमेरिकी मीडिया को बताया कि ईरान के साथ बातचीत के जरिए राष्ट्रपति ट्रंप के लक्ष्यों को पाने के लिए अमेरिका अच्छी स्थिति में है।

अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस ने कहा, 'ईरान के लोग नहीं चाहते कि यह युद्ध जारी रहे। यह उनके हित में नहीं है और मुझे लगता है कि वे बातचीत की टेबल पर आ रहे हैं, कुछ असली बातें सामने रख रहे हैं, हम जरूर सत्यापित करेंगे।'

उन्होंने आगे कहा, 'अगर हम इस डील पर पहुंच जाते हैं, तो यह अमेरिका के लोगों के लिए एक बड़ी जीत होगी।'

इसके अलावा, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को होर्मुज स्ट्रेट के पास अमेरिकी अपाचे लड़ाकू हेलीकॉप्टर के गिरने की पुष्टि की है। उन्होंने मीडिया को बताया कि हेलिकॉप्टर के पायलट ठीक हैं। उन्होंने कहा, 'पायलट ठीक हैं। हम कल एक रिपोर्ट जारी करने वाले हैं, लेकिन पायलट ठीक हैं।'

उत्तर कोरिया और चीन ने दोस्ती के नए दौर में किया प्रवेश, परमाणु कार्यक्रम पर नहीं हुई बात

प्योंगयांग। उत्तर कोरिया और चीन ने अपने संबंधों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया है। दोनों ने राजनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। यह सहमति उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच प्योंगयांग में हुई शिखर वार्ता के दौरान बनी। दोनों के बीच प्योंगयांग के परमाणु कार्यक्रम को लेकर कोई बात नहीं हुई। हालांकि, जिनपिंग की यात्रा से पहले किम जो योंग ने कहा था कि किसी भी कीमत पर न तो उनका देश अपने परमाणु संपन्न दर्जे को छोड़ेगा और न ही किसी की धमकी बर्दाश्त करेगा।

सात वर्षों बाद उत्तर कोरिया की अपनी पहली राजकीय यात्रा (8-9 जून) पर पहुंचे शी जिनपिंग का प्योंगयांग में भव्य स्वागत किया गया। दोनों नेताओं ने इस मुलाकात को द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक नया अध्याय बताया और कहा कि भविष्य में उच्चस्तरीय संपर्क और रणनीतिक संवाद को और मजबूत किया जाएगा। उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के हवाले से योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि, दोनों देशों ने एक-दूसरे की संप्रभुता, सुरक्षा और विकास संबंधी हितों का समर्थन जारी रखने का भी वादा किया।

किम जोंग उन ने चीन के साथ संबंधों को अपने देश की सबसे महत्वपूर्ण रणनीतिक प्राथमिकताओं में से एक बताया। उन्होंने कहा कि प्योंगयांग और बीजिंग के रिश्तों को समाजवादी देशों के बीच सहयोग का आदर्श मॉडल बनाया जाएगा। यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब उत्तर कोरिया और चीन अपने रिश्तों को फिर से मजबूत करने की कोशिश कर रहे हैं।

हाल के वर्षों में रूस के साथ उत्तर कोरिया की बढ़ती नजदीकियों के कारण दोनों देशों के संबंधों में कुछ ठंडापन देखा गया था। विशेषज्ञों का मानना है कि शी चिनफिंग की यह यात्रा उत्तर कोरिया पर चीन के प्रभाव को फिर से मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। किम ने शी के इस फैसले की भी सराहना की कि उन्होंने वर्ष 2026 की अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए प्योंगयांग को चुना।

टीएमसी में टकराव बढ़ा : बागी सांसदों को कीर्ति आजाद ने बताया 'गद्दार'

बोले- 'अगर परेशानी तो छोड़ दें पार्टी'

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के सांसद कीर्ति आजाद ने पार्टी से बगावत करने वाले सांसदों को 'गद्दार' करार दिया है। उन्होंने राजनीतिक नैतिकता पर सवाल उठाते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि अगर उनको (बागी सांसदों) को समस्या है तो उन्हें पार्टी छोड़ देनी चाहिए।

पश्चिम बंगाल में हार के बाद करीब 20 सांसदों के बागी होने की चर्चाएं हैं। इस पर मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए टीएमसी सांसद कीर्ति आजाद ने कहा, 'पश्चिम बंगाल में 'मां-माटी-मानुष के नाम पर टीएमसी के 29 सांसद जीतकर आए थे। उनमें से एक का निधन हो चुका है तो 28 सांसद बचे हैं।' बागी 20 सांसदों पर भड़कते हुए कीर्ति आजाद ने कहा, 'मैं 'गद्दारों' से जानना चाहता हूं कि अगर तकलीफ हो रही थी तो तुमने चुनाव के बाद यह परेशानी क्यों जाहिर की। आपको यह परेशानी चुनावों के पहले जाहिर करनी चाहिए थी। चुनावों के बाद आपने अनेकों आरोप भी लगाए। सुखेंदु शेखर रॉय ने आरोप लगाए। वह सही हैं या गलत हैं, वो जांच का विषय है। हालांकि, नैतिकता के तौर पर उन्होंने टीएमसी से इस्तीफा दिया। अगर आपमें (बागी सांसदों) भी राजनीतिक नैतिकता है तो तुम्हें भी इस्तीफा दे देना चाहिए।'

उन्होंने कहा, 'अगर वे (भाजपा) इन लोगों (सांसदों) को ले भी लेंगे तो एनडीए पार्टी नहीं, बल्कि संगठन है। पहले यह स्पष्ट नहीं है कि आपके साथ कितने सांसद हैं। संख्या दो-तिहाई हुई है या नहीं। अगर आपके झूठ को सच भी मान लूं कि आपके पास 20-22 सांसद हैं, तो आपको भाजपा में विलय करना ही होगा।' कीर्ति आजाद ने कहा, 'अगर आपका यही इरादा है, तो इसे खुलकर कहें, बजाय इसके कि उन कार्यकर्ताओं के साथ धोखा करें जिन्होंने पार्टी को खड़ा किया है। जब उन कार्यकर्ताओं को भाजपा के कार्यकर्ता मारेंगे तो क्या आप (बागी सांसद) उनका समर्थन करेंगे।'

टीएमसी सांसद ने कहा, 'ऐसे नेताओं को शर्म करनी चाहिए। जिस थाली में खाया, उसमें ही खेद कर रहे हैं।'

इस दौरान कीर्ति आजाद ने काकोली घोष पर भी तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, 'काकोली घोष के साथ क्या भ्रष्टाचार हुआ। उन्हें ममता बनर्जी ने सांसद बनाया। वे पांच बार चुनाव हार चुकी थीं। वो चिट्ठी सामने लानी चाहिए, जो आपने स्पीकर को दी है।'

गृह मंत्री अमित शाह ने लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम का शुभारंभ किया

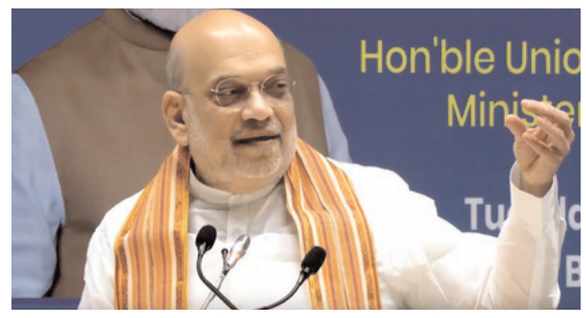

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सीमा और आंतरिक सुरक्षा में सुधार लाने के उद्देश्य से लैंड पोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम (एलपीएमएस) का शुभारंभ किया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के सीमा सुरक्षा और सीमा पार व्यापार को बढ़ावा देने के वादे को रेखांकित करता है।

लैंड पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एलपीएआई) के गठन को एक रिपोर्ट में की गई सिफारिश का परिणाम बताते हुए गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की दूरदृष्टि ने इसे न केवल सुरक्षा की पहली परत बनाया है, बल्कि एक ऐसी एजेंसी के रूप में भी स्थापित किया है जो व्यापार को सुगम और अधिक सुरक्षित बनाती है।

उन्होंने आगे कहा कि इसने दोनों पक्षों के लोगों के बीच संपर्क के सेतु का काम किया है। इसने लैंड पोर्ट्स के कामकाज की अवधारणा को एक नया आयाम दिया है। हमने यह भी देखा है कि लैंड पोर्ट्स हमारी संस्कृति और विरासत के राजदूत कैसे बन सकते हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि एलपीएमएस एक अत्याधुनिक डिजिटल प्लेटफॉर्म है जिसे लैंड पोर्ट्स के संचालन को एक एकीकृत प्रणाली में एकीकृत करने के लिए डिजाइन किया गया है। बयान में आगे कहा गया कि यह लॉजिस्टिक्स और नियामक सूचनाओं के सुरक्षित, रियल-टाइम आदान-प्रदान को सक्षम बनाता है, जिससे भूमि बंदरगाह हवाई अड्डों और समुद्री बंदरगाहों पर संचालित डिजिटल प्रणालियों के समकक्ष हो जाते हैं। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार की स्मार्ट सीमा प्रबंधन के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है, जो प्रौद्योगिकी-आधारित समाधानों के माध्यम से सीमा पार व्यापार और यात्री आवागमन में दक्षता, पारदर्शिता और सुरक्षा को बढ़ाती है। केंद्रीय गृह मंत्री ने दावकी (मेघालय) और श्रीमंतपुर (त्रिपुरा) भूमि बंदरगाहों पर नव विकसित हितधारक आवास सुविधाओं का भी उद्घाटन किया, जिससे सीमा सुरक्षा कर्मियों और अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों के लिए बुनियादी ढांचागत सहायता को और मजबूत किया गया है।

संक्षिप्त खबर

नालंदा विश्वविद्यालय ने मंगोलिया के दो प्रमुख संस्थानों से किया समझौता

राजगीर। बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय ने भारत और मंगोलिया के बीच शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मंगोलिया के दो प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। 8 और 9 जून को मंगोलिया की राजधानी उलानबटार में आयोजित कार्यक्रमों के दौरान हुए इन समझौतों से शिक्षा, शोध, संस्कृति और बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में सहयोग के नए अवसर खुलेंगे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक प्रेस बयान में बताया गया है कि पहला समझौता ज्ञापन 8 जून को उलानबटार स्थित ऐतिहासिक गंदनतेगचिनलेन मठ (गंदन मठ) में नालंदा विश्वविद्यालय और गंदन मठ के बीच संपन्न हुआ, जिस पर प्रोफेसर सचिन चतुर्वेदी, कुलपति, नालंदा विश्वविद्यालय, तथा गेशे ल्हारम्पा जावज़ंदोरज दुलमरागचा, खाम्बा नोमुन खान, सर्वोच्च धर्माध्यक्ष और गंदनतेगचिनलेन मठ के प्रमुख ने हस्ताक्षर किए। इस कार्यक्रम में लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मंगोलिया में भारत के राजदूत अतुल मल्हारी गोटसुरवे, अरखंगाई प्रांत के गवर्नर बी. त्सेरेननादमिद, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी और भारत के विभिन्न मठों से आए भिक्षु उपस्थित थे।

राजकोट एसटी विभाग को मिलीं 5 वॉल्वो बसें, भुज और वडोदरा रूट पर चलेंगी

राजकोट। गुजरात के राजकोट में यात्रियों की बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए गुजरात राज्य मार्ग परिवहन निगम ने 5 नई वॉल्वो बसें दी हैं। इनमें से 3 बसें राजकोट-भुज और 2 बसें राजकोट-वडोदरा रूट पर संचालित की जाएंगी। राजकोट महानगरपालिका की मेयर डॉ. नेहल शुक्ला ने हरी झंडी दिखाकर नई बसों को रवाना किया। इस मौके पर राजकोट महानगरपालिका के मेयर डॉ. नेहल शुक्ला ने कहा, 'जब से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने परिवहन विभाग की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी को सौंपी है, तब से क्रांतिकारी परिवर्तन हुए हैं। अब गुजरात के लोगों को अच्छी बसों में बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं। यात्रियों की सुविधा के लिए लगातार बसों का संचालन किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि जनता को सस्ती और अच्छी यात्रा करने का अवसर मिले। जनता से अपील है कि प्राइवेट की तुलना में सस्ती सरकारी बसों का लाभ लें। राजकोट के लिए 5 बस देनें के लिए उपमुख्यमंत्री का आभारी हूं।' एसटी डिपो मैनेजर एन. जी. ठुम्मर ने बताया कि 2 बस भुज और 3 वडोदरा के लिए शुरू की गई हैं। एक सप्ताह पहले भी दो बसें आई थीं, जिसको राजकोट-वडोदरा रूट पर चलाया जा रहा है। 5 नई वॉल्वो बसें अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। डिपो मैनेजर ने कहा कि जनता से अपील है कि एसटी बसों में अधिक से अधिक सफर करें और प्रधानमंत्री मोदी के डीजल बचत मुहिम का हिस्सा बनें। डिपो मैनेजर ने बताया कि वर्तमान में राजकोट एसटी विभाग के पास 17 वॉल्वो, 20 एसी लग्जरी और 20 इलेक्ट्रिक एसी बसें हैं, जो विभिन्न रूटों पर चल रही हैं। इसके अलावा जल्द ही 6 नई एसी बसें भी राजकोट को मिलने वाली हैं। आने वाले समय में इन नई बसों को स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, मोरबी, जामनगर और दाहोद जैसे महत्वपूर्ण रूटों पर भी शुरू किया जाएगा।

इंदौर में ब्रिक्स देशों का कृषि पर मंथन

इंदौर। मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में ब्रिक्स देशों का कृषि पर मंथन का दौर शुरू हो गया है। पहले चरण में कृषि कार्य समूह की बैठक हो रही है तो वहीं दूसरे चरण में ब्रिक्स देशों के कृषि मंत्री समस्याओं, चुनौती और समाधान पर चर्चा करेंगे।

ब्रिक्स देशों का कृषि पर यह मंथन पांच दिवसीय है, पहले दिन मंगलवार को कई सत्रों में चर्चाओं का दौर चला। पहले तीन दिन कृषि कार्य समूह विभिन्न क्षेत्रों में चर्चा करेंगे, वहीं अंतिम दो दिन ब्रिक्स देशों के मंत्री कृषि हालातों पर संवाद करने के साथ आगामी रणनीति बनाएंगे।

ब्रिक्स देशों के कृषि कार्यसमूह (वर्किंग ग्रुप) की महत्वपूर्ण बैठक में सदस्य देशों के कृषि क्षेत्र से जुड़े साझा मुद्दों, चुनौतियों और भविष्य की रणनीतियों पर विस्तृत चर्चा की जा रही है। अधिकारियों के स्तर पर आयोजित इस बैठक में कई सत्रों में चर्चा हुई है।

बैठक का मुख्य उद्देश्य सदस्य देशों के बीच कृषि क्षेत्र में सहयोग को और अधिक मजबूत करना है। इसमें किसानों के सामने आने वाली विभिन्न समस्याओं, जैसे वित्तीय चुनौतियां, जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न संकट, प्राकृतिक आपदाओं का प्रभाव तथा कृषि उत्पादकता बढ़ाने के उपायों पर विचार-विमर्श किया जा रहा है। साथ ही आधुनिक तकनीक के उपयोग को बढ़ावा देने, कृषि अनुसंधान एवं नवाचारों के आदान-प्रदान तथा सदस्य देशों के बीच कृषि व्यापार को विस्तार देने पर भी विशेष जोर दिया गया।

बैठक में खाद्य सुरक्षा, पोषण सुरक्षा और टिकाऊ कृषि विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। अधिकारियों ने इस बात पर बल दिया कि भविष्य में बढ़ती जनसंख्या और बदलती जलवायु परिस्थितियों को देखते हुए खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करना सभी देशों की प्राथमिकता है। इसके लिए साझा प्रयासों और समन्वित नीतियों की आवश्यकता पर सहमति बनाने की कोशिश की जा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि यह एक बहुस्तरीय मंच है, जहां विभिन्न देशों के प्रतिनिधि अपने अनुभव साझा करते हैं और कृषि क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान के लिए सामूहिक रणनीति तैयार करते हैं। बैठक में इस बात पर भी विचार किया गया कि किस प्रकार सभी सदस्य देशों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करते हुए कृषि क्षेत्र को अधिक सशक्त बनाया जा सकता है। भारत की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा गया है कि देश की बड़ी आबादी और खाद्य सुरक्षा की जरूरतों को देखते हुए कृषि क्षेत्र का महत्व और अधिक बढ़ जाता है।

राजद ने शिवचंद्र राम का इस्तीफा किया नामंजूर, पार्टी ने बताया समर्पित सिपाही

पटना। बिहार विधान परिषद चुनाव में टिकट नहीं मिलने से नाराज होकर राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने की घोषणा करने वाले वरिष्ठ नेता शिवचंद्र राम का इस्तीफा पार्टी ने नामंजूर कर दिया है।

मंगलवार को राजद के मुख्य प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने स्पष्ट किया कि शिवचंद्र राम का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया गया है। उन्होंने बताया कि इस्तीफे की घोषणा के बाद पार्टी के मुख्य सचेतक कुमार सर्वजीत सहित कई वरिष्ठ नेताओं ने शिवचंद्र राम से बातचीत की और उन्हें मनाने का प्रयास किया। नेताओं की पहल के बाद उन्होंने अपनी नाराजगी दूर की और पार्टी में बने रहने पर सहमति जताई।

शक्ति सिंह यादव ने कहा कि शिवचंद्र राम राजद के पुराने और समर्पित सिपाही हैं। सामाजिक न्याय की विचारधारा के प्रति उनकी गहरी आस्था रही है और पार्टी उनके योगदान का सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि राजद नेतृत्व उनके अनुभव और समर्पण को महत्व देता है।

सोमवार को हुए नाटकीय घटनाक्रम के बीच शिवचंद्र राम ने एससी, एसटी की उपेक्षा और सम्मान नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए पार्टी के अनुसूचित जाति-जनजाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान वह भावुक हो गए थे और फूट-फूटकर रो पड़े थे। इस दौरान उन्होंने हालांकि पार्टी में रहने की बात कही थी।

ट्रॉलिंग प्रतिबंध, मछलियों की कमी: केरल में पसंदीदा खाद्य पदार्थ की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका

तिरुवनंतपुरम। केरल के लाखों लोगों के लिए मानसून का मौसम भले ही हमेशा की तरह बारिश लेकर आए, लेकिन यह राज्य के सबसे पसंदीदा खाद्य पदार्थों में से एक - मछली - की कीमतों में भारी वृद्धि भी ला सकता है।

9 जून की मध्यरात्रि से लागू होने वाले 52 दिनों के वार्षिक ट्रॉलिंग प्रतिबंध के साथ, मछली की उपलब्धता में कमी आने की आशंका है, जिससे केरल के बाजारों में कीमतें बढ़ जाएंगी। यह प्रतिबंध, जो 31 जुलाई तक जारी रहेगा, मानसून के प्रजनन काल के दौरान मशीनीकृत ट्रॉलर्स और गहरे समुद्र में मछली पकड़ने वाले जहाजों को जलक्षेत्र से दूर रहने के लिए बाध्य करता है। यह प्रतिबंध समुद्री संसाधनों की रक्षा के उद्देश्य से लगाया गया है, विशेष रूप से व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण प्रजातियों जैसे कि ऑयल सार्डिन के प्रजनन काल के दौरान। केरल के तटों पर हर साल लागू होने वाले इस मछली पकड़ने के प्रतिबंध से लोकप्रिय किस्मों की आपूर्ति में कमी आने की आशंका है क्योंकि बड़े मशीनीकृत जहाज लंगर डाले खड़े रहेंगे। हालांकि, पारंपरिक मछली पकड़ने वाली नौकाओं को संचालन की अनुमति दी जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को कुछ राहत मिलेगी। प्रतिबंध से पहले, मत्स्य विभाग ने अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

अन्य राज्यों की नौकाओं को केरल के जलक्षेत्र से बाहर जाने का निर्देश दिया गया है, जबकि समुद्री प्रवर्तन अधिकारी और तटीय पुलिस उल्लंघन रोकने के लिए गश्त तेज करेंगे। अवैध मछली पकड़ने को हतोत्साहित करने के लिए प्रमुख मछली पकड़ने वाले बंदरगाहों पर ईंधन और डीजल की सुविधा भी बंद कर दी गई है।

मणिपुर के पहाड़ी इलाकों में स्वास्थ्य सेवा को मजबूत करने के लिए 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट की शुरुआत

इंफाल। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने मंगलवार को कहा कि सरकार इंफाल घाटी और पहाड़ी क्षेत्रों दोनों में कुशल मानव संसाधन, आधुनिक बुनियादी ढांचे और उन्नत चिकित्सा तकनीक के उपयोग को सुनिश्चित करके गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंफाल के लैम्फेल में हेल्थ सर्विसेज डायरेक्टरेट से पहाड़ी जिलों में तैनाती के लिए 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स को हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी जिलों में हेल्थकेयर तक पहुंच को मजबूत करने के सरकार के वादे के तहत ये सुविधाएं दूर-दराज और कम सुविधा वाले इलाकों में रहने वाले लोगों तक जरूरी हेल्थ सर्विसेज पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएंगी।

उन्होंने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि ये 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स कम सुविधा वाले और दूर-दराज के पहाड़ी जिलों में हेल्थकेयर डिलीवरी को मजबूत करेंगी और यह पक्का करेंगी कि अच्छी क्वालिटी की मेडिकल सर्विसेज हर नागरिक के घर तक पहुंचें। यह पहल पब्लिक हेल्थ को बेहतर बनाने, हेल्थकेयर तक पहुंच बढ़ाने और एक स्वस्थ, मजबूत और बीमारी-मुक्त मणिपुर बनाने के लिए सरकार के पक्के इरादे को सुनिश्चित करती है। मणिपुर के पहाड़ी जिलों में 'प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान' और 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत ये 13 मोबाइल मेडिकल यूनिट्स शुरू की गई हैं। इनका मकसद आदिवासी और कमजोर आबादी तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाना है। हेल्थ और फैमिली वेलफेयर डिपार्टमेंट के एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स कई तरह की हेल्थकेयर सर्विसेज देंगी, जिनमें आम ओपीडी कंसल्टेशन, बेसिक डायग्नोस्टिक सुविधाएं, जरूरी दवाइयां बांटना और मां-बच्चे की हेल्थकेयर सर्विसेज शामिल हैं।

हादसे से पहले एमटी मारिवाक्स और अमेरिकी नेवी के बीच हुई थी बात : विदेश मंत्रालय

नई दिल्ली। ओमान तट पर हादसे का शिकार हुए पलाऊ के झंडे वाले जहाज एमटी मारिवाक्स और यूएस नेवी के बीच बातचीत हुई थी। मंगलवार को साप्ताहिक मीडिया ब्रीफिंग में इसकी पुष्टि विदेश मंत्रालय ने की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि इस जहाज पर सवार सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है। उन्होंने कहा कि घटना के बाद भारत का दूतावास लगातार ओमान के अधिकारियों और अन्य संबंधित एजेंसियों के संपर्क में रहा। जायसवाल ने कहा, 'एमटी मारीवाक्स ओमान के तट के पास निष्क्रिय हो गया था। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, घटना से पहले जहाज और अमेरिकी नौसेना के बीच वार्तालाप हुई थी। जहाज पर भारत के 24 नागरिक कार्यरत थे और सभी को सुरक्षित निकाल लिया गया है।' उन्होंने बताया कि बचाव अभियान के लिए भारत के दूतावास ने ओमानी अधिकारियों से संपर्क किया, जिसके बाद उन्होंने तुरंत कार्रवाई शुरू की। जायसवाल ने कहा, 'हम सभी हितधारकों के संपर्क में है, जिसमें भारत में मौजूद नौवहन मंत्रालय, एमआरसीसी (मैरीटाइम रेस्क्यू कॉर्डिनेशन सेंटर) और अन्य पक्षधार शामिल हैं। हम इस अभियान में सहयोग के लिए ओमान सरकार का आभार व्यक्त करते हैं जिन्होंने क्रू का बचाव करने और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभाई। भारतीय मिशन अभी भी नाविकों के संपर्क में है।' इससे पहले, मस्कट में मौजूद भारतीय दूतावास ने भी पुष्टि की थी कि होर्मुज जलडमरूमध्य के दक्षिण में आग लगने की घटना के बाद सभी 24 भारतीय नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया।

39 दिनों में टूटा रिकॉर्ड, आदि कैलाश-ओम पर्वत यात्रा को लेकर देशभर में बढ़ा उत्साह

पिथौरागढ़। सीमांत जनपद पिथौरागढ़ स्थित आदि कैलाश एवं ओम पर्वत यात्रा इस वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। यात्रा शुरू होने के मात्र 39 दिनों के भीतर ही इनर लाइन परमिट (आईएलपी) जारी होने का आंकड़ा पिछले वर्ष के पूरे यात्रा सत्र के रिकॉर्ड को पार कर गया है।

जिला प्रशासन के अनुसार वर्ष 2025 में पूरे यात्रा सत्र के दौरान 36,526 इनर लाइन परमिट जारी किए गए थे, जबकि इस वर्ष अब तक 36,776 परमिट जारी हो चुके हैं। इससे देशभर के श्रद्धालुओं, पर्यटकों, ट्रेकर्स और प्रकृति प्रेमियों में यात्रा के प्रति बढ़ते आकर्षण का पता चलता है।

जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने बताया कि बेहतर सड़क संपर्क, यात्री सुविधाओं के विस्तार, सरल परमिट प्रक्रिया तथा आवासीय व्यवस्थाओं में सुधार के कारण यात्रा में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने कहा कि यात्रा में बढ़ती सहभागिता से स्थानीय व्यापार, परिवहन, होमस्टे, हस्तशिल्प और स्वरोजगार गतिविधियों को भी सीधा लाभ मिल रहा है। वर्ष 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदि कैलाश भ्रमण, वर्ष 2024 में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के योग कार्यक्रम तथा वर्ष 2025 में आयोजित आदि कैलाश अल्ट्रा मैराथन ने क्षेत्र को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिला प्रशासन का कहना है कि यात्रियों को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और यादगार यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। बढ़ती पर्यटक संख्या सीमांत क्षेत्र के पर्यटन, रोजगार सृजन और आर्थिक विकास के लिए भी सकारात्मक संकेत मानी जा रही है।

आईआईटी से फ्रांस तक : पानी की गहराइयों में भारतीय तकनीक का कमाल

नई दिल्ली। आईआईटी मद्रास से निकली एक भारतीय नवाचार कंपनी ने वैश्विक मंच पर देश का नाम रोशन किया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय के मुताबिक, आईआईटी के छात्रों की इस कंपनी प्लैनिस टेक्नोलॉजीज का चयन फ्रांस के नीस शहर में आयोजित होने वाले 'भारत इनोवेट्स 2026' के लिए किया गया है। यहां यह संस्थान भारत का प्रतिनिधित्व करेगा।

फ्रांस में भारतीय रिसर्च की जानकारी देते हुए बताया जाएगा कि पानी के भीतर स्थित महत्वपूर्ण ढांचों की जांच के लिए रोबोट, एआई और उन्नत विश्लेषण तकनीकों का उपयोग कैसे किया जा रहा है। यह तकनीक गोताखोरों पर निर्भरता को कम करती है व अधिक सटीक नतीजे देने में सक्षम है।शिक्षा मंत्रालय का कहना है कि 150 से अधिक ग्राहकों, 10 से ज्यादा देशों में संचालन और अनेक पेटेंट के साथ यह कंपनी भारतीय नवाचार की नई पहचान बनकर उभरी है। कंपनी की स्थापना आईआईटी मद्रास के पूर्व छात्रों तनुज झुनझुनवाला और विनीत कुमार उपाध्याय ने की थी।

उन्हें आईआईटी मद्रास के प्रख्यात वैज्ञानिकों प्रोफेसर प्रभु राजगोपाल और प्रोफेसर कृष्णन बालासुब्रमणियन का मार्गदर्शन प्राप्त है। उनके नेतृत्व में विकसित तकनीकें पानी के भीतर मौजूद संरचनाओं की जांच को अधिक सुरक्षित, तेज और सटीक बना रही हैं।

कंपनी द्वारा विकसित विशेष रोबोटिक प्रणालियां और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निरीक्षण मंच समुद्र, नदियों और जलाशयों के भीतर मौजूद ढांचों की स्थिति का विस्तृत आकलन करते हैं। इससे जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में मानव गोताखोरों पर निर्भरता कम होती है और निरीक्षण कार्य अधिक प्रभावी ढंग से पूरा किया जा सकता है। प्लैनिस की सेवाएं बंदरगाहों, पुलों, बिजली संयंत्रों, समुद्री ऊर्जा परियोजनाओं और रक्षा क्षेत्र सहित कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में उपयोग की जा रही हैं।

कंपनी अब तक दुनिया भर के सैकड़ों स्थानों पर सफल निरीक्षण कर चुकी है, जिससे महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा और रखरखाव में सहायता मिली है। फ्रांस में होने वाले इस प्रतिष्ठित आयोजन में चयन भारतीय तकनीकी क्षमता और अनुसंधान आधारित उद्यमिता की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि भारत में विकसित अत्याधुनिक तकनीकें अब केवल देश की जरूरतों को ही पूरा नहीं कर रहीं, बल्कि वैश्विक चुनौतियों के समाधान में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

पानी की गहराइयों में छिपी चुनौतियों को खोजने और उनका समाधान देने वाली यह भारतीय कंपनी आज दुनिया को दिखा रही है कि नवाचार, अनुसंधान और तकनीकी उत्कृष्टता के बल पर भारत वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

डब्ल्यूडब्ल्यूडीसी 26: एप्पल इंटेलिजेंस के नए दौर की शुरुआत, सिरी एआई के साथ आएंगे कई नए फीचर्स

कैलिफोर्निया । एप्पल कंपनी ने अपने आने वाले सॉफ्टवेयर रिलीज की घोषणा की है, जो एप्पल इंटेलिजेंस की अगली पीढ़ी को पेश करेंगे। साथ ही, कंपनी ने सिरी एआई को भी पेश किया है, जो सिरी का एक बिल्कुल नया वर्जन है और पहले से कहीं अधिक स्मार्ट और सक्षम है।

कंपनी के अनुसार, इन रिलीज के साथ अभिभावकों के लिए नए और सहज फीचर्स भी आ रहे हैं, जो बच्चों के लिए सुरक्षित डिजिटल अनुभव बनाने में मदद करेंगे। साथ ही, इनमें ऐसे सुधार भी हैं जो एप्पल प्रोडक्ट्स के सॉफ्टवेयर डिजाइन व परफॉर्मेंस को और बेहतर बनाते हैं, जिससे आईओएस 27, आईपैडओएस 27, मैकओएस 27, वॉचओएस 27, विजनओएस 27 और टीवीओएस 27 के साथ वे अधिक प्रतिक्रियाशील, शानदार और इस्तेमाल में आसान हो जाते हैं।

एप्पल के सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट क्रेग फेडरिघी ने वर्ल्डवाइड डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'एप्पल प्रोडक्ट्स लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा हैं और इस साल हम अपने यूजर्स को और भी कई तरीकों से सशक्त बनाने के लिए दमदार नई क्षमताएं ला रहे हैं।'

फेडरिघी ने बताया, 'हम अपने सभी प्लेटफॉर्म्स पर एप्पल इंटेलिजेंस की नेक्स्ट जेनरेशन ला रहे हैं। सिरी एआई पेश कर रहे हैं, जो सिरी का एक कहीं अधिक स्मार्ट, जानकार और काबिल वर्जन है। परिवारों के लिए आसान नए टूल्स के साथ बच्चों की सुरक्षा से जुड़े फीचर्स का दायरा बढ़ा रहे हैं और अपने सॉफ्टवेयर प्लेटफॉर्म्स को पहले से कहीं अधिक तेज, भरोसेमंद और शानदार बना रहे हैं।'

यूजर्स की प्राइवेसी की सुरक्षा के लिए खास तौर पर डिजाइन किए गए एक नए और दमदार आर्किटेक्चर का इस्तेमाल करते हुए, एप्पल इंटेलिजेंस का नया वर्जन सिरी एआई को पावर देता है। यह तकनीक उन रोजमर्रा के ऐप्स में कई उपयोगी और नए फीचर्स जोड़ती है, जिनका उपयोग यूजर्स प्रतिदिन करते हैं।

सिरी एआई अब यूजर की स्क्रीन पर दिखाई देने वाले कंटेंट से जुड़े प्रश्नों के सटीक उत्तर दे सकती है। यह ऐप्स के भीतर सर्च करने के लिए पर्सनल कॉन्टेक्स्ट (व्यक्तिगत संदर्भ) की समझ का उपयोग करती है। इसके साथ ही, व्यापक वैश्विक ज्ञान का लाभ उठाकर वेब से रियल-टाइम जानकारी जुटाती है और एक मददगार जवाब तैयार कर सकती है।

सिरी एआई के अलावा, एप्पल इंटेलिजेंस के नए वर्जन सिस्टम के सभी ऐप्स में जबरदस्त नए फीचर्स को पावर देते है, ताकि यूजर्स के रोजमर्रा के काम आसान हो सकें। जैसे फोटो एडिट करना, सफारी में कई टैब्स ब्राउज करना, इमेज प्लेग्राउंड के साथ क्रिएटिविटी दिखाना, मैसेज और मेल में बातचीत करना।

करनाल जिला अस्पताल की नर्सों की स्ट्राइक, हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष को बर्खास्त करने की मांग

करनाल । करनाल के जिला नागरिक अस्पताल की सभी स्टाफ नर्स हरियाणा महिला आयोग की अध्यक्ष रेणु भटिया को बर्खास्त करने की मांग को लेकर मंगलवार को 2 घंटे तक हड़ताल पर रहीं। हड़ताल कर रही नर्सों ने बच्ची के साथ गलत काम करने वाले डॉक्टर के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की मांग की।

दरअसल, बीते दिनों कुरुक्षेत्र में एलएनजीपी सरकारी अस्पताल में एक बच्ची के साथ गलत काम हुआ था, जिसमें अस्पताल के डॉक्टर पर आरोप लगा था। पुलिस ने आरोपी डॉक्टर को गिरफ्तार भी कर लिया है। इस मामले में महिला आयोग की हरियाणा की अध्यक्ष रेणु भाटिया बीते दिनों अस्पताल में पहुंची थीं और उन्होंने वहां मौजूद नर्स को फटकार लगाई थी। रेणु भटिया ने नर्सों से सवाल किया था कि वह घटना के दौरान मौके पर क्यों नहीं थीं और उन्होंने बेटी को अकेले क्यों डॉक्टर के पास रहने दिया?

इसके बाद से अब यह मामला हरियाणा में गरमाता हुआ नजर आ रहा है, जिसको लेकर आज करनाल में नर्स 2 घंटे की पेन डाउन स्ट्राइक पर रहीं।

करनाल नागरिक अस्पताल की स्टाफ नर्स भारती ने कहा कि आज हमने सिर्फ 2 घंटे की स्ट्राइक की है। अगर सरकार ने हमारी स्ट्राइक को गंभीरता से नहीं लिया और हमारी मांगों को पूरा नहीं किया तो हम लंबी हड़ताल करेंगे। उन्होंने कहा कि आयोग की अध्यक्ष ने हम पर बेबुनियाद आरोप लगाया है। बिना जांच के ही हमें आरोपी बना दिया गया।

महिला आयोग की अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि हमने (नर्सों) महिला होकर बच्ची के साथ गलत होने दिया और डॉक्टर के साथ शामिल थे। जब कोई चीज साबित नहीं हुई तो हमें किस तरह से कसूरवार बताया जा रहा है?

उर्मिला ने कहा, 'हम यह चीज बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। आज तो सिर्फ 2 घंटे की हड़ताल हुई है, अगर सरकार ने महिला आयोग की अध्यक्ष रेनू भाटिया मैडम को बर्खास्त नहीं किया तो हमारी हड़ताल आगे भी बढ़ सकती है। हम हरियाणा के संगठन से बातचीत करके आगे की रणनीति बताएंगे कि हमें क्या करना है।

कफ विकार दूर कर मानसिक समस्याओं में राहत देता है नाड़ी शोधन प्राणायाम

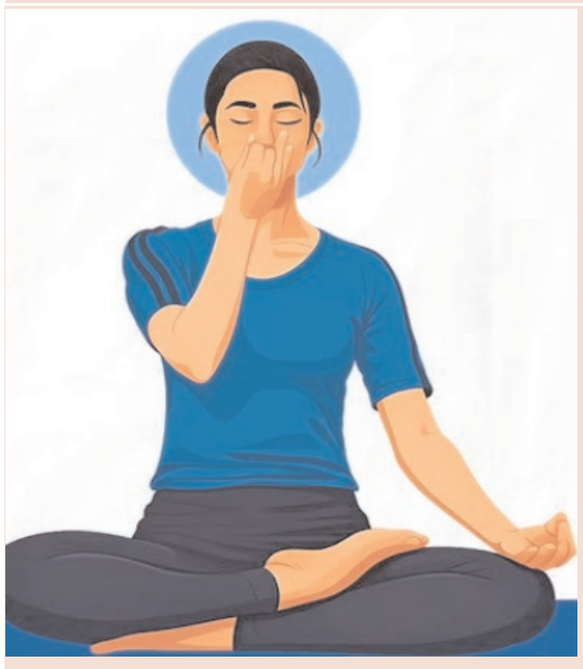

नई दिल्ली। विश्व योग दिवस (21 जून) अब बस कुछ ही दिनों की दूरी पर है। इस बीच भारत सरकार के आयुष मंत्रालय ने नाड़ी शोधन प्राणायाम को विशेष रूप से रेखांकित किया है। यह प्राणायाम मन की शांति, एकाग्रता और शारीरिक संतुलन का आसान और बेहद प्रभावशाली तरीका माना जाता है।

मंत्रालय के अनुसार, इसके नियमित अभ्यास से न सिर्फ मानसिक समस्याएं दूर होती हैं बल्कि कफ संबंधी विकारों में भी राहत मिलती है। नाड़ी शोधन प्राणायाम को वैकल्पिक नासिका श्वास प्राणायाम भी कहा जाता है। यह योग की मूलभूत और सबसे सुरक्षित प्रक्रियाओं में से एक है। इसमें एक नासिका छिद्र से सांस ली जाती है और दूसरे से छोड़ी जाती है। इसकी तकनीक इतनी आसान है कि शुरुआती अभ्यासी भी आसानी से इसे कर सकते हैं।

आयुष मंत्रालय के 'योग फॉर हेल्दी एजिंग' संकल्प के तहत इस प्राणायाम को बढ़ावा दिया जा रहा है। ऐसे में योग एक्सपर्ट बताते हैं कि आधुनिक जीवनशैली में बढ़ते तनाव, चिंता और मानसिक अस्थिरता को दूर करने में नाड़ी शोधन बेहद उपयोगी सिद्ध होता है। इसका नियमित अभ्यास मस्तिष्क के दोनों हिस्सों को संतुलित करता है, जिससे गहरी एकाग्रता बढ़ती है।

इसके प्रमुख लाभ को देखें तो यह मन को शांत और स्थिर बनाता है और तनाव – चिंता के स्तर को काफी कम करता है। इसके अभ्यास से एकाग्रता और स्मरण शक्ति बढ़ती है और कफ विकारों जैसे सर्दी, खांसी, बलगम संबंधी समस्याएं में भी राहत मिलती है। साथ ही आंतरिक ऊर्जा के प्रवाह को बेहतर बनाता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, सुबह खाली पेट 10-15 मिनट का अभ्यास ही काफी फायदेमंद होता है। धीरे-धीरे समय बढ़ाकर 20-30 मिनट तक किया जा सकता है। यह प्राणायाम उन लोगों के लिए खासतौर पर उपयोगी है जो ऑफिस वर्क, पढ़ाई या मानसिक दबाव वाली दिनचर्या में व्यस्त रहते हैं।

योग गुरुओं के मार्गदर्शन में सही तरीके से अभ्यास करने पर इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलते हैं।

लिवर और किडनी के लिए बेहद लाभकारी मंडूकासन, तनाव को भी करता है कम

नई दिल्ली। आधुनिक जीवन की भागदौड़ और अनियमित जीवनशैली ने मानव के खान-पान और रहन-सहन को पूरी तरह बदल दिया है। इस बदलाव का सीधा और सबसे प्रतिकूल प्रभाव हमारे आंतरिक अंगों पर पड़ता है, जिनमें मुख्य रूप से लिवर और किडनी सर्वाधिक प्रभावित होते हैं। जहां लिवर शरीर से हानिकारक तत्वों को बाहर निकालने (डिटॉक्सिफिकेशन) का कार्य करता है, वहीं किडनी रक्त को शुद्ध (फिल्टर) करती है।

इन दोनों अंगों की कार्यप्रणाली प्रभावित होने पर शरीर कई गंभीर रोगों की चपेट में आ जाता है। यही कारण है कि लोग अब अपनी सेहत को दुरुस्त रखने के लिए फिर से योग का रुख कर रहे हैं। कई योगासनों में एक आसन है मंडूकासन, जिसके बारे में कहा जाता है कि यह लिवर और किडनी के लिए काफी फायदेमंद होता है।

मंडूकासन बेहद आसान है। इस आसन को

करने के लिए सबसे पहले वज्रासन में बैठना होता है और फिर दोनों हाथों की मुट्ठी इस तरह बनाए कि अंगूठा उंगलियों के अंदर हो। अब दोनों हाथों की मुट्ठी को पेट के पास रखे और आगे की तरफ झुके। यह आसन पेट पर हल्का दबाव डालता है। इस स्थिति में कुछ समय तक रहे और फिर धीरे-धीरे सामान्य स्थिति में आ जाएं।

मंडूकासन करने के दौरान जो पेट के हिस्से पर हल्का दबाव बनता है, इससे पेट के अंदर मौजूद अंगों में खून का बहाव बेहतर होता है। बेहतर खून के बहाव से अंगों तक ज्यादा ऑक्सीजन और पोषण पहुंचता है। इसी प्रक्रिया को लिवर और किडनी के लिए अच्छा माना जाता है, क्योंकि इससे उनका काम करने का तरीका बेहतर होता है।

लिवर के मामले में यह आसन इसलिए उपयोगी माना जाता है क्योंकि लिवर हमारे शरीर से गंदगी और जहरीले तत्वों को साफ करता है। जब पेट पर हल्का दबाव पड़ता है तो लिवर के आसपास की नसें और रक्त प्रवाह सक्रिय होते हैं। इससे लिवर को अपना काम करने में आसानी होती है। साथ ही पाचन क्रिया भी बेहतर होती है, क्योंकि लिवर पाचन रस बनाने में भी मदद करता है। जब पाचन अच्छा होता है तो लिवर पर ज्यादा दबाव नहीं पड़ता।

गर्मियों में ठंडक और पोषण का मेल 'खरबूजे की खीर', जानें बनाने की विधि

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में भीषण गर्मी पड़ रही है। ऐसे में लोग परेशान हैं कि क्या खाएं, क्या नहीं? गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडक और ताजगी देने वाली मौसमी चीजों की मांग बढ़ जाती है। ऐसे में खरबूजे की खीर एक खास मीठा है। जो न सिर्फ स्वाद में हल्की और ताजगी भरी बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

खरबूजे की खीर दूध, चावल और पके हुए खरबूजे के गूदे से तैयार की जाती है। इसका स्वाद हल्का मीठा और क्रीमी होता है, जो गर्मियों में ठंडक का अहसास देता है। लोग इसे घरों में आसानी से बना सकते हैं।

आयुर्वेद के अनुसार, खरबूजा गर्मियों में शरीर के लिए एक प्राकृतिक वरदान माना जाता है। इसमें लगभग 90 प्रतिशत तक पानी पाया जाता है, जो शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करता है। गर्मी में जब पसीने के कारण शरीर में पानी की कमी होने लगती है, तब खरबूजा इस कमी को दूर करने में अहम भूमिका निभाता है।

इसके अलावा, खरबूजे में विटामिन ए, विटामिन सी, पोटेशियम और फाइबर जैसे कई जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये तत्व न केवल शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, बल्कि पाचन तंत्र को भी बेहतर रखते हैं। फाइबर की मौजूदगी कब्ज जैसी समस्याओं को दूर करने में सहायक होती है। आयुर्वेद में खरबूजे को ठंडा प्रभाव वाला फल माना गया है, जो शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करता है और पेट को ठंडक देता है। यह त्वचा के लिए भी लाभकारी है, क्योंकि इसमें मौजूद विटामिन ए और सी त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाए रखने में मदद करते हैं। साथ ही यह आंखों की सेहत के लिए भी उपयोगी माना जाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि खरबूजा कम कैलोरी वाला फल है, जो वजन नियंत्रित रखने में भी सहायक है। यह पेट को लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराता है, जिससे बार-बार खाने की आदत कम होती है। हालांकि, डायबिटीज के मरीजों को इसका सेवन डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करना चाहिए।

ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स से परेशान? तो छुटकारा दिलाने में मदद कर सकता है चावल का यह घरेलू उपाय

नई दिल्ली। आज के समय में साफ और चमकदार त्वचा हर कोई चाहता है, लेकिन धूल, मिट्टी, पसीना और बढ़ते प्रदूषण की वजह से चेहरे पर कई तरह की समस्याएं होने लगती हैं। इनमें ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स सबसे आम परेशानी हैं।

ये छोटे-छोटे दाने अक्सर नाक, ठुड्डी और माथे के आसपास दिखाई देते हैं। इनकी वजह से चेहरा साफ दिखने के बजाय बेजान नजर आने लगता है। कई लोग इन्हें हटाने के लिए महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं, लेकिन कुछ आसान घरेलू तरीके भी त्वचा की सफाई में मदद कर सकते हैं। ऐसा ही एक तरीका चावल से तैयार किया गया स्क्रब है, जो चेहरे पर जमा गंदगी को साफ करने में सहायक माना जाता है।

त्वचा के रोमछिद्रों में जब प्राकृतिक तेल (सीबम), धूल-मिट्टी और मृत कोशिकाएं जमा हो जाती हैं, तब ब्लैकहेड्स और व्हाइटहेड्स की समस्या उत्पन्न होती है। जब रोमछिद्र खुले होते हैं और यह जमा गंदगी हवा के संपर्क में आती है, तो ऑक्सीकरण के कारण इसका ऊपरी हिस्सा काला पड़ जाता है, जिसे 'ब्लैकहेड्स' कहते हैं। इसके विपरीत, जब यह गंदगी त्वचा के भीतर ही बंद रह जाती है, तो वह सफेद दाने के रूप में उभरती है, जिसे 'व्हाइटहेड्स' कहा जाता है। इसलिए इनसे बचने के लिए चेहरे की नियमित सफाई बहुत जरूरी होती है। चावल को त्वचा के लिए फायदेमंद माना जाता है क्योंकि इसके दाने त्वचा पर जमा गंदगी को धीरे-धीरे हटाने में मदद करते हैं। जब चावल को हल्का दरदरा पीसा जाता है।

रोजर फेडरर न्यूयॉर्क में एग्जीबिशन इवेंट के साथ यूएस ओपन में वापसी को तैयार

- न्यूयॉर्क फिर करेगा फेडरर का स्वागत, यूएस ओपन में दिखेगा दिग्गज का जलव
- यूएस ओपन में फेडरर का स्पेशल कमबैक, एगासी-रोडिक भी होंगे साथ

नई दिल्ली। टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी रोजर फेडरर इस साल यूएस ओपन में वापसी करेंगे। फ्लशिंग मीडोज में खेलने के 7 साल बाद, आयोजकों ने घोषणा की है कि यह स्विस खिलाड़ी न्यूयॉर्क में एक एग्जीबिशन इवेंट में मुख्य आकर्षण होंगे।

20 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन 25 अगस्त को 'रोजर फेडरर: एन आइकन रिटर्न्स टू न्यूयॉर्क' इवेंट का हिस्सा बनेंगे। टेनिस के सबसे महान खिलाड़ियों में से एक उस टूर्नामेंट में वापसी कर रहे हैं, जिसमें उन्हें अपने करियर के कई बेहतरीन अनुभव मिले थे।

फेडरर ने 24 साल के शानदार करियर के बाद साल 2022 में टेनिस से संन्यास ले लिया था। वह लगातार पांच बार यूएस ओपन मेंस सिंगल्स खिताब जीतने वाले एकमात्र पुरुष खिलाड़ी हैं। उम्मीद है कि उनका यह इवेंट इस साल के कार्यक्रम के मुख्य आकर्षणों में से एक होगा।

खबर सामने आने के बाद फेडरर ने न्यूयॉर्क मेजर के साथ अपने जुड़ाव के बारे में कुछ भावुक बातें कहीं। उन्होंने कहा, 'यूएस ओपन हमेशा मेरे लिए सबसे खास टूर्नामेंट्स में से एक रहा है। मेरे करियर के कई यादगार पल न्यूयॉर्क में ही बीते हैं, और आर्थर ऐश स्टेडियम मेरे लिए बहुत मायने रखता है। मैंने उस माहौल का हिस्सा बनने और हर साल फैंस द्वारा लाई जाने वाली अद्भुत ऊर्जा को महसूस करने की कमी महसूस की है।'

उनके साथ कई अन्य अमेरिकी दिग्गज भी शामिल होंगे, जैसे पूर्व यूएस ओपन चैंपियन एंडी रॉडिक, 8 बार के मेजर विजेता आंद्रे अगासी और 7 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जॉन मैकेनरो।

न्यूयॉर्क में उनकी यह वापसी 2021 में यूएस ओपन खिताब जीतने की आखिरी कोशिश के ठीक एक साल बाद हो रही है, जो उनका आखिरी आधिकारिक मेजर टूर्नामेंट था, जहां उन्हें ह्यूबर्ट हरकाज ने सीधे सेटों में हराया था। उनकी यह वापसी 'इंटरनेशनल टेनिस हॉल ऑफ फेम क्लास ऑफ 2024' में शामिल किए जाने के कुछ समय बाद हो रही है।

फेडरर ने 20 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और 103 टूर खिताबों के साथ अपने शानदार करियर का समापन 2022 में लंदन में लेवर कप में किया। वे 2004 से 2008 तक लगातार 5 बार यूएस ओपन खिताब जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

आईजीपीएल भारत क्लासिक: कोचर ने इस साल तीसरी बार टॉप-10 में जगह बनाई

अल जदीदा । करणदीप कोचर ने मोरक्को में 5,00,000 यूएस डॉलर की इनामी राशि वाले आईजीपीएल भारत क्लासिक के आखिरी दिन बिना किसी बोगी के 4-अंडर 68 का स्कोर किया और इस सीजन में एक बार फिर टॉप-10 में जगह बनाई। चंडीगढ़ के लंबे-कद वाले गोल्फर टी-9 स्थान पर रहे, जो इस साल उनका तीसरा टॉप-10 फिनिश था। इसके साथ ही वे एशियन टूर ऑर्डर ऑफ मेरिट में 12वें स्थान पर पहुंच गए।

कोचर ने 66-73-70-68 के राउंड खेले और कुल 11-अंडर का स्कोर किया, जबकि स्वीडन के चार्ली लिंध (69-70-67-64) ने कुल 18-अंडर के स्कोर के साथ शानदार जीत हासिल की। ??लिंध कोलन कोरिया ओपन में अपने पिछले टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहे थे, और इस हफ्ते उन्होंने बहुत ही लगातार अच्छा प्रदर्शन किया, जिससे वे ऑर्डर ऑफ मेरिट में तीसरे स्थान पर पहुंच गए। लिंध ने शानदार अंदाज में जीत हासिल की; उन्होंने 18वें होल पर ईगल लगाकर चार-शॉट से जीत पक्की की।

यह टूर्नामेंट इंडियन गोल्फ प्रीमियर लीग (आईजीपीएल) और एशियन टूर द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था।

अन्य भारतीय आईजीपीएल खिलाड़ियों में, गगनजीत भुल्लर (75-70-69-68) और यशस्वी चंद्र (75-68-71-68) 6-अंडर के स्कोर के साथ अगले सबसे अच्छे खिलाड़ी रहे और टी-27 स्थान हासिल किया। भुल्लर ने एक बोगी के मुकाबले पांच बर्डी लगाईं, जबकि यशस्वी ने अपने 68 के स्कोर में कोई बोगी नहीं की।

राशिद खान ने आखिरी राउंड में 71 का स्कोर किया और कुल 3-अंडर के साथ टी-41 स्थान पर रहे। उनके साथ कार्तिक सिंह (71) और सचिन बैसोया (67) भी इसी स्थान पर रहे; बैसोया के आखिरी राउंड में दो ईगल शामिल थे - एक पार-5 तीसरे होल पर और दूसरा पार-5 सातवें होल पर। कार्तिक का राउंड काफी उतार-चढ़ाव वाला रहा, जिसमें उन्होंने सात बर्डी, दो बोगी और दो डबल बोगी लगाईं। शौर्य भट्टाचार्य ने अच्छी शुरुआत के बाद तीन बर्डी और एक डबल बोगी के साथ 71 का स्कोर किया और टी-52 पर रहे, जबकि अमन राज (70) टी-56, पुखराज सिंह गिल (75) टी-59, राघव चुघ (77) टी-64 और उदयन माने (73) भी टी-64 पर रहे। एमेच्योर जय बहल (74) टी-67 पर रहे। आईजीपीएल दुबई के विजेता कोचर का हिटिंग के मामले में हफ्ता शानदार रहा क्योंकि उन्होंने कई फेयरवे और ग्रीन इन रेगुलेशन हासिल किए। हालांकि, उनका पुटर और बेहतर हो सकता था, क्योंकि उन्हें चारों दिन 28 या उससे ज्यादा पुट्स की जरूरत पड़ी, जिसमें दूसरे दिन 34 पुट्स भी शामिल थे, जब उन्होंने 73 का स्कोर किया था।

रोहित शर्मा और हार्दिक पांड्या अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज खेलेंगे, सीओई से मिली हरी झंडी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा और स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए फिट घोषित कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) ने दोनों खिलाड़ियों को फिट घोषित किया है।

फिटनेस टेस्ट पास करने के बाद रोहित और हार्दिक का अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज खेलना तय हो गया है। पांड्या पीठ में ऐंठन से जूझ रहे थे। इस वजह से आईपीएल 2026 में मुंबई इंडियंस के लिए कुछ मैच नहीं खेल पाए थे। उन्हें उनके फिटनेस रूटीन के लिए बैंगलोर में सीओई भेजा गया था। रोहित शर्मा को भी आईपीएल 2026 के दौरान हैमस्ट्रिंग में चोट लगी थी। दोनों सीओई में रिकवरी की प्रक्रिया से गुजर रहे थे, जहां मंगलवार को उन्हें फिट घोषित किया गया।

रोहित और पांड्या दोनों ही अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन इनका खेलना फिटनेस टेस्ट पास करने पर निर्भर था। दोनों दिग्गज खिलाड़ी अब अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज में खेलते दिखेंगे।

विराट कोहली इंजरी की वजह से अफगानिस्तान वनडे सीरीज से बाहर हो गए हैं। ऐसे में रोहित और हार्दिक के फिट घोषित किए जाने से भारतीय टीम मजबूत हुई है। रोहित ने अपना आखिरी वनडे न्यूजीलैंड के खिलाफ 18 जनवरी 2026 को खेला था। हार्दिक ने मार्च 2025 में भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के बाद से कोई वनडे नहीं खेला है। भारत और अफगानिस्तान के बीच पहला वनडे 13 जून को धर्मशाला में खेला जाना है। इसके लिए बुधवार को टीम धर्मशाला पहुंचेगी। दूसरा वनडे 17 जून को लखनऊ और तीसरा वनडे 20 जून को चेन्नई में खेला जाएगा।

टी20 विश्व कप 2026 का विजेता बनने के बाद भारतीय टीम का अगला लक्ष्य वनडे विश्व कप 2027 है।

त्रिकोणीय सीरीजः इंडिया ए ने रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका ए को 8 रन से हराया

दांबुला । श्रीलंका में खेले जा रहे त्रिकोणीय सीरीज की शुरुआत इंडिया ए ने जीत के साथ की है। इंडिया ए ने रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका ए को 8 रन से हरा दिया। भारतीय टीम ने श्रीलंका को जीत के लिए 278 रन का लक्ष्य दिया था। श्रीलंका 269 रन पर सिमट गई और 8 रन से मैच हार गई।

श्रीलंका की तरफ से पारी की शुरुआत निरोशन डिकवेला और अविष्का फर्नांडो ने की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दी। 93 के स्कोर पर अविष्का 59 गेंद पर 45 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 99 के स्कोर पर निरोशन के रूप में श्रीलंका को दूसरा झटका लगा। निरोशन 45 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। 109 पर श्रीलंका को तीसरा झटका भी लगा, जब नुवानीडू फर्नांडो 8 रन बनाकर आउट हुए।

सदीरा समरविक्रमा और कप्तान साहन अराचिगे ने चौथे विकेट के लिए 78 रन जोड़कर मैच में श्रीलंका की फिर वापसी कराई। समरविक्रमा ने 46 रन बनाए और चौथे विकेट के रूप में 187 के स्कोर पर आउट हुए। इसके बाद विकेटों के गिरने का क्रम लगातार जारी रहा, लेकिन कप्तान अराचिगे ने एक छोर थामे रखा और बेहतरीन अर्धशतक लगाया।

सातवें विकेट के रूप में आउट होने से पहले कप्तान ने 72 गेंदों पर 74 रनों की पारी खेली। उनका विकेट जब गिरा, उस समय श्रीलंका को मात्र 16 रन की आवश्यकता थी। कप्तान अराचिगे का विकेट गिरते ही श्रीलंकाई बल्लेबाजी लड़खड़ा गई और 48.5 ओवर में 269 रन पर सिमट गई और 8 रन से हार गई। भारत की तरफ से आयुष बडोनी, अनुकूल रॉय, अरशद खान और विपराज निगम ने 2-2 विकेट लिए। अंशुल कंबोज को एक विकेट मिला।

इंडिया ए टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 277 रन बनाए थे। भारतीय टीम की तरफ से ऋतुराज गायकवाड़ ने शतक लगाया। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 114 गेंदों पर 101 रन की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 3 छक्के और 6 चौके लगाए। इसके अलावा कप्तान तिलक वर्मा ने 97 गेंदों पर 1 छक्का और 2 चौके की मदद से 60 रन की पारी खेली। प्रियांश आर्य ने 32, आयुष बडोनी ने 24 और सुर्यांश शेड्गे ने नाबाद 26 रन बनाए थे।

देवेंद्र झाझरिया: हादसे से बावजूद नहीं मानी हार, पैरालंपिक में भारत को जिताए 3 मेडल

नई दिल्ली । देवेंद्र झाझरिया की गिनती भारत के सबसे सफल पैरा एथलीट्स में होती है, जिन्होंने जैवलिन थ्रो में भारत के लिए 3 पैरालंपिक पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। बचपन में दुर्घटना में एक हाथ गंवाने के बावजूद देवेंद्र ने हार नहीं मानी। उनकी उपलब्धियां संघर्ष, दृढ़ संकल्प और उत्कृष्ट खेल भावना की प्रेरक मिसाल हैं।

10 जून 1981 को राजस्थान के चुरू में जन्मे देवेंद्र बेहद उत्साही बच्चे थे, लेकिन एक हादसे ने उनकी जिंदगी बदल दी। एक पेड़ पर चढ़ते समय शाखा पर लिपटे बिजली के हाई वोल्टेज तार के संपर्क में आने के बाद ग्रामीणों ने देवेंद्र को पेड़ से उतारा। लोगों को ऐसा लगा कि वह मर गए हैं, लेकिन डॉक्टरों ने तुरंत बायां हाथ काटने की सलाह दी। उस समय देवेंद्र महज 8 साल के थे।

देवेंद्र समझ गए थे कि अब जिंदगी पहले जैसी नहीं रहेगी। वह न तो दोस्तों से पहले की तरह मिलते-जुलते, न ही उनके साथ खेल पाते, क्योंकि दूसरे बच्चे उन्हें बोझ समझते थे। देवेंद्र ने स्कूल में भाला फेंक प्रतियोगिता में हिस्सा लेना शुरू किया। साल 1997 में एक पैरा-एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कोच रिपुदमन सिंह ने उनकी प्रतिभा को पहचानते हुए देवेंद्र को यह खेल गंभीरता से लेने की सलाह दी।

23 साल की उम्र में देवेंद्र झाझरिया ने 2004 एथेंस पैरालंपिक के लिए क्वालीफाई कर लिया, जिसमें 62.15 मीटर के वर्ल्ड रिकॉर्ड के साथ एफ46 भाला फेंक में गोल्ड जीता। अगले दो पैरालंपिक में एफ46 इवेंट कार्यक्रम का हिस्सा नहीं थे। ऐसे में उन्हें अगले पैरालंपिक गेम्स में उतरने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। 2016 रियो पैरालंपिक में देवेंद्र ने 63.97 मीटर के थ्रो के साथ अपना रिकॉर्ड बेहतर करते हुए भारत को दूसरा गोल्ड जिताया। इसी के साथ देवेंद्र पैरालंपिक में दो गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बन गए।

एक वक्त ऐसा भी आया, जब कैंसर से जूझ रहे पिता राम सिंह को देखकर देवेंद्र ने इस खेल को अलविदा कहने का मन बना लिया था, लेकिन पिता ने उन्हें खेल पर फोकस करने की सलाह दी। आखिरकार देवेंद्र ने पिता की सलाह मानी।

'डेब्यू विकेट हमेशा मेरा पसंदीदा रहेगा': मानव सुथार

नई दिल्ली। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर मानव सुथार के लिए अफगानिस्तान के खिलाफ हुई टेस्ट करियर की शुरुआत बेहद यादगार रही है। सुथार ने अपनी बल्लेबाजी और गेंदबाजी से बेहद प्रभावित किया और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाते हुए अपने पहले ही मैच में 'प्लेयर ऑफ द मैच' का खिताब जीता। सुथार ने कहा है कि उनका डेब्यू विकेट हमेशा उनका पसंदीदा विकेट रहेगा।

सुथार ने जियोस्टार पर अपने डेब्यू टेस्ट के बारे में कहा, 'गौतम सर और कप्तान ने मुझे बताया कि मैं अपना डेब्यू करूंगा। यह बहुत गर्व का पल था क्योंकि, जब से मैंने खेलना शुरू किया, यह मेरा, मेरे पिता का और सभी का सपना था कि मैं भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलूं। जिस दिन से मैंने खेलना शुरू किया और जैसे-जैसे मैं रैंक में आगे बढ़ा, रेड-बॉल क्रिकेट मेरे लिए सब कुछ था। यह खेल का शिखर है। इसलिए, चाहे मैं अंडर-19 क्रिकेट खेल रहा था या रणजी ट्रॉफी, लक्ष्य हमेशा भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना था। सभी ने मुझे बहुत हिम्मत दी और मोटिवेट किया, इसलिए यह सच में बहुत खास लगा। मुझे कैप देते समय कुलदीप भाई की स्पीच बहुत प्रेरित करने वाली थी।'

युवा खिलाड़ी ने कहा, 'जब मेरा नाम टीम में आया, तो मैं आईपीएल के दौरान भी लाल गेंद से अभ्यास कर रहा था, यह सोच रहा था कि अगर मौका मिला तो मैं चीजों को कैसे करूंगा। यहां आने के बाद, मेरे तीन या चार लंबे अभ्यास सेशन हुए। गेंदबाजी में, यह सच में मायने नहीं रखता कि आप कितने घंटे लगाते हैं। अगर आपको गेंदबाजी पसंद है, तो आप बिना एहसास किए 20-25 ओवर गेंदबाजी कर सकते हैं। जरूरी यह है कि आप जितना हो सके उतनी गेंदबाजी करते रहें।'

न्यू चंडीगढ़ की पिच पर अपनी गेंदबाजी योजना पर सुथार ने कहा, 'डेब्यू विकेट हमेशा उनका पसंदीदा रहेगा। जब वे गेंदबाजी कर रहे थे, तो कुछ गेंदें टर्न ले रही थीं। जब मैं बल्लेबाजी कर रहा था, तो कभी-कभी गेंदें रुक जाती थीं। इसलिए, मुझे लगा कि उस ट्रैक पर स्पिनरों को कुछ मदद मिल सकती है। जैसे ही मैंने अपना पहला ओवर फेंका, गेंद टर्न लेने लगी, इसलिए मैंने उस विकेट पर अपनी स्टॉक बॉल से ज्यादा से ज्यादा गेंदबाजी करने की कोशिश की।'

उन्होंने कहा, 'मेरा फोकस लगातार गेंद को सही एरिया में डालने पर था। शुरू से ही, मैंने स्पॉट-गेंदबाजी पर फोकस किया है। मेरी जो भी निरंतरता है, वह उसी की वजह से है।

'यह जगह घर की तरह', विराट कोहली ने आरसीबी के लगातार 2 बार चैंपियन बनने पर लिखा भावुक संदेश

नई दिल्ली। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने आरसीबी के लगातार दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बनने पर सोशल मीडिया पर एक भावुक पोस्ट साझा किया है।

विराट ने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट करते हुए पूरे सीजन में टीम के सफर और उस मजबूत रिश्ते के बारे में बात की जिसने उन्हें खिताब तक पहुंचने के रास्ते में चुनौतियों से उबरने में मदद की।

कोहली ने लिखा, 'सीजन की शुरुआत भरोसे के साथ की। लगातार दो खिताब के साथ खत्म किया। इस टीम ने हर इमोशन को एक साथ जिया। उतार-चढ़ाव, दबाव, मुश्किलें और अटूट सपोर्ट। यह बहुत खास लगता है क्योंकि यह जगह घर है।'

लगातार 17 सीजन एक भी आईपीएल खिताब नहीं जीत सकी आरसीबी ने 18वें सीजन (आईपीएल) में अपना पहला खिताब जीता और उसे आईपीएल 2026 में फिर दोहरा दिया। आईपीएल 2025 में आरसीबी ने पंजाब किंग्स को हराकर खिताब जीता था, जबकि आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस (जीटी) को हराकर खिताब जीता।

आईपीएल 2026 फाइनल की बात करें तो नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 31 मई को खेले गए मुकाबले में आरसीबी के कप्तान रजत पाटीदार ने टॉस जीतकर गेंदबाजी का फैसला किया था। यह फैसला उनके गेंदबाजों ने सही साबित किया और जीटी को 155 रन पर रोक दिया।

आरसीबी ने 18 ओवर में 5 विकेट पर 161 रन बनाकर 5 विकेट से मैच जीता और लगातार दूसरी बार खिताब अपने नाम किया। इस खिताबी जीत में विराट कोहली की अहम भूमिका रही। छक्का लगाकर फाइनल जिताने वाले विराट ने 42 गेंदों पर 75 रन बनाए। विराट फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे थे। आरसीबी के पूरे सीजन प्रभावी और दबदबे वाले प्रदर्शन में विराट की दमदार बल्लेबाजी की अहम भूमिका रही। विराट ने 16 मैचों की 16 पारियों में 675 रन बनाए। इसमें 1 शतक और 5 अर्धशतक शामिल है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415